

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 42 । पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 8 अक्टूबर 2026 (गुरुवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

अमेरिका का वीजा नहीं मिलने से 9 भारतीय पहलवानों पर संकट



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। लास वेगास में होने वाली अंडर-23 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप से पहले भारतीय पहलवानों के सामने वीजा का संकट खड़ा हो गया है। भारत के नौ पहलवानों को अमेरिका का वीजा नहीं मिल पाया है। इसके चलते 12 से 18 अक्टूबर तक होने वाली चैंपियनशिप में इन खिलाड़ियों का हिस्सा लेना मुश्किल हो गया है। वीजा नहीं पाने वाले पहलवानों में 2024 अंडर-17 वर्ल्ड चैंपियन नेहा सांगवान भी शामिल हैं। पहलवानों को बुधवार को नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास में वीजा इंटरव्यू के लिए बुलाया गया था। इंटरव्यू के दौरान उन्हें मौखिक रूप से बताया गया कि उनके आवेदन 20 साल से कम उम्र और रोजगार नहीं होने के कारण खारिज किए गए हैं।

'सरकार को हराना आसान, किसानों का भरोसा जीतना बड़ी बात'... बेडी यार्ड में राडिया का विरोधियों पर सीधा हमला

प्रतिमा अनावरण के मंच से सहकारी चुनाव की हुंकार, राडिया बोले- चुनाव होंगे तो पूरी ताकत से मैदान में उतरेंगे

बेडी यार्ड में 60 करोड़ के विकास कार्यों का हिसाब, राडिया ने विरोधियों को पुराने वोटों की याद दिलाई 'पागल को भी 50-60 वोट मिल जाते हैं'

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

राजकोट। राजकोट के बेडी मार्केटिंग यार्ड में आयोजित कार्यक्रम में विकास कार्यों और दिवंगत किसान नेता विठ्ठलभाई राडिया की स्मृति के साथ सहकारिता की राजनीति भी चर्चा में आ गई। कृषि मंत्री जीतू वाघानी की मौजूदगी में विठ्ठलभाई राडिया की प्रतिमा का अनावरण किया गया। इसी अवसर पर किसानों की सुविधा के लिए 12 करोड़ रुपये की लागत से तैयार नवनिर्मित नीलामी शेड का भी उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में जेतपुर विधायक और सहकारिता क्षेत्र के नेता जयेश राडिया समेत यार्ड के पदाधिकारी और निदेशक मंडल के सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान जयेश राडिया ने अपने संबोधन में सहकारी क्षेत्र में किसानों के भरोसे को राजनीतिक जीत से बड़ा बताते हुए विरोधियों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजनीति में सरकार को हराने की बातें होती रहती हैं, लेकिन सहकारी क्षेत्र और किसानों का विश्वास हासिल करना बड़ी बात है। राडिया ने कहा कि जब भी किसानों से जुड़े चुनाव होते हैं, वे खेतों तक जाकर उनसे संपर्क करते हैं और यार्ड में किए गए काम के आधार पर समर्थन मांगेंगे। राडिया ने पिछले चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि पांच साल पहले कुछ लोग चुनाव लड़ने के लिए आए थे, लेकिन 1400 में से उन्हें केवल 80 वोट मिले थे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि पागल को भी 50-60 वोट मिल जाते हैं। राडिया ने कहा कि उन्होंने पांच साल पहले ही किसानों से अपनी टीम पर भरोसा रखने की अपील की थी और कहा था कि सफलता में समय लग सकता है, लेकिन परिणाम जरूर मिलेगा। उन्होंने बेडी मार्केटिंग यार्ड में पिछले पांच वर्षों के दौरान हुए विकास कार्यों का भी उल्लेख किया। राडिया के अनुसार अध्यक्ष जयेश बोगरा के नेतृत्व में यार्ड में करीब 60 करोड़ रुपये के विकास कार्य किए गए हैं। किसानों के माल को बारिश से बचाने के लिए अलग-अलग नीलामी शेड बनाए गए हैं। उनका कहना था कि इन सुविधाओं के कारण किसान अब यार्ड को अपना मानते हैं और उन्हें यहां किसी तरह की परेशानी नहीं हो रही है। राडिया ने सहकारी संस्थाओं के चुनाव को लेकर भी अपना रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि चुनाव जब भी होंगे, उनकी टीम पूरी तरह मैदान में उतरेगी। राजकोट जिला सहकारी बैंक, राजकोट डेयरी और मार्केटिंग यार्ड जैसे सहकारी संस्थानों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उनका प्रयास सहकारी व्यवस्था को गैर-राजनीतिक और ईमानदारी से चलाने का रहा है। कार्यक्रम में दिवंगत विठ्ठलभाई राडिया के क्षेत्र के लिए किए गए योगदान को भी याद किया गया। उनके आजीवन योगदान का उल्लेख करते हुए यार्ड के अध्यक्ष जयेश बोगरा और निदेशक मंडल को कार्यक्रम के आयोजन के लिए धन्यवाद दिया गया। कृषि मंत्री जीतू वाघानी ने भी अपने संबोधन में पुराने घटनाक्रमों को याद किया। उन्होंने करीब 25 साल पहले गुजरात में मतदान के लिए जाते समय एक गांव में चोरी के आरोप में एक व्यक्ति की पिटाई होते देखने का प्रसंग बताया। उन्होंने किसानों पर हुए हमलों का उल्लेख करते हुए पोपट लखा सोरथिया जैसे किसानों की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या किए जाने की बात कही। इसी संदर्भ में उन्होंने कहा कि जयेश राडिया किसानों की रक्षा के लिए साहस के साथ आगे आए हैं।कार्यक्रम में किसान सुविधाओं और यार्ड के विकास के साथ आगामी सहकारी चुनावों की राजनीतिक दिशा के संकेत भी दिखाई दिए। जयेश राडिया के बयान में एक ओर जहां पिछले पांच वर्षों में किए गए विकास कार्यों का दावा सामने आया, वहीं दूसरी ओर उन्होंने भविष्य में होने वाले सहकारी चुनावों में पूरी ताकत से उतरने की बात कही। ऐसे में बेडी मार्केटिंग यार्ड का यह कार्यक्रम केवल प्रतिमा अनावरण और विकास कार्यों के उद्घाटन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सहकारिता क्षेत्र में आगामी राजनीतिक मुकाबले को लेकर भी चर्चा का मंच बन गया।



मानसून की विदाई के बाद भी बारिश का दौर जारी, 16 राज्यों में अलर्ट; यूपी में 10 नदियां उफान पर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश के ज्यादातर हिस्सों से मानसून विदा हो चुका है, लेकिन कई राज्यों में बारिश का दौर अभी थमा नहीं है। मध्य प्रदेश में चक्रवाती सिस्टम के असर से अगले तीन दिन तक बारिश होने का अनुमान है। राज्य के 16 जिलों में गरज-चमक, आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।



इसके अलावा उत्तराखंड, बिहार, हरियाणा, झारखंड, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ और पंजाब में भी बारिश की संभावना जताई गई है पहाड़ी इलाकों में हुई बारिश के बाद उत्तर प्रदेश की कई नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। राज्य में 10 नदियां उफान पर हैं। लखनऊ और सीतापुर समेत सात जिलों में अब भी बाढ़ के हालात बने हुए हैं। गोंडा के करीब 10 गांव भी बाढ़ से प्रभावित हैं। लखनऊ के इटौंजा में बाढ़ के पानी के तेज बहाव में छह दोस्त बह गए। इनमें से एक की मौत हो गई, जबकि पांच लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। उन्नाव में दीवार गिरने से महिला की मौत हो गई। लगातार बारिश और नदियों के बढ़े जलस्तर के कारण कई इलाकों में लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उत्तराखंड के कई हिस्सों में मंगलवार शाम बारिश और बर्फबारी हुई। देहरादून में बारिश हुई, जबकि अल्मोड़ा और उत्तरकाशी में तेज बारिश के साथ ओले भी गिरे। मौसम में बदलाव के कारण पहाड़ी क्षेत्रों में ठंड का असर भी बढ़ने लगा है।

जंतर-मंतर से 200 मीटर पहले सड़क पर बैठे राहुल-प्रियंका, सुरक्षा बलों ने रोका तो संविधान की कॉपी लेकर सड़क पर लेटीं प्रियंका

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने बुधवार को लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन किया। दोनों विपक्षी सांसदों के साथ जंतर-मंतर की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन सुरक्षा बलों ने उन्हें जंतर-मंतर से करीब 200 मीटर पहले ही रोक दिया। आगे जाने की अनुमति नहीं मिलने पर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी सड़क पर बैठ गए। इसी दौरान प्रियंका गांधी संविधान की कॉपी लेकर सड़क पर लेट गईं। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और सुरक्षाबलों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। सुरक्षा व्यवस्था के कारण राहुल और प्रियंका समेत प्रदर्शन में शामिल नेताओं को जंतर-मंतर की ओर आगे नहीं बढ़ने दिया गया। इसके बाद दोनों नेताओं ने सड़क पर बैठकर विरोध जताया और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग दोहराई। इससे पहले राहुल गांधी और प्रियंका गांधी विपक्षी सांसदों के साथ सागर रत्ना रेस्टोरेंट पहुंचे थे। यहां कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की ओर से विपक्षी नेताओं के लिए लंच का आयोजन किया गया था। लंच के बाद राहुल और प्रियंका गांधी विपक्षी सांसदों के साथ जंतर-मंतर की ओर रवाना हुए। हालांकि, समाजवादी पार्टी के नेता इस लंच में शामिल नहीं हुए। यह विरोध प्रदर्शन मंगलवार को हुए घटनाक्रम के अगले दिन किया गया। एक दिन पहले इंडिया ब्लॉक के 200 से अधिक सांसदों ने संसद से चुनाव आयोग के कार्यालय तक मार्च निकालने की कोशिश की थी। हालांकि, सुरक्षा बलों ने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया था। इसके बाद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने आकाशवाणी परिसर में करीब आठ घंटे तक धरना दिया था। मंगलवार को प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को दो बार हिरासत में भी लिया गया था। बाद में आकाशवाणी परिसर में जबरन प्रवेश करने के आरोप में दोनों नेताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। अब बुधवार को एक बार फिर दोनों नेताओं के प्रदर्शन से राजधानी में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गईं। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर लगातार प्रदर्शन किया जा रहा है। बुधवार को जंतर-मंतर के पास हुए प्रदर्शन में भी यही मुद्दा प्रमुख रहा। सुरक्षा बलों द्वारा रोके जाने के बाद दोनों नेताओं के सड़क पर बैठने और प्रियंका गांधी के संविधान की कॉपी लेकर सड़क पर लेटने से प्रदर्शन का दृश्य चर्चा में रहा।





5 करोड़ लेकर संत प्रेमानंद के आश्रम जाने का आरोप, विराट कोहली के प्रवक्ता ने किया खंडन

महानगर मेट्रो ब्यूर

नई दिल्ली। क्रिकेटर विराट कोहली ने संत प्रेमानंद के आश्रम जाने के लिए 5 करोड़ रुपए लेने के आरोपों को खारिज कर दिया है। कोहली के प्रवक्ता ने बुधवार को बयान जारी कर इन आरोपों को झूठा, निराधार और तथ्यहीन बताया। प्रवक्ता ने कहा कि विराट कोहली संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन के लिए गहरी श्रद्धा और सम्मान के कारण आश्रम जाते हैं। उन्होंने मीडिया से अपील की कि किसी भी दावे को तथ्यों की जांच के बाद ही प्रसारित किया जाए। दरअसल, श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के अध्यक्ष फलाहारी महाराज दिनेश शर्मा ने सोमवार को दावा किया था कि विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा को केलीकुंज आश्रम बुलाने के लिए 5 करोड़ रुपए दिए गए थे। इस बयान के बाद मामला चर्चा में आ गया। कोहली के प्रवक्ता की ओर से आरोपों का खंडन किए जाने के बाद फलाहारी महाराज दिनेश शर्मा ने भी पलटवार किया। उन्होंने दावा किया कि शुरुआत में न तो संत प्रेमानंद महाराज विराट कोहली को जानते थे और न ही विराट कोहली महाराज को जानते थे। शर्मा के अनुसार, बीच के लोगों, जिनमें जनसंपर्क कंपनी और प्रॉपर्टी समूह से जुड़े लोग शामिल थे, उन्होंने विराट कोहली को महाराज के पास पहुंचाया और महाराज की लोकप्रियता के लिए 5 करोड़ रुपए दिए गए दिनेश शर्मा ने दावा किया कि इस कथित लेन-देन से जुड़े सबूत उनके पास मौजूद हैं। उन्होंने विराट कोहली से अपनी कंपनी के खातों की जांच कराने की मांग की। साथ ही उन्होंने कहा कि जनसंपर्क कंपनी से जुड़े महाराज के सेवक के बैंक खातों की भी जांच होनी चाहिए। उनके मुताबिक खातों की जांच से यह स्पष्ट हो जाएगा कि पैसों का लेन-देन हुआ था या नहीं। फलाहारी महाराज ने यह भी दावा किया कि बाद में जब विराट कोहली दोबारा संत प्रेमानंद से मिलने पहुंचे तो उनके मन में भक्ति जागी और वह महाराज के भक्त और सेवक बन गए। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बाद विराट कोहली ने आश्रम में पहले की तुलना में कई गुना अधिक धन लगाया। उनका दावा है कि आश्रम में बने बड़े निर्माण में भी विराट कोहली का पैसा लगा है। र



रेपो रेट 5.50% होने से FD वालों को फायदा, लेकिन पुरानी जमा पर नहीं बढ़ेगा ब्याज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। महंगाई पर काबू पाने के लिए रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर इसे 5.50 प्रतिशत कर दिया है। रेपो रेट बढ़ने का सीधा असर जहां कर्ज की ब्याज दरों पर पड़ सकता है, वहीं दूसरी ओर बैंकों की फिक्स्ड डिपॉजिट यानी FD की ब्याज दरें भी बढ़ने की संभावना है। ऐसे में बचत करने वालों के लिए यह फैसला फायदेमंद हो सकता है, लेकिन इसका लाभ सभी FD ग्राहकों को तुरंत नहीं मिलेगा। अगर आपने पहले से FD करा रखी है तो रेपो रेट बढ़ने के बावजूद उसकी ब्याज दर तत्काल नहीं बदलेगी। FD बुक करते समय जो ब्याज दर तय होती है, वह पूरी अवधि यानी टेन्योर के लिए लॉक रहती है। इसलिए पुरानी FD पर उसी दर से ब्याज मिलता रहेगा, जिस दर पर उसे शुरू किया गया था। रेपो रेट बढ़ने का फायदा मुख्य रूप से नई FD कराने या पुरानी FD के मैच्योर होने के बाद उसे नई दर पर रिन्यू कराने पर मिलेगा। बैंकबाजार के CEO आदिल शेट्टी के मुताबिक, RBI की ओर से रेपो रेट बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत किए जाने का फैसला बचत करने वालों के लिए राहत भरा है



आरएस पुरा में BSF महिला कांस्टेबल की गोली लगने से मौत, अपनी ही सर्विस राइफल से चली गोली; जांच में जुटी पुलिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

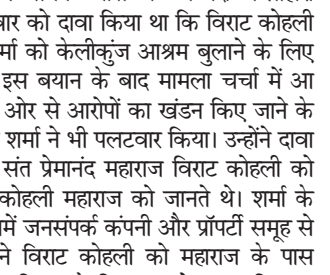
जम्मू-कश्मीर। आरएस पुरा सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास तैनात सीमा सुरक्षा बल की 27 वर्षीय महिला कांस्टेबल राजलक्ष्मी की गोली लगने से मौत हो गई। घटना आरएस पुरा इलाके में स्थित एक फॉरवर्ड बॉर्डर आउटपोस्ट पर हुई। गोली चलने की आवाज सुनकर साथी जवान मौके पर पहुंचे तो राजलक्ष्मी गंभीर रूप से घायल हालत में मिलीं। उन्हें तत्काल जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक राजलक्ष्मी आरएस पुरा में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास सुशील नाम की बॉर्डर पोस्ट पर तैनात थीं। वे BSF की सातवीं बटालियन की जवान थीं और सीमा चौकी पर ड्यूटी कर रही थीं। गोली चलने की आवाज सुनाई देने के बाद उनके साथी जवान घटनास्थल पर पहुंचे। वहां राजलक्ष्मी गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिलीं। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि राजलक्ष्मी के सीने में गोली लगी थी। अधिकारियों के अनुसार गोली उनकी ही सर्विस राइफल से चली थी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि सर्विस राइफल से गोली किन परिस्थितियों में चली। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है और मौके से जुड़े साक्ष्यों को भी देखा जा रहा है। जांच में प्रारंभिक तौर पर सीमा पार से हुई गोलीबारी या पाकिस्तानी रेंजर्स की कार्रवाई की आशंका से इनकार किया गया है। ऐसे में जांच का मुख्य फोकस इस बात पर है कि राजलक्ष्मी की सर्विस राइफल से गोली कैसे चली और घटना किन परिस्थितियों में हुई राजलक्ष्मी मूल रूप से तमिलनाडु की रहने वाली थीं। वे सीमा पर ड्यूटी के दौरान इस घटना का शिकार हुईं। घटना के बाद सीमा चौकी पर मौजूद जवानों में भी चिंता का माहौल रहा। पुलिस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। BSF की ओर से फिलहाल घटना को लेकर कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया है। जांच पूरी होने के बाद ही गोली चलने की परिस्थितियों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।



ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग पर CJP का ऐलान, 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी ने 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का ऐलान किया है। बुधवार को दिल्ली के प्रेस क्लब में CJP और वामपंथी छात्र संगठनों की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इस दौरान CJP के प्रवक्ता सौरव दास ने केंद्र सरकार और भाजपा पर कई गंभीर आरोप लगाए। सौरव दास ने आरोप लगाया कि भाजपा अपने कार्यकर्ताओं से दिल्ली पहुंचकर पत्थरबाजी और लाठी चलाने के लिए कह रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सरकार देश में गृहयुद्ध चाहती है। दास ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि वह अपने रवैये में सुधार करे। उन्होंने कहा कि देश का युवा जवाबदेही मांग रहा है और पिछली गलती को दोहराया नहीं जाना चाहिए। दास ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को केवल पद से हटाने की बजाय उनके खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई और सजा की मांग की। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार और उनके फैसलों की जांच के लिए एक स्वतंत्र समिति गठित की जानी चाहिए, ताकि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो सके। CJP की ओर से 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया जाएगा। संगठन की ओर से युवाओं से भी इस प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की गई है। ताजा रिपोर्टों के मुताबिक, प्रदर्शन को लेकर CJP ने दिल्ली पुलिस को औपचारिक सूचना भी दी है, हालांकि प्रदर्शन की अनुमति को लेकर स्थिति को लेकर विवाद बना हुआ है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में सौरव दास ने दिल्ली पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि महिला प्रदर्शनकारियों के साथ पुरुष पुलिसकर्मियों द्वारा बदसलूकी की गई।



HSGMC बजट विवाद बढ़ा, अब चार सदस्यों के घरों के बाहर धरना देगी सिख संगत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कुरुक्षेत्र। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी में बजट पास नहीं होने का विवाद अब कमेटी की बैठकों से निकलकर एग्जीक्यूटिव सदस्यों के घरों तक पहुंचने की तैयारी में है। करीब डेढ़ साल से बजट पास नहीं होने से नाराज कमेटी प्रधान जगदीश सिंह झींडा ने अब सीधे सिख संगत को साथ लेकर आंदोलन करने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि बजट पास कराने में अड़ंगा डाल रहे चार सदस्यों के घरों के बाहर हरियाणा की सिख संगत धरना देगी और उनसे जवाब मांगेगी। बजट पास कराने के लिए मंगलवार को कुरुक्षेत्र स्थित ।स्तरुष्ट के मुख्य कार्यालय में एग्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक बुलाई गई थी। कमेटी में कुल 11 सदस्य हैं, लेकिन बैठक में सिर्फ सात सदस्य ही पहुंचे। जरूरी संख्या पूरी नहीं होने के कारण बजट पास नहीं हो सका।



झांसी में घर में अकेली 19 साल की छात्रा की गोली मारकर हत्या, कनपटी से बह रहा था खून पुरानी रंजिश पर पुलिस की नजर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झांसी। आईटीआई इलाके में बुधवार दोपहर घर में अकेली 19 वर्षीय कक्षा-9 की छात्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात के समय उसकी दादी किसी काम से बाहर गई थीं। वापस लौटने पर घर का दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी देर तक आवाज देने के बावजूद जब दरवाजा नहीं खुला तो आसपास के लोगों की मदद ली गई। लोगों ने दीवार पर चढ़कर अंदर झांका तो छात्रा का शव आंगन में पड़ा दिखाई दिया। उसकी कनपटी से खून बह रहा था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। एसएसपी विकास कुमार ने घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना बुधवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे आईटीआई इलाके में हुई। आईटीआई निवासी सोमी रायकवार का परिवार मूल रूप से खोड़न गांव का रहने वाला है। सोमी के पिता भगवानदास की मौत हो चुकी है। इसके बाद आईटीआई स्थित घर में उनकी मां शीला अकेली रहती हैं। सोमी फिलहाल अपने परिवार के साथ सीपरी बाजार में रहते हैं। उनकी बेटी चंचल रायकवार आर्य कन्या स्कूल में पढ़ती थी। कुछ दिन पहले सोमी ने अपनी बेटी चंचल को दादी शीला के पास भेज दिया था। बुधवार को शीला किसी काम से घर से बाहर गई थीं। उस समय चंचल घर में अकेली थी। करीब साढ़े तीन बजे शीला वापस लौटीं और उन्होंने दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। दरवाजा भी नहीं खुला। काफी देर तक प्रयास करने के बाद उन्होंने आसपास के लोगों को बुलाया। लोगों ने घर की दीवार पर चढ़कर अंदर देखा तो चंचल आंगन में पड़ी हुई थी।



एक लौ और कई संकल्पों के साथ देश सेवा के पच्चीस साल पूरे होने का शानदार जश्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी की देश सेवा और जनसेवा के सुनहरे पच्चीस साल पूरे होने के शानदार मौके पर पूरे गुजरात में जोश और उत्साह का अद्भुत माहौल देखा जा रहा है। इसी खास सीरीज़ के तहत गांधीनगर जिले के ऐतिहासिक और मशहूर रूपल गांव में एक शानदार 'सेवा ज्योति कलश यात्रा' और 'विकसित भारत संकल्प सभा' ??का आयोजन किया गया। जोशीले और लोकप्रिय गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी इस शानदार कार्यक्रम में खास तौर पर मौजूद रहे और एक सच्चे देश सेवक की समर्पित सेवा को दिल से सलाम किया। रूपल गांव में हुए इस बड़े इवेंट में गांव के नेता, बड़ी संख्या में लोकल नागरिक, युवा, महिलाएं और पार्टी के जोशीले कार्यकर्ता मौजूद थे। भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से पूरा माहौल देशभक्ति और विकास के रंगों से भर गया था। इस मौके पर मौजूद बड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए और अपने जोशीले विचार व्यक्त करते हुए, मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह पच्चीस साल की यात्रा सिर्फ कैलेंडर पर एक टाइम स्टैम्प नहीं है, बल्कि यह 'सेवा परमो धर्मः' के पवित्र संकल्प से 'विकसित भारत' के बड़े सपने को साकार करने की एक लगातार चलने वाली राष्ट्रीय यात्रा है। मंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने हमेशा अपना पूरा जीवन देश के आम आदमी के उत्थान, कल्याण और सुरक्षा के लिए समर्पित किया है। गुजरात की धरती से शुरू हुई विकास की यह यात्रा आज भारत को ग्लोबल लेवल पर एक नई ऊंचाई और गौरव दे रही है। रूपल में हुई इस सेवा ज्योति कलश यात्रा ने गांवों से लेकर शहरों तक जनसेवा के संकल्प को मजबूत करने और जनता को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का अहम काम किया है।



सुरेंद्रनगर में अमानवीय अत्याचार, शुद्धि के नाम पर शादीशुदा महिला को पेड़ से बांधकर रेप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सुरेंद्रनगर। गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले से एक डरावनी और चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसे सुनकर दिल दहल जाता है। समाज में पवित्रता और शुद्धि के नाम पर असामाजिक तत्वों द्वारा की जा रही क्रूरता की हदें पार हो गई हैं। एक शादीशुदा महिला अपने पति को छोड़कर दूसरे युवक के साथ चली गई थी, और उसके पति और उसके परिवार वालों द्वारा उससे नफरत के कारण असहनीय अत्याचार करने की घटना सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार, सुरेंद्रनगर में रहने वाली एक शादीशुदा महिला अपने प्रेमी के साथ घर छोड़कर चली गई थी। जैसे ही उसे इस बारे में पता चला, गुस्से में आए महिला के पति और उसके परिवार और रिश्तेदारों ने दोनों की तलाश शुरू कर दी। कुछ देर बाद जब कपल पकड़ा गया, तो गुस्साए परिवार ने कानून अपने हाथ में ले लिया और उन्हें बुरी तरह टॉर्चर करना शुरू कर दिया। आरोपियों ने शुद्धिकरण के नाम पर ड्रामा किया और महिला को रस्सी से पेड़ से बांध दिया। इतना ही नहीं, बहुत गंभीर आरोप सामने आए हैं कि जिस युवक के साथ महिला गई थी, उसने महिला को टॉर्चर किया और उसके साथ रेप किया। इस पूरी हैवानियत भरी हरकत के दौरान आरोपियों ने इसका वीडियो भी बनाया और बाद में इस वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जैसे ही इस जानलेवा और हैवानियत भरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, पुलिस फोर्स में भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मामले की गंभीरता को देखते हुए सुरेंद्रनगर जिला पुलिस ने तुरंत सख्त एक्शन लिया और जांच शुरू कर दी।

हिम्मतनगर में सेवा ज्योति यात्रा और विकासशील भारत संकल्प सभा का अनोखा माहौल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हिम्मतनगर। गुजरात में शासन और जनसेवा के पच्चीस सुनहरे साल पूरे होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे खास कार्यक्रमों की सीरीज के तहत, उत्तर गुजरात के हिम्मतनगर में एक बहुत ही भव्य और प्रभावशाली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश पांचाल की खास और प्रेरणादायी मौजूदगी में, हिम्मतनगर की धरती पर 'विकसित भारत संकल्प सभा' और 'सेवा ज्योति यात्रा' का बड़े धूमधाम से समापन हुआ। स्थानीय स्तर पर और पूरे जिले के राजनीतिक और सामाजिक हलकों में इस कार्यक्रम को लेकर काफी उत्साह था। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर प्रदेश अध्यक्ष जगदीश पांचाल का जयकारों के साथ भव्य स्वागत किया गया। हिम्मतनगर में हुई इस बड़ी संकल्प सभा में हज़ारों नागरिक, युवा, महिलाएँ और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे। पूरी सभा का माहौल देशभक्ति और विकास के नारों से गूंज उठा। इस मौके पर मौजूद जनता को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष जगदीश पंचाल ने कहा कि गुजरात और देश के लोगों ने पिछले ढाई दशकों में सुशासन, पारदर्शिता और बिना रुके विकास का अनुभव किया है। उन्होंने सरकार की कई जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान कार्ड, किसान सम्मान निधि और हर घर जल योजना का ज़िक्र किया और कहा कि इन योजनाओं ने आम आदमी की ज़िंदगी में क्रांतिकारी बदलाव लाने का काम किया है।



खेड़ा में खाकी पर सबसे बड़ी कार्रवाई, पीपलग चौकड़ी में घनश्याम टोबैको के गोदाम से 1.40 करोड़ रुपये से ज़्यादा की विदेशी शराब ज़ब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। गुजरात में शराब बैन के सख्त दावों के बीच, खेड़ा ज़िले से अब तक की सबसे बड़ी और सनसनीखेज रिपोर्ट सामने आई है। खेड़ा ज़िले के नडियाद रूरल पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले पीपलग चौकड़ी के पास एक चौंकाने वाली रेड मारी गई है। पुलिस को मिली खास और गोपनीय जानकारी के आधार पर, खेड़ा और नडियाद रूरल पुलिस की जॉइंट टीम ने अचानक पीपलग चौकड़ी में घनश्याम टोबैको के गोदाम पर रेड मारी और लाखों-करोड़ों रुपये की भारी मात्रा में विदेशी शराब ज़ब्त की है। मिली जानकारी के मुताबिक, शराब तस्करों ने कानून से बचने के लिए बड़ी चालाकी से घनश्याम टोबैको के इस गोदाम को विदेशी शराब रखने की सुरक्षित जगह बना लिया था। गोदाम बाहर से तो नॉर्मल सामान रखता हुआ लग रहा था, लेकिन अंदर विदेशी शराब की पेटियों के बड़े-बड़े पहाड़ लगे हुए थे। जब खेड़ा LCB और नडियाद रूरल पुलिस की टीम ने इस गोदाम का शटर उठाया, तो अंदर का नजारा देखकर खुद पुलिस वाले भी हैरान रह गए। पुलिस की शुरुआती जांच और हिसाब-किताब के मुताबिक, इस गोदाम से करीब 1,40,55,600 रुपये यानी एक करोड़ चालीस लाख पचपन हजार छह सौ रुपये की विदेशी शराब और बीयर जब्त की गई है। गुजरात जैसे ड्राई स्टेट में इतनी बड़ी मात्रा में विदेशी शराब मिलना किसी बड़े रैकेट या सिंडिकेट की ओर इशारा करता है। पूरी संभावना है कि यह मात्रा त्योहारों या आने वाले दिनों में मार्केट में सामान सप्लाई करने के लिए इकट्ठा की गई हो। इस रेड के दौरान पुलिस ने गोदाम मालिक, मैनेजर और इस पूरे नेटवर्क के मुख्य मास्टरमाइंड को गिरफ्तार करने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। इस गोदाम में पहले भी ऐसी गैर-कानूनी गतिविधियां चल रही थीं या नहीं और इसमें कौन-कौन से बड़े लोग शामिल हैं, यह पता लगाने के लिए पूरी जांच की गई है।



दिवाली से पहले बोनस पर बवाल

दिवाली की रोशनी में नगर निगम कर्मचारियों के घर क्यों छाया अंधेरा? बोनस के मुद्दे पर कांग्रेस का निगम के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

'दिवाली सबकी है, सफाईकर्मियों की भी', बोनस भुगतान को लेकर उठी तेज आवाज

आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के बोनस पर भी उठे सवाल, नगर निगम से जवाब मांग रही कांग्रेस शहर चमकाने वालों के घर भी जले दीये

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नडियाद। दिवाली का त्योहार जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, शहर में रोशनी और उत्साह का माहौल बन रहा है, लेकिन इसी बीच नडियाद नगर निगम के कर्मचारियों के बोनस का मुद्दा गरमा गया है। शहर की सफाई व्यवस्था से लेकर अलग-अलग नागरिक सेवाओं को संभालने वाले कर्मचारियों को दिवाली से पहले कानूनी बोनस देने की मांग को लेकर कांग्रेस ने नगर निगम प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने सवाल उठाया कि जो कर्मचारी पूरे साल शहर को साफ रखने, नागरिकों को सुविधाएं उपलब्ध कराने और प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारू रखने में अपनी भूमिका निभाते हैं, क्या त्योहार के समय उनके परिवारों की खुशियों का भी ध्यान नहीं रखा जाना चाहिए? नडियाद नगर निगम के वार्ड नंबर 12 के पार्षद और नडियाद सिटी कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हार्दिक भट्ट ने कर्मचारियों के मुद्दे को लेकर प्रशासन के सामने तीखा विरोध दर्ज कराया। उन्होंने मांग की कि नगर निगम के पात्र स्थायी कर्मचारियों के साथ-साथ संविदा और आउटसोर्सिंग के माध्यम से काम करने वाले सभी पात्र कर्मचारियों को भी कानूनी बोनस की राशि दिवाली से कम से कम 20 दिन पहले उपलब्ध कराई जाए। उनका कहना है कि कर्मचारियों को समय पर बोनस मिलने से वे अपने परिवार के साथ त्योहार की खुशियां मना सकेंगे। हार्दिक भट्ट ने कहा कि नगर निगम के कर्मचारी पूरे साल अलग-अलग जिम्मेदारियां निभाते हैं। सफाई कर्मचारी रोजाना शहर से कचरा उठाने और सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए सड़कों पर रहते हैं। कई कर्मचारी नागरिक सेवाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं में लगातार काम करते हैं। त्योहारों के दौरान जब अधिकांश लोग अपने परिवार के साथ समय बिताते हैं, उस समय भी नगर निगम के कर्मचारी शहर की व्यवस्था संभालने के लिए अपनी ड्यूटी पर तैनात रहते हैं। कांग्रेस का कहना है कि ऐसे कर्मचारियों को दिवाली से पहले उनका कानूनी बोनस नहीं मिलना गंभीर विषय है। खासकर संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को लेकर पार्टी ने प्रशासन से स्पष्ट नीति और समय पर भुगतान की मांग की है। पार्टी के अनुसार, कर्मचारियों से पूरे साल काम लेने के बाद त्योहार के समय उनके आर्थिक अधिकारों को लेकर देरी नहीं होनी चाहिए। हार्दिक भट्ट ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि कर्मचारियों को समय पर बोनस नहीं मिला तो कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हक का भुगतान करना प्रशासन की कृपा नहीं, बल्कि उसकी जिम्मेदारी है। जो कर्मचारी शहर की व्यवस्था को संभालने में दिन-रात मेहनत करते हैं, उन्हें भी अपने परिवार के साथ सम्मान और खुशी से दिवाली मनाने का अधिकार है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि यदि नगर निगम प्रशासन कर्मचारियों के आर्थिक अधिकारों को नजरअंदाज करता है और समय पर बोनस का भुगतान नहीं करता, तो पार्टी आंदोलन को और तेज करेगी। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों के हित और समय पर भुगतान का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। अब दिवाली से पहले कर्मचारियों के बोनस को लेकर नगर निगम प्रशासन के अगले कदम पर सबकी नजर है। कांग्रेस की चेतावनी के बाद यदि भुगतान में देरी होती है तो यह मुद्दा और ज्यादा गरमा सकता है। फिलहाल कर्मचारियों के बीच भी इस बात को लेकर उम्मीद है कि दिवाली से पहले उनके हक की राशि का भुगतान किया जाएगा, ताकि वे भी अपने परिवार के साथ त्योहार मना सकें।



दिवाली से पहले बोनस पर बढ़ा दबाव

नडियाद नगर निगम के कर्मचारियों के बोनस का मुद्दा अब राजनीतिक रूप ले चुका है। कांग्रेस पार्षद हार्दिक भट्ट ने स्थायी कर्मचारियों के साथ संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को भी कानूनी बोनस देने की मांग उठाई है। कांग्रेस ने साफ कहा है कि दिवाली से कम से कम 20 दिन पहले भुगतान नहीं हुआ तो कर्मचारियों के हक के लिए आंदोलन तेज किया जाएगा

पैसेंजर को लेने और छोड़ने आने वालों से भी Rs 10 वसूले जा रहे हैं, प्राइवेट कॉन्ट्रैक्टर की दादागिरी से गुस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। ऐतिहासिक शहर डभोई के रेलवे स्टेशन पर गाड़ी पार्किंग के लिए बहुत ज़्यादा और गलत चार्ज वसूलने को लेकर स्थानीय नागरिकों, रोज़ आने-जाने वाले पैसेंजर और रेलवे स्टाफ में बहुत गुस्सा है। रेलवे एडमिनिस्ट्रेशन ने स्टेशन परिसर में पार्किंग का कॉन्ट्रैक्ट योगिता एंटरप्राइजेज को दे दिया है, तब से यहां आने वाले ड्राइवरों और पैसेंजर के लिए स्टेशन आना एक प्रॉब्लम बन गई है। कॉन्ट्रैक्टर के आदमी स्टेशन पर पैसेंजर को लेने या छोड़ने आने वाले आम नागरिकों को भी दादागिरी कर रहे हैं और उन्हें अपनी गाड़ी पार्क करने के लिए मजबूर कर रहे हैं और उनसे सीधे ऋ्ह्य 10 वसूल रहे हैं। डभोई रेलवे स्टेशन से हर दिन करीब पंद्रह से बीस छोटी-बड़ी ट्रेनें चलती हैं। स्टेशन से अपने रिश्तेदारों, बुजुर्गों या मरीज़ों को लेने या छोड़ने आने वाले लोकल लोगों की गाड़ियां अगर एक या पांच मिनट भी खड़ी रहती हैं, तो कॉन्ट्रैक्टर के आदमी गुस्सा होकर सीधे 10 रुपये वसूल लेते हैं। नियमों के मुताबिक, ज़्यादातर रेलवे स्टेशनों पर दस से पंद्रह मिनट का पिक एंड ड्रॉप टाइम पूरी तरह से फ्री होता है, लेकिन डभोई में इन सभी नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं और मुनाफ़ा कमाने का खेल खेला जा रहा है। इस लूट से सबसे ज़्यादा परेशान रोज़ाना आने-जाने वाले यात्री हैं। यह पार्किंग सिस्टम उन मिडिल क्लास यात्रियों के लिए एक बुरा सपना बन गया है जो काम, पढ़ाई या बिज़नेस के लिए वडोदरा और आस-पास के इलाकों में आते-जाते हैं। टू-व्हीलर के लिए महीने के पास के लिए 300 रुपये की भारी रकम वसूली जा रही है, जिससे यात्रियों का कहना है कि गाड़ी पार्क करने का महीने का खर्च ट्रेन के टिकट से भी ज़्यादा हो गया है। हैरानी की बात है कि एडमिनिस्ट्रेशन की इस मनमानी से न सिर्फ़ आम जनता, बल्कि खुद रेलवे कर्मचारी भी परेशान हैं। जब यात्रियों ने इस बारे में लोकल रेलवे अधिकारियों से बात की, तो उन्होंने भी अपनी लाचारी ज़ाहिर करते हुए कहा कि रेलवे स्टाफ़ भी इस नियम से बाहर नहीं है और कर्मचारियों से भी हर महीने 150 रुपये लिए जा रहे हैं।



क्राइम ब्रांच ने लिंबासी के भालदा गांव में छापा मारा, कोचा तलवाड़ी इलाके में एक बदनाम जुए के अड्डे पर छापेमारी में आठ जुआरी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। जहां गुजरात में पुलिस असामाजिक तत्वों और जुआरियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है, वहीं खेड़ा-नडियाद क्राइम ब्रांच ने एक सटीक सूचना के आधार पर एक खतरनाक ऑपरेशन चलाया और बड़ा भंडाफोड़ किया है। क्राइम ब्रांच ने लिंबासी थाने के तहत भालदा गांव के कोचा तलवाड़ी इलाके में एक गुप्त जुए के अड्डे पर अचानक छापा मारा और अफरा-तफरी मचा दी।

मिली जानकारी के अनुसार, कुछ लोग भालदा गांव के कोचा तलवाड़ी इलाके में खुलेआम गैर-कानूनी तरीके से जुए का अड्डा चला रहे थे और लाखों रुपये का दांव लगा रहे थे। जैसे ही खेड़ा-नडियाद क्राइम ब्रांच टीम को इस मामले की खास जानकारी मिली, पुलिस ने बिना समय गंवाए रेड करने की रणनीति बनाई और मौके पर पहुंचकर रेड कर दी। पुलिस को अचानक देखकर जुआरियों में भगदड़ मच गई, लेकिन पुलिस की कड़ी घेराबंदी के कारण कोई भी भाग नहीं सका।

इस रेड के दौरान क्राइम ब्रांच ने मौके से कुल आठ कुख्यात जुआरियों को रंगे हाथों पकड़ा है। गिरफ्तार आरोपियों में (1) भरत उर्फ राजू उर्फ डबली पूनमभाई परमार, (2) इमरान मिरसबामिया मालेक, (3) दशरथ शंकरभाई चौहान, (4) जयेश प्रवीणभाई पटेल, (5) चंद्रसिंह उर्फ चाको विनुभाई परमार, (6) रमेश उर्फ डूडी अमरसिंह परमार, (7) नरेंद्रसिंह मनीषभाई परमार और (8) किरण भाई लालभाई बरैया शामिल हैं। पुलिस ने इन सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करते हुए उनसे कैश और जुए का सामान जब्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। लिम्बासी पुलिस स्टेशन एरिया में लोकल पुलिस की सरपरस्ती में या उनकी जानकारी के बिना चल रहे ऐसे अड्डों पर क्राइम ब्रांच की एंट्री ने लोकल पुलिस के काम करने के तरीके पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पक्को गुजरात अखबार के रीडर्स के लिए यह खबर भरोसा दिलाती है कि क्रिमिनल्स कितनी भी कोशिश कर लें, खाकी वर्दी का डर हमेशा बना रहेगा। फिलहाल, क्राइम ब्रांच ने इन सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और इस नेटवर्क के पीछे कौन है, यह पता लगाने के लिए पूरी जांच शुरू कर दी है।



अहमदाबाद के मांडल के वानपर्डी में पुरानी दुश्मनी ने हिंसक रूप लिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। जिले के मांडल तालुका के वानपर्डी गांव से एक बहुत ही चौंकाने वाली और खूनी घटना सामने आई है। गांव में पुरानी दुश्मनी और पारिवारिक विवाद ने इतना भयानक रूप ले लिया कि चार गुस्साए लोगों ने मिलकर एक बेगुनाह युवक पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया। इस घटना के बाद पूरे इलाके में सन्नाटा और सन्नाटा पसरा हुआ है। मिली जानकारी के मुताबिक, वानपर्डी गांव में पहले से ही काफी गुस्सा और दुश्मनी चल रही थी। इसी बीच, आरोपियों ने आरोप लगाया कि पीड़ित ने उनकी बेटी को अगवा कर लिया है। इसी दुश्मनी को ध्यान में रखते हुए गुस्से में आए चार लोगों ने मिलकर युवक को निशाना बनाया। बदले की भावना से आए इन लोगों ने अचानक युवक पर धारदार हथियारों से हमला करना शुरू कर दिया। इस भयानक हमले में युवक को गंभीर चोटें आईं और वह लहूलुहान हालत में जमीन पर गिर पड़ा। दिनदहाड़े हुई इस जानलेवा घटना से आसपास के इलाके में दहशत फैल गई। इससे पहले कि आसपास के लोग इकट्ठा हो पाते, हमलावर धमकी देते हुए भाग गए। इस पूरी चौंकाने वाली घटना का CCTV फुटेज अब सामने आया है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि कैसे चार लोग युवक पर जानलेवा हथियारों से हमला कर रहे हैं और उस पर ताबड़तोड़ वार कर रहे हैं। CCTV फुटेज सामने आते ही पुलिस सिस्टम भी हरकत में आ गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए हंसलपुर पुलिस स्टेशन ने तुरंत कानूनी कार्रवाई की है। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

साबरमती रिवरफ्रंट पर सेवा और सुशासन का सागर, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पैदल 'सेवा ज्योति यात्रा' निकालकर रचा इतिहास

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी की देश सेवा और जनसेवा के सुनहरे पच्चीस साल पूरे होने के ऐतिहासिक मौके पर पूरे गुजरात में जोश और उत्साह का अद्भुत माहौल देखा जा रहा है। इस खास जश्न के तहत अहमदाबाद के गौरवशाली साबरमती रिवरफ्रंट पर एक बहुत ही भव्य और प्रभावशाली 'विकसित भारत संकल्प सभा' ??और 'सेवा ज्योति यात्रा' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने खुद पैदल चलकर सेवा ज्योति को आगे बढ़ाया, जिससे लोगों में नया जोश और उत्साह भर गया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अगुवाई में निकली इस 'सेवा ज्योति यात्रा' के दौरान, हर जगह 'भारत माता की जय' और 'विकसित भारत' के नारों से माहौल गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने लोगों तक सेवा और सुशासन का पवित्र संदेश पहुंचाने के लिए इस यात्रा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और सभी को प्रेरित किया। साबरमती रिवरफ्रंट पर हुई इस बड़ी सभा में अहमदाबाद के मेयर, स्थानीय ऋ्ह्य नगर निगम के बड़े अधिकारी और बड़ी संख्या में गणमान्य लोग और नागरिक मौजूद थे। इस मौके पर मौजूद भारी भीड़ को संबोधित करते हुए और राज्य की विकास यात्रा पर रोशनी डालते हुए, गणमान्य लोगों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात की धरती पर सुशासन की जो नींव रखी थी, वह आज प्रधानमंत्री के तौर पर देश और दुनिया के लिए एक रोल मॉडल बन गई है। पिछले पच्चीस सालों में गुजरात और देश के नागरिकों के जीवन में जो अच्छे बदलाव आए हैं, वे सेवा के इस दौर के गवाह हैं। साबरमती रिवरफ्रंट पर हुआ यह इवेंट सिर्फ़ एक त्योहार नहीं है, बल्कि आने वाले समय में 'विकसित भारत' बनाने के हर नागरिक के संकल्प को मज़बूत करने का एक बड़ा बलिदान है। पाको गुजरात न्यूज़पेपर के रीडर्स के लिए यह प्रोग्राम उन्हें यकीन दिलाता है कि गुजरात विकास और सेवा की राह पर बिना रुके आगे बढ़ रहा है और लोगों का सपोर्ट ही इस सरकार की सबसे बड़ी ताकत है।



: भावनगर के सीहोर में ट्रक बना मौत का सामान, लीलापीर इलाके में ढलान पर ब्रेक फेल होने पर राक्षस जैसी गाड़ी दुकान में घुसी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भावनगर। जिले के सीहोर शहर से एक चौंकाने वाला और दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। सीहोर के व्यस्त और जाने-माने लीलापीर इलाके की ढलान पर पूरी स्पीड से आ रहे एक भारी ट्रक के अचानक ब्रेक फेल हो गए, जिससे पल भर में सड़क पर अफरा-तफरी और भगदड़ मच गई। यह बेकाबू ट्रक ड्राइवर के कंट्रोल से बाहर हो गया और सीधे सुरका के डेला के पास एक दुकान में घुस गया। मिली जानकारी के मुताबिक, सीहोर के लीलापीर इलाके की ढलान पर हमेशा गाड़ियों का आना-जाना लगा रहता है। इसी दौरान ट्रक के ब्रेक अचानक फेल हो गए और ड्राइवर गाड़ी से कंट्रोल खो बैठा। इस काले ट्रक ने सड़क पर सामने वाली दुकान को टक्कर मार दी, जिससे दुकान का एक बड़ा हिस्सा गिर गया और अंदर का सामान बिखर गया। इस भयानक हादसे के धमाके की आवाज़ सुनकर आस-पास के लोग तुरंत मौके पर पहुँचे। अच्छी बात ये रही कि इस हादसे में कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई, लेकिन बताया जा रहा है कि एक मासूम गंभीर रूप से घायल हो गया। खून से लथपथ घायल व्यक्ति को तुरंत इलाज के लिए पास के अस्पताल में ले जाया गया, जहाँ उसकी हालत के बारे में और जानकारी का इंतज़ार है।



चुनाव कमिश्नर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ देश भर में गुस्सा, विपक्ष के मार्च के बावजूद CEC कानूनी पकड़ से दूर क्यों हैं?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। भारत के मुख्य चुनाव कमिश्नर ज्ञानेश कुमार को उनके पद से हटाने की मांग अब देश की राजनीति में चर्चा का अकेला टॉपिक बन गई है। विपक्षी नेता, सामाजिक संगठन और आम लोग लगातार तीखा विरोध दर्ज करा रहे हैं। हाल ही में एक बड़े अंग्रेजी अखबार इंडियन एक्सप्रेस ने चुनाव कमिश्नरों के बीच अंदरूनी मतभेदों के बारे में रिपोर्ट छापी, जिसके बाद यह मांग और तेज़ हो गई है जैसे इस विवाद में घी डाल दिया गया हो।दिल्ली और मुंबई समेत देश के कई हिस्सों में उनके खिलाफ तीखा विरोध प्रदर्शन चल रहा है। हाल ही में, 6 अक्टूबर को राहुल गांधी और अखिलेश यादव समेत विपक्ष के 150 से ज़्यादा MPs ने पार्लियामेंट से इलेक्शन कमीशन ऑफिस तक एक बड़ा मार्च निकाला। विपक्षी नेता और अलग-अलग संगठन सीधे तौर पर इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज करने और कानूनी कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। लेकिन असलियत यह है कि देश के चीफ इलेक्शन कमिश्नर के खिलाफ सीधी कानूनी कार्रवाई करना या उन्हें पद से हटाना कोई आम बात नहीं है। साल 2023 में पार्लियामेंट से पास हुए एक नए कानून ने उन्हें मज़बूत कानूनी सुरक्षा दी है। यह कानून पार्लियामेंट में चीफ इलेक्शन कमिश्नर एंड अदर इलेक्शन कमिश्नर्स एक्ट, 2023 नाम का बिल पास करके बनाया गया था। इस नए कानून ने 1991 के पुराने कानून की जगह ली है।



महंगाई को बड़ा झटका, रिजर्व बैंक ने रेपो रेट 25 बेसिस पॉइंट बढ़ाकर 5.50 परसेंट किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। देश के आम नागरिकों और लोन लेकर घर या गाड़ी खरीदने का सपना देख रहे मिडिल क्लास के लिए एक बड़ी और बुरी खबर आ रही है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मॉनेटरी पॉलिसी कमिटी ने रेपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट यानी 0.25 परसेंट की बढ़ोतरी का बड़ा फैसला लिया है। इस बढ़ोतरी के साथ ही देश का रेपो रेट अब 5.50 परसेंट हो गया है। इस बदलाव का सीधा असर आम लोगों के महीने के बजट और घर या कार लोन की किस्तों पर पड़ने वाला है। लगभग चार साल के लंबे गैप के बाद RBI ने रेपो रेट बढ़ाया है, जिससे पता चलता है कि इकॉनमी में महंगाई का रिस्क कितना सीरियस होता जा रहा है। रेपो रेट बढ़ने से अब बैंकों के लिए लोन लेना महंगा हो जाएगा, जिससे कस्टमर्स की EMI (इक्विवेलेंट मंथली इंस्टॉलमेंट) में भारी बढ़ोतरी होगी और मंथली इंस्टॉलमेंट भी बढ़ जाएंगी। रिजर्व बैंक ने महंगाई के मोर्चे पर बेहद चिंताजनक बयान दिए हैं। सेंट्रल बैंक ने साफ चेतावनी दी है कि ग्लोबल जियोपॉलिटिकल टेंशन, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और अस्थिर मार्केट की वजह से आने वाले समय में महंगाई का रिस्क और सीरियस हो सकता है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों का सीधा असर न सिर्फ ट्रांसपोर्टेशन बल्कि मैन्युफैक्चरिंग और रोजमर्रा की चीजों के प्रोडक्शन की लागत पर भी पड़ता है, जिसकी वजह से मार्केट में चीजों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। RBI ने मौजूदा फाइनेंशियल ईयर के लिए अपने महंगाई के अनुमान को भी बदलकर लगभग 5.2 परसेंट कर दिया है।



सूरत में नकली साबुन का बड़ा भंडाफोड़, लसकाना के सहजानंद हब से दो हज़ार डिब्बे ज़ब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वेजलपुर। वेजलपुर के ज़ाइडस, एशिया स्कूल, हाई कोर्ट और जाने-माने सिंगर दिलजीत दोसांझ के प्रोग्राम को टारगेट करने वाले ईमेल के बाद सिक्योरिटी एजेंसियां मौके पर पहुंचीं, जिससे पेरेंट्स में भारी हंगामा हुआ और स्कूलों को खाली कराना पड़ा। गुजरात के पावरहाउस अहमदाबाद से एक बार फिर डरावनी और चौंकाने वाली खबर आ रही है। शहर में एक साथ ब्लास्ट की धमकी से पूरे सिस्टम में भारी हंगामा मच गया है। इस बार सिर्फ स्कूल ही नहीं, बल्कि देश की शान नरेंद्र मोदी स्टेडियम, गुजरात हाई कोर्ट और युवाओं में काफी पॉपुलर सिंगर दिलजीत दोसांझ के म्यूजिक कॉन्सर्ट प्रोग्राम को भी उड़ाने की गंभीर धमकी दी गई है। जैसे ही यह धमकी एक रहस्यमयी ईमेल से मिली, पुलिस स्टेशन में इमरजेंसी जैसा माहौल बन गया है। अहमदाबाद के करीब दस जाने-माने स्कूल इस धमकी की चपेट में आ गए हैं। इनमें वेजलपुर इलाके का मशहूर ज़ाइडस स्कूल, सैटेलाइट और बोडकदेव इलाके का स्कूल फॉर चिल्ड्रन, चरोड़ी का SGVP स्कूल, संत कबीर स्कूल और ड्राइव-इन रोड का मशहूर एशिया स्कूल जैसे कई और बहुत ज़रूरी स्कूल शामिल हैं। जैसे ही स्कूलों में पढ़ाई के दौरान ऐसा धमकी भरा मैसेज मिला, एडमिनिस्ट्रेटर और पेरेंट्स की सांसें फूल गईं। मामले की गंभीरता को समझते हुए, ज़ाइडस स्कूल समेत सभी इंस्टीट्यूशन ने तुरंत पेरेंट्स को कॉल और मैसेज भेजे और उनसे कहा कि वे अपने बच्चों को तुरंत और सुरक्षित तरीके से स्कूल से ले जाएं। बच्चों को वापस बुलाने के अचानक ऑर्डर से स्कूल के बाहर पेरेंट्स की भारी भीड़ लग गई और हर तरफ अफरा-तफरी मच गई। डरे हुए पेरेंट्स अपने प्यारे बच्चों को लेने के लिए दौड़ पड़े। मामला सिर्फ स्कूलों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि खतरा उससे कहीं ज़्यादा बड़ा है। दुनिया का सबसे बड़ा नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद की शान और गुजरात हाई कोर्ट को भी इसी धमकी में टारगेट किया गया है। इसके अलावा, शहर में होने वाले पॉपुलर सिंगर दिलजीत दोसांझ के लाइव कॉन्सर्ट और प्रोग्राम को उड़ाने की धमकी से युवाओं और ऑर्गनाइज़र में भारी हलचल मच गई है।



20 दिन से खुले पड़े नाले, ढक्कन के लिए भटक रहे वार्ड-3 के लोग; नगर पालिका का जवाब- 'ढक्कन नहीं हैं'

पार्षद के बार-बार कहने के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई, बच्चों-बुजुर्गों पर मंडरा रहा हादसे का खतरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। देहगाम शहर के वार्ड नंबर 3 में खुले पड़े नालों ने स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है। आबल पाली, होली चकला और मोती मस्जिद के सामने ओरवाड़ इलाके में नालियों के ढक्कन टूटने या गायब होने के कारण करीब 20 दिनों से नालियां खुली पड़ी हैं। स्थानीय लोगों के साथ वार्ड के पार्षद की ओर से भी कई बार नगर पालिका प्रशासन से ढक्कन लगाने की मांग की जा चुकी है, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। लोगों का कहना है कि लगातार आवाजाही वाले इलाके में खुले नालों के कारण कभी भी हादसा हो सकता है। वार्ड नंबर 3 के कांग्रेस पार्षद सलीम मंसूरी के मुताबिक, खुले नालों को लेकर देहगाम नगर पालिका को कई बार अवगत कराया गया है। इसके बावजूद ढक्कन लगाने की कार्रवाई नहीं हुई। पार्षद के अनुसार नगर पालिका प्रशासन की ओर से जवाब दिया गया कि फिलहाल 'ढक्कन नहीं हैं'। ऐसे में करीब 20 दिनों से खुले पड़े नालों के कारण लोगों को परेशानी के साथ हादसे का डर भी बना हुआ है। इलाके में लगातार यातायात और लोगों की आवाजाही रहती है। ऐसे में सड़क या रास्ते के किनारे खुले पड़े नाले पैदल चलने वालों के लिए खतरा बने हुए हैं। सबसे ज्यादा चिंता बच्चों और बुजुर्गों को लेकर जताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दिन के समय तो किसी तरह खुले नाले दिखाई दे जाते हैं, लेकिन रात के समय पर्याप्त रोशनी नहीं होने पर खतरा कई गुना बढ़ जाता है। अंधेरे में कोई व्यक्ति खुले नाले को नहीं देख पाए और उसमें गिर जाए तो गंभीर हादसा हो सकता है। लोगों का सवाल है कि यदि नगर पालिका के पास फिलहाल नालियों के ढक्कन उपलब्ध नहीं हैं, तो जब तक ढक्कन नहीं लगाए जाते, तब तक सुरक्षा के दूसरे इंतजाम क्यों नहीं किए जा रहे हैं। खुले नालों के आसपास बैरिकेड लगाने या चेतावनी बोर्ड लगाने जैसे अस्थायी उपाय किए जा सकते हैं, ताकि लोगों को खतरे की जानकारी रहे और किसी हादसे की आशंका को कम किया जा सके स्थानीय लोगों का कहना है कि किसी दुर्घटना के बाद कार्रवाई करने के बजाय प्रशासन को पहले ही खतरे को दूर करने की जरूरत है। उनका कहना है कि करीब 20 दिनों से समस्या सामने होने के बावजूद अब तक स्थायी समाधान नहीं होना चिंता का विषय है। पार्षद सलीम मंसूरी ने नगर पालिका से मांग की है कि खुले नालों पर तत्काल ढक्कन लगाए जाएं। यदि ढक्कन उपलब्ध नहीं हैं तो जब तक उनकी व्यवस्था नहीं होती, तब तक खुले नालों के आसपास बैरिकेडिंग और चेतावनी बोर्ड लगाकर सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। लोगों की मांग है कि प्रशासन मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द कार्रवाई करे, ताकि किसी बड़े हादसे से पहले खतरा टाला जा सके।



अंबाजी में नवरात्रि उत्सव की बड़ी तैयारियां शुरू: कॉरिडोर के काम के बीच भी भक्ति और गरबा होगा

महान गर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। पवित्र तीर्थस्थल अंबाजी शक्तिपीठ में इस साल के नवरात्रि उत्सव को लेकर प्रशासन और भक्तों में बहुत उत्साह है। 11 अक्टूबर से मां अंबा के मशहूर चाचर चौक में खैलिया गरबा खेलेंगे और भक्ति का माहौल बनेगा। खास बात यह है कि अभी मंदिर में कॉरिडोर का काम जोरों पर चल रहा है, लेकिन फिर भी माताजी के भक्तों की आस्था में कोई खलल न पड़े, इसके लिए भक्तों के लिए खास गरबा कार्यक्रम रखा गया है।

11 अक्टूबर से उत्सव शुरू होगा और भव्य उद्घाटन

मिली जानकारी के मुताबिक, नवरात्रि उत्सव 11 अक्टूबर से शुरू होगा। उत्सव के पहले दिन सुबह 9:00 बजे से 10:30 बजे के बीच औपचारिक उद्घाटन समारोह होगा। इन पवित्र दिनों में देवी की पूजा के लिए खास धार्मिक अनुष्ठान होंगे। इसके अलावा, दुर्गाष्टमी और आसो पूनम जैसे पवित्र दिनों पर सुबह 6:00 बजे आरती होगी, जबकि आठवें दिन जवेरा स्थापित किया जाएगा। दर्शन और आरती के समय में खास बदलावनवरात्रि के दौरान लाखों की संख्या में आने वाले भक्तों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए, मंदिर प्रशासन ने दर्शन और आरती के समय में अहम बदलाव किए हैं, ताकि हर भक्त आसानी से माताजी के दर्शन का लाभ उठा सकेः

आरतीः सुबह 7:30 से 8:00 बजे

दर्शनः सुबह 8:00 से 11:30 बजे और दोपहर 12:30 से 4:15 बजे

आरतीः शाम 6:30 से 7:00 बजे

दर्शनः शाम 7:00 बजे से रात 9:00 बजे

दर्शन खत्म होने के बाद, रात में अंबाजी के मशहूर चाचर चौक में पारंपरिक गरबा का रंगारंग कार्यक्रम शुरू होगा, जहाँ खैलिया पूरे मन से गरबा पर नाचेंगे। कॉरिडोर का काम और पार्किंग के दूसरे इंतज़ाम अभी, अंबाजी मंदिर के मेन गेट के सामने कॉरिडोर का डेवलपमेंट का काम चल रहा है, इसलिए सिक्योरिटी और मैनेजमेंट के तहत एक रास्ता बंद कर दिया गया है। इसे ध्यान में रखते हुए, एडमिनिस्ट्रेशन ने यात्रियों और गाड़ी चलाने वालों की सुविधा के लिए खास इंतज़ाम किए हैं। एडमिनिस्ट्रेशन ने पार्किंग की जगह को मेन मंदिर से थोड़ी दूर कर दिया है और भक्तों के आने-जाने के लिए दूसरे रास्ते भी प्लान किए हैं, ताकि ट्रैफिक की कोई दिक्कत न हो और भक्त आसानी से मंदिर तक पहुंच सकें। लाखों भक्तों के लिए सिक्योरिटी और सुविधाएं पक्की अंबाजी एडमिनिस्ट्रेशन और पुलिस डिपार्टमेंट ने मां अंबा के दर्शन के लिए आने वाले देश-विदेश के लाखों भक्तों के लिए पूरी सिक्योरिटी, पीने के पानी, हेल्थ और लाइटिंग के बड़े इंतज़ाम किए हैं। उम्मीद है कि कॉरिडोर के कंस्ट्रक्शन के काम के बीच भी इस साल की नवरात्रि शानदार और यादगार होगी।



पीएम-प्रणाम के अंतर्गत 'उर्वरक की पाठशाला' का आयोजन संतुलित खाद अपनाए, धरती माँ को बचाए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। बिलशुडा -चम्बल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल लिमिटेड द्वारा पीएम-प्रणाम अभियान के अंतर्गत किसानों को संतुलित एवं विवेकपूर्ण उर्वरक उपयोग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 'उर्वरक की पाठशाला' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित किसान भाइयों को संतुलित उर्वरक प्रबंधन, मिट्टी के स्वास्थ्य संरक्षण तथा फसल की आवश्यकता के अनुसार पोषक तत्वों के उपयोग के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। किसानों को बताया गया कि आवश्यकता से अधिक रासायनिक उर्वरकों के उपयोग से बचते हुए संतुलित खाद का प्रयोग करने से मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के साथ-साथ फसल की गुणवत्ता एवं उत्पादन में भी सुधार किया जा सकता है। इस अवसर पर चम्बल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल लिमिटेड के प्रतिनिधि महेश सोन्ती ने किसानों से संवाद करते हुए संतुलित पोषण एवं उर्वरकों के उचित उपयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। किसानों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और कृषि संबंधी विषयों पर जानकारी प्राप्त की। 'संतुलित खाद अपनाए, धरती माँ को बचाए' के संदेश के साथ किसानों को पर्यावरण संरक्षण एवं टिकाऊ कृषि की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। नागदा से जीवनलाल जैन की रिपोर्ट



राजस्व कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू, 18 लंबित मांगों को लेकर गांधीनगर कलेक्ट्रेट में भी कामकाज प्रभावित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। राज्य राजस्व कर्मचारी महामंडल की ओर से लंबित मांगों को लेकर घोषित अनिश्चितकालीन हड़ताल का असर अब गांधीनगर जिले में भी दिखाई देने लगा है। महामंडल के राज्यव्यापी आह्वान के बाद जिले के राजस्व कर्मचारियों ने भी आंदोलन का समर्थन शुरू कर दिया है। गांधीनगर कलेक्ट्रेट कार्यालय के कर्मचारियों ने राज्य महामंडल के आदेश का पालन करते हुए हड़ताल में शामिल होने की घोषणा की है। कर्मचारियों की ओर से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन भी सौंपा गया। राजस्व कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से कई महत्वपूर्ण मुद्दे लंबित हैं, लेकिन उनका समाधान नहीं किया गया है। इन मांगों में विशेष रूप से राजस्व तलाटियों का जॉब चार्ट, वर्ष 2012 बैच की वरिष्ठता सूची, पदोन्नति और अन्य वरिष्ठता सूचियों से जुड़े मामले शामिल हैं। कर्मचारियों के अनुसार राज्य महामंडल की ओर से सरकार के सामने कुल 18 अलग-अलग मुद्दे रखे गए हैं। इन लंबित मांगों के समाधान को लेकर अब कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन आंदोलन का रास्ता अपनाया है। गांधीनगर जिले के राजस्व तलाटी विजयराजसिंह नरेंद्रसिंह जडेजा ने बताया कि जिले में राज्य महामंडल के आदेश का पालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गांधीनगर जिला भी राज्य स्तर पर घोषित अनिश्चितकालीन हड़ताल का पूरा समर्थन कर रहा है। कर्मचारियों ने लंबित मुद्दों का समाधान होने तक आंदोलन जारी रखने की बात कही है। हालांकि, गांधीनगर में नगर निगम के आम चुनाव की प्रक्रिया से जुड़े काम को हड़ताल से बाहर रखा गया है। कर्मचारियों के अनुसार चुनाव संबंधी जिम्मेदारियां जारी रहेंगी, ताकि चुनाव प्रक्रिया प्रभावित न हो। इसके अलावा आपातकालीन सेवाओं को भी हड़ताल के दायरे से बाहर रखा गया है। यानी चुनाव और आपात सेवाओं से संबंधित आवश्यक कार्यों में कर्मचारी अपना सहयोग जारी रखेंगे। राजस्व कर्मचारियों के आंदोलन में जॉब चार्ट और पदोन्नति से जुड़े मुद्दे प्रमुख हैं। कर्मचारियों का कहना है कि वरिष्ठता सूची और पदोन्नति से जुड़े मामलों के लंबित रहने से कर्मचारियों में असंतोष है। वर्ष 2012 बैच की वरिष्ठता सूची समेत अन्य वरिष्ठता और पदोन्नति संबंधी मामलों को लेकर भी कर्मचारी लंबे समय से समाधान की मांग कर रहे हैं।



पच्चीस साल तक BJP को वोट देने के बावजूद अब काला करप्शन देखकर भरोसा टूट गया है, BJP के गढ़ गांधीनगर में लोगों की ज़बरदस्त नाराज़गी और अगले चुनाव में सत्ता बदलने का खुला ऐलान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात की पॉलिटिक्स में, गांधीनगर, जिसे BJP का अटूट गढ़ और सुरक्षित किला माना जाता था, अब उसी गढ़ के अंदर से रूलिंग पार्टी के खिलाफ़ बगावत के ऐसे जानलेवा सुर गूंज रहे हैं जिसने हुक्मरानों की नींद हराम कर दी है। गांधीनगर के लोग, जिन्होंने सालों तक आँख बंद करके BJP को सपोर्ट किया था और कमल की पॉलिसी पर भरोसा किया था, अब खुलकर कह रहे हैं, 'अरे भाई, हमने पच्चीस साल तक इस पार्टी को वोट दिया, लेकिन बदले में हमें सिर्फ़ फ्रॉड और करप्शन मिला है, अब इस सरकार पर से हमारा पूरा भरोसा उठ गया है।' गांधीनगर के अंदरूनी इलाकों में अब लोगों के गुस्से का लावा फूट पड़ा है। स्थानीय नागरिकों का गुस्सा साफ तौर पर सामने आ रहा है कि इस सरकार में भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं बचा है। विकास के बड़े-बड़े ढिंढोरे चलाए जा रहे हैं, लेकिन हकीकत यह है कि छह महीने के अंदर ही यहां बनी नई सड़कें और फुटपाथ टूट जाते हैं और कागजों पर खर्च हुए करोड़ों रुपये बर्बाद हो जाते हैं। लोगों के पसीने की कमाई का टैक्स का पैसा अधिकारियों और नेताओं की तिजोरियों में भर जाता है, जबकि आम लोग वाली सड़कों पर अपनी हड्डियां तोड़ने को मजबूर हैं। लोग अब सवाल पूछ रहे हैं कि यह कैसा विकास है जहां करोड़ों रुपये की सड़कें कुछ ही मानसून या ट्रैफिक में कागज की नावों की तरह बह जाती हैं? जैसे-जैसे अगले चुनाव नजदीक आ रहे हैं, गांधीनगर के वोटरों में फैली यह नाराजगी सिर्फ गुस्सा नहीं है, बल्कि यह सत्ता परिवर्तन के एक बड़े बवंडर का बैकग्राउंड है। लोग अब साफ-साफ बोलने लगे हैं कि इस बार चुनाव के दौरान वोट मांगने आने वाले नेताओं को करारा जवाब दिया जाएगा और दशकों से जमे इस भ्रष्ट सिस्टम को जड़ से उखाड़कर सत्ता बदली जाएगी। लोगों का यह गुस्सा दिखाता है कि लोग अब और बेवकूफ बनने को तैयार नहीं हैं पाको गुजरात न्यूज़ पेपर के रीडर्स के लिए यह रिपोर्ट इस सच्चाई की गवाह है कि किले कितने भी मजबूत क्यों न हों, जब लोगों के सब्र का बांध टूटता है तो सत्ता के सिंहासन भी कांप उठते हैं। गांधीनगर की यह जनक्रांति आने वाले समय में गुजरात की राजनीति में बड़ा बदलाव लाने के साफ संकेत दे रही है।

एक शाम अणु के नाम तीन दिवसीय एकासन तप का भी आयोजन किया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

थांदला। पंडित रत्न जैनाचार्य, गौरव शासन की आत्मा, पूज्य गुरुदेव श्री उमेशमुनिजी म. सा. के सान्निध्य में पूज्य श्री धर्मदास संप्रदाय के पुण्य स्मरण हेतु गुरु पखवाड़ा चल रहा है, जिसके अंतर्गत जंगम युग प्रधान जैनाचार्य पूज्य गुरुदेव श्री धर्मदासजी म. सा. से लेकर उनके वर्तमान शिष्य संप्रदाय, बुद्धपुत्र पूज्य श्री जिनेंद्रमुनिजी म. सा. तक के सभी गुरुओं को स्मरण कर उनका गुणगान किया जा रहा है। थांदला में दार्शनिक श्री धर्मेंद्रमुनिजी एवं मर्मज्ञ वक्ता श्री संदीपमुनिजी एवं महासती श्री निखिलशिलाजी आदि ठाणा-12 के पावन सान्निध्य में धर्मोत्कर्ष वर्षावसव के पावन सान्निध्य में तीन दिवसीय अणुव्रत स्मृति दिवस का आयोजन किया गया। उनके वचनामृत आगम वाणी को महान साधक एवं उनके कर्म को उपदेश बताया। आपने कहा कि आज अनेक साधु-संत ही नहीं अपितु श्रावक-श्राविकाओं का एक बड़ा समूह उनके द्वारा लिखे साहित्य से अपनी जिज्ञासा का समाधान प्राप्त कर रहा है। आपके पावन सान्निध्य में थांदला श्रीसंघ द्वारा दोपहर 2 से 3 बजे तक ऐच्छिक प्रश्न मंच का आयोजन किया गया जिसमें 11 वर्ष से 75 वर्ष तक के श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया एवं गुरुभक्ति आधारित प्रश्नोत्तरी के सही विकल्पों पर मुहर लगाई। प्रश्न मंच में सुश्री भूमिका रुनवाल और मेघा अंकित लोढ़ा संयुक्त रूप से प्रथम स्थान पर रहीं, जबकि छोटी बच्ची तोशनी (मिष्टी) जैन और बड़ी श्राविका सरोज शाहजी और इंदु बहन गादिया को विशेष पुरस्कार दिए गए।



SP ने साणंद पुलिस स्टेशन के 4 PSI समेत 12 पुलिसकर्मियों का एक साथ ट्रांसफर किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। जिले के ग्रामीण पुलिस फोर्स से एक बहुत बड़ी और सनसनीखेज खबर सामने आ रही है। डिस्ट्रिक्ट सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस यानी PI ने साणंद पुलिस स्टेशन में काम करने वाले पुलिसकर्मियों के एक साथ ट्रांसफर का ऑर्डर जारी किया है। अचानक हुई इस कार्रवाई के तहत 4 पुलिस सब इंस्पेक्टर यानी PI समेत कुल 12 पुलिसकर्मियों का एक साथ दूसरी जगह ट्रांसफर कर दिया गया है, जिससे पूरे पुलिस डिपार्टमेंट में काफी हंगामा मच गया है। बेसिक बात यह है कि कुछ मय पहले साणंद पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर यानी PI का भी एडमिनिस्ट्रेटिव कारणों या दूसरी कॉन्फिडेंशियल शिकायतों की वजह से तड़का साहेब में ट्रांसफर कर दिया गया था। PI के जाने के बाद अब थाने के चार PI और दूसरे पुलिसवालों समेत कुल बारह कर्मचारियों का एक साथ ट्रांसफर कर दिया गया है, और यह पूरा मामला चर्चा का विषय बन गया है। एक ही थाने से इतनी बड़ी संख्या में कर्मचारियों का सागामेट ट्रांसफर होने से कई तरह के शक और अटकलों का बाजार गर्म हो गया है। चर्चा है कि साणंद इलाके में पिछले कुछ सालों से चल रही गतिविधियों, कथित प्रशासन और कामकाज पर उठ रहे सवालों को लेकर हाई लेवल से यह बड़ा और सख्त फैसला लिया गया है।

महानगर मेट्रो न्यूज़ का बड़ा असर, डभोई के नाडा से फर्टीकुई रूट की खबर के बाद एडमिनिस्ट्रेटिव मशीनरी एक्शन मोड में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। तालुका के ग्रामीण इलाके में ऐसी ही एक ज़रूरी नाडा-फर्टीकुई सड़क की खस्ता हालत और स्थानीय लोगों की परेशानी का सच मीडिया ने सामने लाया। जैसे ही यह रिपोर्ट महानगर मेट्रो न्यूज़ पर दिखाई गई, एडमिनिस्ट्रेटिव मशीनरी में भारी हलचल मच गई और रात-रात भर सोई हुई मशीनरी जागकर एक्शन मोड में आ गई। नाडा गांव को फर्टीकुई से जोड़ने वाली यह सड़क लंबे समय से खस्ताहाल और खराब हालत में थी। सड़क पर बड़े और खतरनाक के साथ-साथ सड़क के दोनों तरफ जंगली ऊदबिलाव और बेतरतीब उगी झाड़ियों का साम्राज्य था। इन घनी झाड़ियों की वजह से सामने से आने वाली गाड़ियां बिल्कुल दिखाई नहीं देती थीं, जिससे हादसों का खतरा हमेशा मंडराता रहता था। लोकल एडमिनिस्ट्रेशन ने इलाका होने का बहाना बनाकर इस रास्ते को लंबे समय से नज़रअंदाज़ किया हुआ था, जिससे आने-जाने वालों और स्टूडेंट्स में गुस्सा था। लोकल लोगों की इस दर्दनाक और खतरनाक हालत को महानगर मेट्रो न्यूज़ ने ग्राउंड रिपोर्ट के ज़रिए आवाज़ दी और एडमिनिस्ट्रेटिव लापरवाही को सामने लाया। यह रिपोर्ट सर्कुलेट होते ही अधिकारियों की आंखें खुलीं और तुरंत असर से कर्मचारियों की एक टीम मौके पर भेजी गई। तंत्रा ने युद्धस्तर पर काम करते हुए सड़क के दोनों तरफ जंगली ऊदबिलाव और झाड़ियों को हटाकर रास्ता खुलवाया, साथ ही खतरनाक को भरकर सड़क को ट्रैफिक के लिए सुरक्षित कर दिया। सिस्टम की इस तेज़ी से की गई कार्रवाई से गांववालों और गाड़ी चलाने वालों ने राहत की सांस ली है। सालों से परेशानी में जी रहे लोगों की समस्या खत्म होने से स्थानीय निवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों ने जनता की समस्याओं को आवाज देकर प्रशासनिक व्यवस्था को जगाने के लिए महानगर मेट्रो न्यूज़ का दिल से आभार जताया है।



स्क्रब टाइफस का बढ़ता कहर: SMS में तीन महीने में 15 मौतें, सितंबर में सबसे ज्यादा 9 मरीजों ने गंवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। मानसून के बाद आमतौर पर डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों का खतरा बढ़ता है, लेकिन इस बार जयपुर में स्क्रब टाइफस ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। एसएमएस अस्पताल में जुलाई, अगस्त और सितंबर के दौरान स्क्रब टाइफस से 15 मरीजों की मौत हो चुकी है। इनमें सितंबर में सबसे ज्यादा 9 मरीजों की इलाज के दौरान जान गई।



वहीं जनवरी से सितंबर तक अस्पताल में 323 से ज्यादा मरीज स्क्रब टाइफस के चलते भर्ती हुए हैं। अस्पताल में सितंबर के दौरान इस बीमारी के मामलों में अचानक तेजी देखने को मिली। अकेले सितंबर में एसएमएस अस्पताल में 213 से ज्यादा मरीज स्क्रब टाइफस से संक्रमित पाए गए। इनमें से 9 मरीजों की उपचार के दौरान मौत हो गई। डॉक्टरों के अनुसार जिन मरीजों की मौत हुई, उनमें ज्यादातर ऐसे मामले थे, जिनमें संक्रमण गंभीर होने के बाद शरीर के महत्वपूर्ण अंगों ने काम करना बंद कर दिया। डॉक्टरों का कहना है कि स्क्रब टाइफस में शुरुआती स्तर पर उपचार मिलने से मरीज के गंभीर होने का खतरा कम किया जा सकता है। जिन मरीजों ने बीमारी के शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज किया और समय पर अस्पताल नहीं पहुंचे, उनमें संक्रमण बढ़ने के बाद स्थिति ज्यादा गंभीर हो गई। ऐसे मरीजों में ऑर्गन फेलियर जैसी जटिलताएं सामने आईं, जिससे उपचार मुश्किल हो गया। मानसून और उसके बाद आमतौर पर डेंगू-मलेरिया जैसी बीमारियों के मामले बढ़ते हैं, लेकिन इस बार एसएमएस अस्पताल के आंकड़ों में स्क्रब टाइफस के मामले ज्यादा सामने आए हैं। पिछले तीन महीनों में अस्पताल में डेंगू के 140 मरीज मिले, जबकि मलेरिया का एक भी मामला सामने नहीं आया।

गहलोत-पायलट की मुलाकात ने फिर खींचा सियासी ध्यान, वॉर रूम में गहलोत बोले- 'पंजाब इंचार्ज, अब बताइए'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। कांग्रेस वॉर रूम में बुधवार को बैठक से पहले पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट के बीच हुई बातचीत एक बार फिर राजनीतिक चर्चा का विषय बन गई। गहलोत ने प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा और सचिन पायलट से मजाकिया अंदाज में कहा- 'पंजाब इंचार्ज, अब बताइए। पहले आपके इंचार्ज ये थे, अब इनके इंचार्ज आप हैं।' इस दौरान गहलोत और पायलट के बीच सहज और गर्मजोशी भरा माहौल नजर आया।ठ दरअसल, सचिन पायलट को हाल ही में पंजाब कांग्रेस का प्रभारी बनाया गया है। वहीं राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा पंजाब कांग्रेस के नेता हैं। वॉर रूम में दोनों नेताओं की मौजूदगी के बीच गहलोत की यह टिप्पणी राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गई। बातचीत भले ही मजाकिया अंदाज में हुई, लेकिन इसके सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। कांग्रेस में लंबे समय से गुटबाजी और नेताओं के बीच खींचतान की चर्चा होती रही है। हालांकि, पिछले कुछ दिनों में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच बदला हुआ माहौल दिखाई दे रहा है। नेता एक-दूसरे से गर्मजोशी से मिल रहे हैं और सार्वजनिक मंचों पर भी एकजुटता का संदेश देने की कोशिश नजर आ रही है। कांग्रेस वॉर रूम में बैठक के बाद अशोक गहलोत ने मीडिया से कहा कि पत्रकार लगातार कांग्रेस में एकता नहीं होने को लेकर सवाल पूछते हैं। उन्होंने कहा कि आज सबने देख लिया कि कांग्रेस में एकता है और सभी नेता एकजुट हैं। गहलोत का यह बयान ऐसे समय आया है, जब पार्टी के भीतर नेताओं के बीच रिश्तों को लेकर लगातार राजनीतिक चर्चाएं होती रही हैं। इससे पहले सोमवार को गहलोत ने कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में कांग्रेस नेताओं के लिए डिनर का आयोजन किया था। इसमें प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, बीडी कल्ला, पूर्व प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे, वरिष्ठ नेता मोहन प्रकाश सहित कई पूर्व मंत्री और नेता शामिल हुए। डिनर के दौरान गहलोत नेताओं से गर्मजोशी से मिले और राजनीतिक एवं अनौपचारिक मुद्दों पर बातचीत की। हाल ही में गहलोत ने स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस संगठन की रणनीति पर सवाल उठाए थे।



जोधपुर में जिला परिषद की 43 और पंचायत समितियों की 23 सीटों के लिए मांगे बायोडाटा

पंचायत चुनाव को लेकर भाजपा में दावेदारों की भीड़



महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। पंचायती राज चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। राजनीतिक दलों में प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसी क्रम में भाजपा ने जोधपुर में जिला परिषद और पंचायत समितियों के चुनाव के लिए दावेदारों से बायोडाटा मांगे हैं। बुधवार को पावटा सी रोड स्थित भाजपा कार्यालय में बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे कार्यकर्ताओं ने चुनाव में दावेदारी पेश की और पार्टी पदाधिकारियों के समक्ष अपने बायोडाटा जमा करवाए। भाजपा कार्यालय में दिनभर कार्यकर्ताओं की गहमा-गहमी रही। ग्रामीण क्षेत्रों से आए दावेदारों ने भाजपा जिला अध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी सहित अन्य पदाधिकारियों से मुलाकात कर अपनी दावेदारी रखी। पार्टी की ओर से अब प्राप्त बायोडाटा के आधार पर संभावित प्रत्याशियों के नामों पर विचार किया जाएगा। भाजपा जिला अध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी ने बताया कि जोधपुर में जिला परिषद की 43 और 23 पंचायत समितियों के लिए उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया चल रही है। दावेदारों के बायोडाटा एकत्र होने के बाद पार्टी स्तर पर पैनल तैयार किया जाएगा। इसके बाद प्रत्येक सीट के लिए तीन-तीन संभावित उम्मीदवारों का पैनल बनाकर जयपुर स्थित पार्टी मुख्यालय भेजा जाएगा। अंतिम निर्णय पार्टी मुख्यालय स्तर पर लिया जाएगा। त्रिभुवन सिंह भाटी ने कहा कि पार्टी संगठन योग्य, सक्रिय और जनसेवा के प्रति समर्पित कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता देगा। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर संगठन को मजबूत करने और अधिक से अधिक सीटों पर जीत हासिल करने के लिए भाजपा पूरी सक्रियता के साथ काम कर रही है। प्रत्याशी चयन में संगठन की मजबूती और स्थानीय स्तर पर सक्रियता को भी ध्यान में रखा जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भाजपा की ओर से बुधवार को 'सेवा ज्योति यात्रा' का आयोजन भी किया गया। दशहरा मैदान में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी का वर्चुअल प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और युवा मौजूद रहे। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं जिला प्रभारी भूपेंद्र सैनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के सार्वजनिक जीवन और उनके नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में करीब 25 वर्ष के राजनीतिक जीवन में जो कार्य किए हैं,

'वी विल डू इट... हम करके दिखाएंगे' के संकल्प के साथ निकली सेवा ज्योति यात्रा, विकसित भारत का लिया संकल्प

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भाजपा की ओर से पनिहारी गार्डन में 'सेवा ज्योति यात्रा' और 'विकसित भारत संकल्प सभा' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से कार्यकर्ताओं और लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास और कार्यकर्ताओं की मेहनत ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'वी विल डू इट... हम करके दिखाएंगे' का नारा देते हुए कहा कि जब तक भारत विकसित नहीं होता, तब तक वे न थकेंगे और न रुकेंगे। उन्होंने कहा कि वे किसी महत्वाकांक्षा के लिए नहीं, बल्कि मिशन के लिए जीते हैं। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल रहा और विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने का संकल्प दोहराया गया।

2047 तक विकसित भारत का लिया संकल्प

कार्यक्रम में माटी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद टांक, प्रदेश मंत्री नारायण पुरोहित, भाजपा जिला अध्यक्ष रक्षा भंडारी, चुनाव प्रभारी श्रवणसिंह राव और जिला सह प्रभारी आवडदान चारण ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। वक्ताओं ने विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए संगठन और कार्यकर्ताओं की भूमिका पर जोर दिया। इस दौरान मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की शपथ दिलाई गई। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत बनाने और सेवा कार्यों के माध्यम से आमजन से जुड़े रहने का आह्वान किया।

मशाल लेकर निकले कार्यकर्ता, जेल चौराहे पर स्थापित की सेवा ज्योति

कार्यक्रम के तहत सेवा ज्योति यात्रा पनिहारी गार्डन से शुरू हुई। यात्रा माली छात्रावास होते हुए जेल चौराहे तक पहुंची। यात्रा में भाजपा पदाधिकारी हाथों में मशाल लेकर शामिल हुए, जबकि कार्यकर्ता पार्टी के झंडे लेकर पैदल चले। जेल चौराहे पर सेवा ज्योति स्थापित कर कार्यकर्ताओं ने सेवा का संकल्प लिया।कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्षों का साफा और माला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के संयोजक एवं जिला महामंत्री गणपतसिंह राठौड़ ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन नरपतदान चारण ने किया। इस अवसर पर जिले के भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और पार्टी सदस्य बड़ी संख्या



में मौजूद रहे।

तरंग शक्ति-2026 में राफेल की एंट्री, रात में गूंजे लड़ाकू विमानों के इंजन; प्रचंड हेलिकॉप्टर देख मलेशियाई एयर वॉरियर्स हुए हैरान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। जोधपुर एयरबेस पर चल रहे बहुराष्ट्रीय युद्धाभ्यास 'तरंग शक्ति-2026' में मंगलवार को फ्रांस के राफेल लड़ाकू विमानों ने भी हिस्सा लिया। संयुक्त अरब अमीरात स्थित फ्रांसीसी सैन्य एयरबेस से राफेल विमान 'पेगासे-26' मिशन के तहत अभ्यास में शामिल हुए। इस दौरान नाइट-ऑपरेशन्स भी किए गए, जिससे रात के समय जोधपुर के आसमान में लड़ाकू विमानों की गर्जना सुनाई दी। अभ्यास के दौरान एक पायलट ने राफेल के कॉकपिट से एक्सरसाइज का वीडियो भी बनाया। वहीं, स्वदेशी प्रचंड हेलिकॉप्टर ने भी विदेशी एयर वॉरियर्स का ध्यान खींचा। प्रचंड की क्षमताओं को देखकर मलेशिया के एयर वॉरियर्स के हैरान होने की बात सामने आई है। बहुराष्ट्रीय अभ्यास में अलग-अलग देशों के लड़ाकू विमानों और सैन्य परिवहन विमानों की मौजूदगी से जोधपुर एयरबेस पर गतिविधियां बढ़ गई हैं।

फ्रांसीसी वायुसेना ने साझा किए नाइट-ऑपरेशन्स के दृश्य

जोधपुर एयरबेस पर नाइट-ऑपरेशन्स के दौरान फ्रांसीसी वायुसेना की ओर से अभ्यास



से जुड़े दृश्य साझा किए गए। पोस्ट में रात के अंधेरे में जेट इंजनों के आफ्टरबर्नर की गर्जना और हवाई अभ्यास से पहले के माहौल का जिक्र किया गया। इसमें ग्राउंड क्रू और पायलटों के बीच बेहतर तालमेल को भी अभ्यास का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया गया। साझा की गई तस्वीरों को अमेरिकी वायुसेना के फोटोग्राफर एयरमैन फर्स्ट क्लास नथानियल जैक्सन ने लिया था। तस्वीरों में रात के समय विमान संचालन से जुड़े क्षण और एयरबेस पर चल रही गतिविधियां दिखाई गईं।

जर्मनी के A400रू ने भी संभाला मोर्चा

तरंग शक्ति-2026 में जर्मनी ने अपने अत्याधुनिक ए400रू एटलस परिवहन विमान को भी जोधपुर एयरबेस पर तैनात किया है। यह विमान भारी सामान और सैनिकों की आवाजाही के साथ जटिल लॉजिस्टिक्स और एयरलिफ्ट ऑपरेशन्स में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। अभ्यास में अलग-अलग देशों की वायु सेनाओं की भागीदारी से संयुक्त संचालन, आपसी समन्वय और हवाई युद्धाभ्यास की क्षमताओं को परखने का अवसर मिल रहा है। जोधपुर में चल रहे इस अभ्यास के दौरान दिन के साथ रात में भी ऑपरेशन्स किए जा रहे हैं, जिससे क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां लगातार दिखाई दे रही हैं।

रात में भी गूंजे लड़ाकू विमानों के इंजन

तरंग शक्ति-2026 में जोधपुर एयरबेस पर नाइट-ऑपरेशन्स के दौरान राफेल समेत अन्य लड़ाकू विमानों ने रात में उड़ान भरी। आसमान में आफ्टरबर्नर की गर्जना के बीच विदेशी वायुसेनाओं के पायलटों और ग्राउंड क्रू ने बेहतर तालमेल के साथ हवाई अभ्यास किया। जर्मनी का A400रूएटलस भी अभ्यास में शामिल है।

डांडिया, ढोल और दमदार संगीत से सजेगी नवरात्रि की पहली रात, कामरिया का छठा सीजन तैयार

1500 से ज्यादा लोग थिरकेंगे गरबे की थाप पर, 'मिस्टर-मिस कामरिया 2026' का भी होगा मुकाबला

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पीयूष गौत्तम

जोधपुर। नवरात्रि की शुरुआत के साथ ही जोधपुर शहर डांडिया और गरबा की थाप पर झूमने के लिए तैयार है। डीएनए लक्स सेलिब्रेशंस, जोधपुर की ओर से आयोजित 'कामरिया गरबा महोत्सव' का छठा संस्करण रविवार, 11 अक्टूबर को नवरात्रि के पहले दिन शिवगढ़ रिसॉर्ट, दाली बाई सर्कल, जैसलमेर बाईपास पर आयोजित किया जाएगा। आयोजन में 1500 से अधिक लोगों के शामिल होने की संभावना है। पिछले छह वर्षों से 'कामरिया गरबा महोत्सव' जोधपुर के प्रमुख और यादगार गरबा आयोजनों में अपनी पहचान बनाए हुए है। छह सीजन के सफर में इस आयोजन ने शहर के गरबा प्रेमियों के बीच खास जगह बनाई है। इस बार भी पारंपरिक गरबा और डांडिया के साथ दमदार संगीत, भव्य मंच सज्जा, खास एंट्रियां, फूड स्टॉल और ढोल की गूंज आकर्षण का केंद्र रहेगी। मंच संचालन आरजे शैलेन्द्र करेंगे, जबकि डीजे मृगांश की धुनों पर पूरा परिसर गरबा और डांडिया की थाप पर थिरकेगा। आयोजन में प्रतिभागियों के लिए विभिन्न श्रेणियों में खिताब रखे गए हैं। इनमें बेस्ट डांसर पुरुष एवं महिला, सुपर्ब आउटफिट, लिटिल चैंप बालक एवं बालिका, मास्टर मार्वलस, मिस लवली और चार्मिंग कपल शामिल हैं। आयोजन का प्रमुख आकर्षण 'मिस्टर कामरिया 2026' और 'मिस कामरिया 2026' का खिताब रहेगा। विजेताओं को ?11,000 तक के नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। इसके अलावा गोल्ड और सिल्वर के लकी ड्रॉ भी आयोजित किए जाएंगे। कामरिया गरबा महोत्सव' इस बार गैर-सरकारी संगठन 'पंख - एक उड़ान' के लिए फंडरेज़र के रूप में भी आयोजित किया जा रहा है। आयोजक दीप्ति अग्रवाल ने कहा कि कामरिया केवल गरबा आयोजन नहीं, बल्कि जोधपुरवासियों के लिए नवरात्रि को एक साथ मनाने का अनुभव है। इस बार सीजन-6 को पहले से ज्यादा भव्य और यादगार बनाने का प्रयास किया गया है। ायोजन के लिए सिंगल पास ?600 और कपल पास ?1,100 में उपलब्ध हैं। टिकट District by Zomato के माध्यम से ऑनलाइन बुक किए जा सकते हैं। पास और अन्य जानकारी के लिए 93149 62081 और 78770 39886 पर संपर्क किया जा सकता है। कार्यक्रम के पावर्ड बाय पार्टनर श्री विनायक मिठाईवाला (बाबूभाई) हैं। लकी ड्रॉ के को-



पावर्ड बाय पार्टनर मेधांशी जेम्स एण्ड ज्वैलर्स (ए यूनिट ऑफ रविंदर ज्वैलर्स) हैं। शिवगढ़ रिसॉर्ट आयोजन का वेन्यू पार्टनर है। श्री राम स्टूडियो, शादी वाली रील्स, राजस्थान सिक्योरिटी सॉल्यूशन, राजपुरोहित पाल टेंट हाउस, नवकार लाइट्स, पंख - एक उड़ान और राज साउंड एंड लाइट्स आयोजन के साझेदार हैं। सहयोगियों में वीरा परिधान, मोह, Gun²coffe, नीलहिम सोलर, बखत कैफे एंड रेस्टो और फोर्ट मीडिया शामिल हैं।

जोधपुर में पुलिस टीम और ग्रामीणों में तनातनी, गाड़ी में शराब की बोतलें मिलने का आरोप; ACP मंडोर करेंगे जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। डांगियावास थाना क्षेत्र में मंगलवार रात सोजत स्थित सतलोक आश्रम की गाड़ी को रोकने के बाद पुलिस टीम और ग्रामीणों के बीच तनातनी हो गई। ग्रामीणों ने पुलिसकर्मियों पर शराब के नशे में होने का आरोप लगाया। ग्रामीणों का दावा है कि पुलिस की गाड़ी की तलाशी लेने पर उसमें शराब की बोतलें और चखने का सामान मिला। मौके पर मौजूद लोगों ने इसका वीडियो भी बनाया। हालांकि, शराब किसकी थी और घटनास्थल पर वास्तविक रूप से क्या हुआ, इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। मामला डांगियावास थाना क्षेत्र के टोल प्लाजा के पास का है। जानकारी के अनुसार मंगलवार रात स्पेशल टीम (सीएसटी) प्रभारी मेहराज तंवर के साथ गश्त पर थी। इसी दौरान टीम ने एक गाड़ी को रुकने का इशारा किया। आरोप है कि गाड़ी तत्काल नहीं रुकी और कुछ दूरी पर जाकर खड़ी हुई। बताया गया कि यह गाड़ी सोजत स्थित सतलोक आश्रम की थी और उसमें कुछ लोग सवार थे। गाड़ी को



पुलिस द्वारा रोके जाने की सूचना मिलने के बाद आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने पुलिसकर्मियों पर शराब के नशे में होने का आरोप लगाया। इसके बाद पुलिस की गाड़ी की तलाशी लिए जाने की बात सामने आई। ग्रामीणों का दावा है कि गाड़ी में कई महंगे ब्रांड की शराब की बोतलें और चखने का सामान मिला। मौके पर ग्रामीणों ने शराब की बोतलों और चखने के सामान का वीडियो भी बनाया। घटना के बाद मौके पर माहौल गरमा गया। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी और हंगामा किया। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारियों ने घटनाक्रम की जानकारी ली।

ACP मंडोर को सौंपी निष्पक्ष जांच

मामले को लेकर एडीसीपी जोधपुर ईस्ट नरेंद्र सिंह देवड़ा ने बताया कि स्पेशल टीम एनडीपीएस और अन्य कार्रवाई के लिए गश्त करती है। इसी क्रम में मंगलवार रात टीम डांगियावास थाना क्षेत्र में मौजूद थी और उसने एक गाड़ी को रुकने का इशारा किया था। गाड़ी में सोजत के सतलोक आश्रम से जुड़े लोग सवार थे। इसी दौरान मौके पर भीड़ एकत्र हो गई। एडीसीपी ने बताया कि पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर मामले की निष्पक्ष जांच एसीपी मंडोर को सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने के बाद ही घटनाक्रम की पूरी सच्चाई सामने आएगी। फिलहाल ग्रामीणों की ओर से लगाए गए आरोपों और गाड़ी में मिली शराब के संबंध में जांच की जा रही है।

जालोर और बागरा को मिली नई 108 एंबुलेंस, मरीजों को समय पर मिलेगी चिकित्सा सुविधा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। वन्यजीव सप्ताह के छठे दिन बुधवार को वन विभाग की ओर से गुरुशिखर से उतरज गांव तक के ट्रैकिंग मार्ग पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान में वन विभाग के कर्मचारियों के साथ वन्यजीव प्रेमियों और प्रकृति प्रेमियों ने भी भाग लिया। करीब 200 किलोग्राम प्लास्टिक और अन्य अनुपयोगी कचरा एकत्र कर ट्रैकिंग मार्ग को साफ किया गया। सफाई अभियान के दौरान ट्रैकिंग मार्ग और उसके आसपास लंबे समय से बिखरे प्लास्टिक की बोतलें, रैपर, पॉलिथीन सहित अन्य कचरे को एकत्र किया गया। वन विभाग की टीम और अभियान में शामिल लोगों ने मार्ग के विभिन्न हिस्सों में सफाई कर प्राकृतिक क्षेत्र को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। अभियान में शामिल वन्यजीव एवं प्रकृति प्रेमियों ने पर्यटकों और श्रद्धालुओं से प्राकृतिक क्षेत्रों की स्वच्छता बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि माउंट आबू के जंगल और प्राकृतिक स्थल सभी के लिए महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में यहां आने वाले पर्यटक और श्रद्धालु अपने साथ लाए कचरे को खुले में नहीं फेंकें और उसे वापस ले जाकर निर्धारित स्थान पर ही डालें। वन विभाग के अनुसार सफाई अभियान का मुख्य उद्देश्य माउंट आबू के पर्यावरण को स्वच्छ रखने के साथ वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को कचरे से सुरक्षित रखना है। अभियान के जरिए लोगों को प्रकृति संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का प्रयास भी किया गया। वन्यजीव सप्ताह के दौरान आयोजित इस अभियान में लोगों ने प्राकृतिक स्थलों को साफ रखने और वन्यजीवों के संरक्षण में अपनी भागीदारी निभाने का संदेश दिया।



जालोर में खेत में पेड़ से लटका मिला 25 वर्षीय युवक का शव, रात को फसल की रखवाली के लिए गया था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। शहर की रामदेव कॉलोनी क्षेत्र में बुधवार सुबह खेत में पेड़ से 25 वर्षीय युवक का शव लटका मिला। युवक मंगलवार रात बाजरे की फसल की रखवाली के लिए खेत पर गया था। सुबह तक घर नहीं लौटने और फोन नहीं उठाने पर पिता उसे तलाशते हुए खेत पहुंचे, जहां बेटे का शव पेड़ से लटका मिला। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। कोतवाली थाने के हेड कॉन्स्टेबल हरिराम ने बताया कि रमेश कुमार पुत्र तोलाराम माली मंगलवार रात रोजाना की तरह खाना खाने के बाद खेत पर फसल की रखवाली के लिए गया था। रात करीब 10 बजे तक उसकी परिवार के लोगों से फोन पर बातचीत हुई थी। उस समय सब कुछ सामान्य था। इसके बाद वह बुधवार सुबह तक घर नहीं लौटा। रमेश के घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसे फोन किया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। इसके बाद पिता तोलाराम माली उसे देखने के लिए खेत पर पहुंचे। वहां उन्होंने बेटे का शव पेड़ से लटका देखा। पिता ने तत्काल परिवार के अन्य सदस्यों को इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया और जालोर सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया। युवक ने आत्महत्या की है या उसकी मौत के पीछे कोई अन्य कारण है,



बागरा सीएचसी को मिली नई 108 एंबुलेंस, ग्रामीणों को मिलेगी बेहतर स्वास्थ्य सेवा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

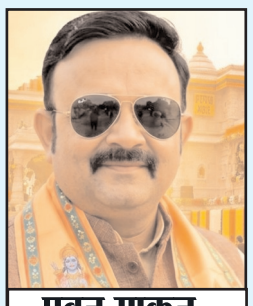
बागरा। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) को नई 108 एंबुलेंस सेवा मिलने से क्षेत्र के ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। मंगलवार को चिकित्सा विभाग के अधिकारियों और ग्रामीणों की मौजूदगी में नई एंबुलेंस की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। ग्रामीणों ने नई एंबुलेंस मिलने पर खुशी जताते हुए इसे क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं में महत्वपूर्ण कदम बताया। बागरा सीएचसी प्रभारी ने बताया कि नई 108 एंबुलेंस के उपलब्ध होने से जरूरतमंद मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। आपात स्थिति में मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने के लिए एंबुलेंस सेवा उपयोगी साबित होगी। इससे बागरा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। इस मौके पर ग्रामवासियों ने बीसीएमओ बीआर विश्नोई का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्र में एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध होने से आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में राहत मिलेगी। कार्यक्रम में सरपंच सत्य प्रकाश, हनवंत सिंह देवड़ा, गंगा सिंह सिंधल, हाजी कालुखा, शांति लाल सोलंकी, शाकीर खां खोखर, आदाराम लुकडा, हिम्मताराम भील, बाबू लाल, मोडाराम, रमेश कुमार, वशीर खां, चम्पा लाल बोराणा, शंकर अग्रवाल, जयंती लाल, राजू छींपा, किरण मालवीय, कुया राम, महिपाल सिंह, दोलाराम, लुंबाराम, हिम्मताराम मेघवाल और नवीन कुमार सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।



सम्पादकीय

पूर्वजों के पीछे श्राद्ध और पिंडदान करने वाली हमारी महान संस्कृति पर सबसे बड़ा कलंक

हमारे देश की संस्कृति, सभ्यता और सनातन परंपराओं की बात जब भी निकलती है तो हम गर्व से सीना तानकर कहते हैं कि यह वह पवित्र भूमि है जहाँ मृत पूर्वजों की याद में भी श्राद्ध किया जाता है, उनकी तिथि पर ब्राह्मणों को जिमाया जाता है, कौवे को ग्रास दिया जाता है और उनकी आत्मा की शांति के लिए पिंडदान तथा श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। वर्ष बीत जाने के बाद भी पीढ़ियाँ बदलें, फिर भी हमारे बुजुर्गों और पूर्वजों के प्रति हमारी श्रद्धा और आदरभाव कभी कम नहीं होता। यह परंपरा हमारी संस्कारिता की पहचान है। परंतु, इस सिक्के का दूसरा पहलू एक इतनी काली, कुरुप और हृदयविदारक वास्तविकता छुपाए हुए है जो हमें अंदर से झकझोर देती है और हमारी इन तमाम नकली संस्कृति की पोल खोल देती है।



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

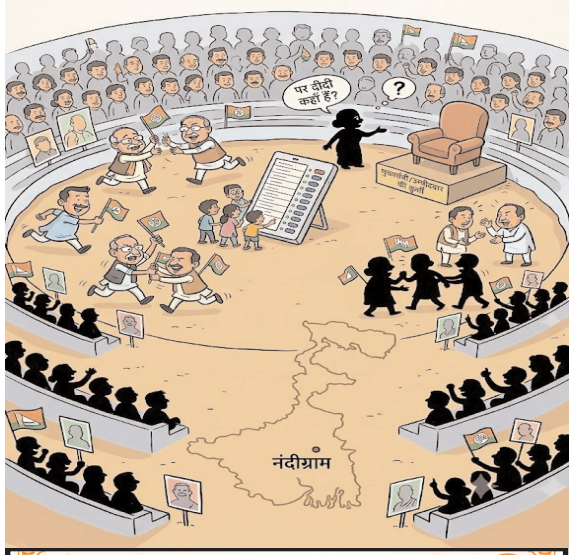
जिस देश में मृत पूर्वजों की तस्वीरों के आगे अगरबत्ती जलाकर श्राद्ध करने की परंपरा अटल है, उसी देश और समाज में जीते-जागते, साँस लेते और हँसते-खेलते माता-पिता के लिए वृद्धाश्रमों की कतारें लगना और उनका भर जाना हमारे पूरे समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक, नीच और डूब मरने जैसी बात है। कहाँ गई हमारी वह संस्कृति? कहाँ गए वे संस्कार? क्या हमारे लिए माता-पिता का मूल्य केवल उनके निधन के बाद ही समझ आता है? जीते-जी जो माता-पिता दो वक्त की रोटी, एक मीठे शब्द और थोड़े से प्यार के लिए तरसते हों, उन्हें घर से निकाल कर अजानें लोगों के बीच वृद्धाश्रम में सड़ने के लिए छोड़ आने वाली संतानों को किस मुँह से पूर्वजों के पीछे श्राद्ध करने का हक मिलता है?

आज की आधुनिक और पश्चिमी दौड़ में अंधे बने समाज ने बुनियादी मानवीय मूल्यों को तिलांजलि दे दी है। जिन माता-पिता ने अपने शरीर के पसीने को खून बनाकर, रातों की नींद बिगाड़कर और अपने शौक का बलिदान देकर संतानों को पढ़ाया, बड़ा किया, विदेश भेजा या बड़े अधिकारी बनाए, वही संतानें जब पैरों पर खड़ी हो जाती हैं, तब वे ही माता-पिता उन्हें अपनी प्रगति में बाधा लगने लगते हैं। पत्नी के वहम या मॉडर्न लाइफस्टाइल के नाम पर माता-पिता को घर से बेदखल करते या उन्हें मानसिक यातनाएं देते वक्त जरा भी शर्म नहीं आती? जिस घर में गाड़ियाँ खरीदने के लिए लाखों रुपए का धुआँ उड़ाया जाता है, उसी घर में बूढ़े माता-पिता की दवाओं का खर्च या उनकी दो वक्त की रोटी का खर्च बोझ बन जाता है।

वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या इस बात की जीवंत गवाही देती है कि हमारी सामाजिक चेतना मर चुकी है और हम संवेदनहीन मशीन बन चुके हैं। फोटो फ्रेम में हँसते पूर्वजों को फूलमाला चढ़ाने या ढोल-नगाड़ों के साथ श्राद्ध के नाम पर नाटक करके आँसू बहाने की तुलना में, यदि जीवित माता-पिता के चरणों में सेवा अर्पित न की जाए तो वे तमाम धार्मिक क्रियाएं केवल पाखंड और दिखावा बनकर रह जाती हैं। भगवान भी ऐसी संतानों की पूजा कभी स्वीकार नहीं करते जो अपने जीते-जी देवता जैसे माता-पिता को दर-दर भटकने के लिए छोड़ देते हैं।

महानागर मेट्रो न्यूज़ पेपर के माध्यम से हमारा यह सीधा संदेश प्रत्येक पाठक, युवा और समाज तक पहुँचाने का उद्देश्य है कि अब आत्ममंथन करने का समय आ गया है। हमारे घर के बुजुर्ग कोई बेकार वस्तु नहीं हैं, बल्कि हमारे घर के जीवंत संस्कार और आशीर्वाद के अखंड दीपक हैं। यदि हम आज अपने माता-पिता को खुश और सुरक्षित नहीं रख पाएँगे, तो कल हमारी आने वाली पीढ़ी हमें भी उसी वृद्धाश्रम के दरवाजे पर धकेल देगी जिसकी शुरुआत आज हम कर रहे हैं। आइए, आज के इस पवित्र दिन इस कलंक को मिटाने का संकल्प लें और कभी किसी माता-पिता को घर छोड़ने की नौबत न आए ऐसा माहौल अपने परिवार में बनाएँ। क्योंकि सच्चा श्राद्ध मृत्यु के बाद नहीं, बल्कि जीते-जी माता-पिता की सेवा करने में ही निहित है।

नंदीग्राम में फिर सियासी दंगल, इस बार दीदी मैदान से बाहर!



18 मांगों को लेकर राजस्व कर्मचारियों ने खोला मोर्चा, गांधीनगर कलेक्ट्रेट में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, चुनाव और आपात सेवाओं से जुड़े काम रहेंगे जारी

गांधीनगर। राज्य राजस्व कर्मचारी महामंडल की ओर से विभिन्न लंबित मांगों को लेकर घोषित अनिश्चितकालीन हड़ताल का असर गांधीनगर जिले में भी दिखाई देने लगा है। राज्यव्यापी आह्वान के बाद गांधीनगर जिले के राजस्व कर्मचारियों ने भी आंदोलन का समर्थन करते हुए हड़ताल शुरू कर दी है। गांधीनगर कलेक्ट्रेट कार्यालय के कर्मचारियों ने महामंडल के आदेश का पालन करते हुए आंदोलन में शामिल होने की जानकारी दी है। कर्मचारियों की ओर से अपनी मांगों को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन भी सौंपा गया।

राजस्व कर्मचारियों के अनुसार उनकी कई महत्वपूर्ण मांगें लंबे समय से लंबित हैं। इनका समाधान नहीं होने के कारण कर्मचारियों में असंतोष है। आंदोलन में राजस्व तलाटियों का जॉब चार्ट, वर्ष 2012 बैच की वरिष्ठता सूची और उससे जुड़े पदोन्नति के मामले प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके अलावा अन्य वरिष्ठता सूचियों और पदोन्नति से संबंधित मुद्दों को भी कर्मचारियों ने सरकार के सामने रखा है। महामंडल के अनुसार सरकार के समक्ष कुल 18 अलग-अलग मांगें रखी गई हैं।

गांधीनगर जिले के राजस्व तलाटी विजयराजसिंह नरेंद्रसिंह जडेजा ने बताया कि जिले में राज्य महामंडल के आदेश का पालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गांधीनगर जिला भी राज्य स्तर पर घोषित अनिश्चितकालीन हड़ताल का पूरा समर्थन कर रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक लंबित मांगों को लेकर उचित समाधान नहीं निकलता, तब तक आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया गया है।

हालांकि, हड़ताल के दौरान नगर निगम के आम चुनाव से जुड़े काम को अलग रखा गया है। गांधीनगर में चुनाव प्रक्रिया से संबंधित जिम्मेदारियां जारी रहेंगी, ताकि चुनावी कार्य प्रभावित न हो। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि चुनाव से जुड़े आवश्यक कार्यों में सहयोग किया जाएगा। इसी तरह आपातकालीन सेवाओं को भी हड़ताल के दायरे से बाहर रखा गया है। कर्मचारियों के आंदोलन में जॉब चार्ट और पदोन्नति के मुद्दे सबसे अहम बताए जा रहे हैं। राजस्व कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से वरिष्ठता सूची और पदोन्नति से जुड़े मामलों का समाधान नहीं होने के कारण कर्मचारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 2012 बैच की वरिष्ठता सूची और पदोन्नति के साथ-साथ दूसरी वरिष्ठता सूचियों से जुड़े मामलों को लेकर भी कर्मचारियों की ओर से समाधान की मांग की जा रही है।

राजस्व कर्मचारी महामंडल की ओर से सरकार के सामने 18 मुद्दे रखे जाने के बाद राज्यभर में आंदोलन शुरू हुआ है। गांधीनगर के कर्मचारियों ने भी इस आंदोलन में शामिल होकर



अपनी मांगों के समर्थन में आवाज उठाई है। कर्मचारियों का कहना है कि वे चुनाव और आपात सेवाओं से जुड़े आवश्यक कार्यों में अपना सहयोग जारी रखते हुए बाकी कार्यों को लेकर महामंडल के आंदोलन का समर्थन करेंगे। अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू होने के बाद अब कर्मचारियों की नजर सरकार की ओर से उठाए जाने वाले कदम पर है। कर्मचारी लंबित मांगों के समाधान की उम्मीद कर रहे हैं। यदि सरकार और कर्मचारी संगठनों के बीच जल्द सहमति नहीं बनती है तो आंदोलन आगे भी जारी रह सकता है। गांधीनगर में राजस्व कर्मचारियों की हड़ताल के चलते अब सरकार पर इन 18 लंबित मांगों को लेकर समाधान निकालने का दबाव बढ़ गया है।

चार राज्यों की छह सीटों पर उपचुनाव, बंगाल की नंदीग्राम सीट पर सबसे ज्यादा नजर; ममता के बिना पहली बार चुनावी परीक्षा

कोलकाता। देश के चार राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में छह सीटों पर उपचुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज है। पश्चिम बंगाल की दो विधानसभा सीटों नंदीग्राम और रेजीनगर के अलावा तमिलनाडु की दो विधानसभा सीटों, पुडुचेरी की एक विधानसभा सीट और असम की एक लोकसभा सीट पर मतदान होगा। सभी सीटों के नतीजे 9 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। इनमें पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम सीट पर होने वाला चुनाव सबसे ज्यादा चर्चा में है। इसकी वजह सीट का राजनीतिक इतिहास और इस बार चुनावी मैदान में ममता बनर्जी की गैरमौजूदगी है। करीब 15 साल में यह पहली बार है जब पश्चिम बंगाल में ऐसा चुनावी समीकरण देखने को मिल रहा है, जिसमें ममता बनर्जी न तो मुख्यमंत्री हैं, न विधायक और न ही किसी सीट से उम्मीदवार। मई में हुए विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई थी। ममता बनर्जी को भी अपने विधानसभा क्षेत्र में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से बंगाल की राजनीति में नंदीग्राम एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। नंदीग्राम को लेकर पहले यह चर्चा थी कि ममता बनर्जी उपचुनाव में खुद मैदान में उतर सकती हैं। हालांकि तृणमूल कांग्रेस ने बाद में संचिता प्रधान को उम्मीदवार बनाया। लेकिन संचिता प्रधान के चुनाव से पीछे हटने और नामांकन वापस लेने के बाद तृणमूल कांग्रेस के पास इस सीट पर अपना उम्मीदवार नहीं रहा। इसके बाद कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को समर्थन देने की स्थिति बनी। मिलन प्रधान को पुराने मामले में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। फिलहाल वे जमानत पर हैं। भाजपा ने नंदीग्राम से चंद्रनाथ रथ की मां को उम्मीदवार बनाया है। चंद्रनाथ रथ मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी और उनके निजी सहायक रहे थे। 6 मई 2026 को उनकी हत्या कर दी गई थी। ऐसे में भाजपा के उम्मीदवार चयन ने भी नंदीग्राम के चुनाव को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बना दिया है।

नंदीग्राम की राजनीति का इतिहास भी काफी अहम रहा है। 2007 में भूमि अधिग्रहण के विरोध में हुए आंदोलन ने ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस की राजनीति को मजबूत करने में बड़ी भूमिका निभाई थी। इसी आंदोलन के बाद 2011 में तृणमूल कांग्रेस ने राज्य की सत्ता में पहुंच बनाई। इसके बाद नंदीग्राम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच संघर्ष का प्रमुख केंद्र बन गया।

2021 का विधानसभा चुनाव भी नंदीग्राम के राजनीतिक इतिहास में महत्वपूर्ण रहा। उस चुनाव में ममता बनर्जी ने खुद नंदीग्राम से चुनाव लड़ा था। उनके सामने मौजूदा मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भाजपा के उम्मीदवार के तौर पर मैदान में थे। शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को चुनाव में हरा दिया था। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक मुकाबला बंगाल की राजनीति में लगातार चर्चा का विषय बना रहा।

2026 के विधानसभा चुनाव में शुभेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम के साथ भवानीपुर सीट से भी चुनाव लड़ा और दोनों सीटों पर जीत दर्ज की। भवानीपुर में उन्होंने ममता बनर्जी को 15,105 वोटों से हराया। शुभेंदु अधिकारी को 73,917 वोट मिले, जबकि ममता बनर्जी को 58,812 वोट प्राप्त हुए। अब नंदीग्राम के उपचुनाव में ममता बनर्जी खुद मैदान में नहीं हैं, लेकिन उनके उम्मीदवार के नामांकन वापस लेने के बाद कांग्रेस प्रत्याशी को समर्थन की स्थिति ने मुकाबले को फिर चर्चा में ला दिया है।

रेजीनगर में भी कई दलों के उम्मीदवार मैदान में

पश्चिम बंगाल की दूसरी विधानसभा सीट रेजीनगर में भी मुकाबला कई दलों के बीच है। यहां भाजपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस के दोनों धड़ों, सीपीआई-एम और हुमायूं कबीर की पार्टी जनता उन्नयन पार्टी के उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। रेजीनगर मुस्लिम बहुल विधानसभा क्षेत्र है। भाजपा के शंकराव सरकार को छोड़कर प्रमुख उम्मीदवार मुस्लिम समुदाय से हैं।

कांग्रेस ने यहां मोहम्मद अब्दुल्लाहिल काफी को उम्मीदवार बनाया है। तृणमूल कांग्रेस की ओर से रबीउल आलम चौधरी मैदान में हैं, जबकि जनता उन्नयन पार्टी ने हुमायूं कबीर के बेटे गोलाम नबी आजाद को उम्मीदवार बनाया है। सीपीआई-एम ने भी अपना उम्मीदवार उतारा है। कई दलों और प्रमुख चेहरों के मैदान में होने के कारण रेजीनगर में मुकाबला बहुकोणीय हो गया है।

हुमायूं कबीर ने चुनाव प्रचार के दौरान पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना था कि पुलिस उनके कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर रही है और चुनाव प्रचार में बाधा डाली जा रही है। उन्होंने इन आरोपों को लेकर चुनाव आयोग से



शिकायत भी की। हुमायूं कबीर ने पुलिस उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए खुद को चुनाव प्रचार से अलग कर लिया और कहा कि ऐसे माहौल में वे प्रचार नहीं कर सकते।

नंदीग्राम और रेजीनगर के अलावा तमिलनाडु की दो विधानसभा सीटों और पुडुचेरी की एक विधानसभा सीट पर भी उपचुनाव हो रहा है। असम में एक लोकसभा सीट पर मतदान होगा। चारों राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश की इन छह सीटों के परिणाम 9 अक्टूबर को सामने आएंगे। पश्चिम बंगाल की दोनों सीटों के परिणाम खास तौर पर महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं, क्योंकि नंदीग्राम का मुकाबला राज्य की पिछली कई चुनावी लड़ाइयों की राजनीतिक पृष्ठभूमि से जुड़ा है, जबकि रेजीनगर में कई दलों के आमने-सामने होने से मुकाबला बहुकोणीय बना हुआ है। अब इन सीटों के परिणाम से यह साफ होगा कि उपचुनाव के बाद संबंधित क्षेत्रों में राजनीतिक समीकरण किस दिशा में आगे बढ़ते हैं।

नीट पेपरलीक कांड के खिलाफ शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग के साथ भूख हड़ताल पर बैठीं नेहा बोरा बनीं लाखों युवाओं की आवाज

यूनिवर्सिटी के क्लासरूम से लेकर युवा आंदोलन के सुलगते मोर्चे तक की अद्भुत सफर

देश के लाखों मेधावी विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले पेपरलीक घोटालों और भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ अब देश का युवा चुप बैठने के बजाय सड़कों पर उतरकर आर-पार की लड़ाई लड़ने के लिए मजबूर हो गया है। इसी देशव्यापी युवा क्रांति के प्रतीक समान और वर्तमान में पूरे देश का राजनीतिक और सामाजिक ध्यान खींचने वाला एकमात्र चेहरा यानी नेहा बोरा। सामान्य यूनिवर्सिटी परिसर से विद्यार्थियों के अधिकारों और न्याय की लड़ाई लड़ते-लड़ते नेहा बोरा आज देश के युवाओं के आंदोलन के सबसे शक्तिशाली और प्रभावशाली मोर्चे की लीडर के रूप में स्थापित हो चुकी हैं। पूरे देश में आक्रोश की आग भड़काने वाली नीट पेपरलीक और परीक्षा प्रणाली की घोर लापरवाही के खिलाफ जुलाई 2026 के दौरान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा एक अत्यंत उग्र और अभूतपूर्व विरोध आंदोलन छेड़ा गया था। इस महासंग्राम का मुख्य उद्देश्य देश के तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के तत्काल इस्तीफे की मांग करना था, ताकि पेपरलीक माफियाओं को संरक्षण देने वाली व्यवस्था का पर्दाफाश किया जा सके। इस भीषण आंदोलन में नेहा बोरा अपने साथियों के साथ सबसे आगे कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहीं और सत्ताधीशों की नींद हराम कर दी थी। प्रशासनिक तंत्र की लापरवाही और बहरे कानों तक अपनी बात पहुँचाने के लिए नेहा बोरा ने अपने साथियों के साथ लंबे समय तक अन्न का त्याग करके दृढ़ भूख हड़ताल का घातक हथियार उठाया था। कड़कती धूप हो या पुलिस प्रशासन का भारी दबाव तथा धमकियां, युवाओं के भविष्य के लिए अडिग रहकर उन्होंने साबित कर दिया कि सच्चे इरादों और खून के जोश के सामने सत्ता की ताकत भी घुटने टेकने को मजबूर हो जाती है। उनकी यह लड़ाई केवल एक मंत्री के इस्तीफे तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह देश के प्रत्येक बेरोजगार, मेहनतकश और शोषित विद्यार्थी के स्वाभिमान की लड़ाई थी। महानगर मेट्रो न्यूज़ पेपर के पाठकों के लिए यह गाथा इस बात का यकीन दिलाती है कि जब-जब देश में अन्याय, भ्रष्टाचार और तानाशाही की अति होती है, तब-तब युवा शक्ति ही क्रांति का नया शंखनाद करती है। नेहा बोरा की यह निरंतर संघर्ष यात्रा साबित करती है कि सच्चा नेता वही है जो संकट के



समय में भी बिना डरे जनता के साथ चट्टान की तरह खड़ा रहे।

डिजिटल इंडिया के बड़े-बड़े दावों के बीच नर्मदा के पंद्रह गांव अंधेरे में, बिना नेटवर्क के पढ़ाई और रोज़मर्रा की ज़िंदगी मुश्किल, प्रशासन की बड़ी लापरवाही के खिलाफ गुस्सा

स्कूलों में स्मार्ट और डिजिटल क्लासरूम धूल फांक रहे हैं, इंटरनेट न होने से स्टूडेंट्स का भविष्य खराब हो गया है

देश भर में डिजिटल क्रांति, ऑनलाइन सर्विस और हाई-स्पीड इंटरनेट नेटवर्क की तारीफ़ करने वाले विज्ञापनों के बीच, गुजरात के नर्मदा ज़िले के दूर-दराज़ के इलाकों से एक कड़वी सच्चाई सामने आई है, जो सरकार और प्रशासन के विकास के दावों की हवा निकालती है। नर्मदा ज़िले के पिछड़े और दूर-दराज़ के पंद्रह गांवों में इक्कीसवीं सदी में भी मोबाइल कनेक्टिविटी या नेटवर्क नाम की कोई सुविधा नहीं है। आज के ज़माने में जहां पूरी दुनिया हमारी उंगलियों पर है, वहीं इन गांवों के लोग एक छोटा सा कॉल करने के लिए भी जूझ रहे हैं। इस अमानवीय और पिछड़े हालात का सबसे बड़ा शिकार इन गांवों के मासूम बच्चे और उनकी पढ़ाई-लिखाई हो रही है। सरकार ने स्कूलों में डिजिटल क्लासरूम और स्मार्ट स्क्रीन तो बड़े गर्व से बनवा दिए हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत यह है कि वहां नेटवर्क या इंटरनेट का नामोनिशान नहीं है। एक सेकंड के लिए भी इंटरनेट कनेक्टिविटी न होने की वजह से करोड़ों रुपये की लागत से बने ये डिजिटल क्लासरूम सिर्फ़ चार दीवारों के बीच सजावट की चीज़ बनकर रह गए हैं। टीचरों के पास पढ़ाने के लिए मॉडर्न इक्विपमेंट तो हैं, लेकिन इंटरनेट के बिना वे बेबस हो गए हैं और स्टूडेंट्स का भविष्य अंधेरे की ओर धकेला जा रहा है। सिर्फ पढ़ाई-लिखाई ही नहीं, बल्कि रोज़मर्रा की ज़िंदगी की बेसिक ज़रूरतें भी इन गांवों के लोगों के लिए सिरदर्द बन गई हैं। डिजिटल इंडिया के ज़माने में सरकारी मदद लेने, बैंक से पैसे निकालने या कोई भी छोटा-बड़ा ऑनलाइन काम करने के लिए, गांव वालों को अपने घर-खेत छोड़कर किलोमीटरों दूर ऊंची पहाड़ियों या दूसरे गांवों में भागना पड़ता है जहां नेटवर्क कवरेज मिलता है। जब कोई गंभीर इमरजेंसी या बीमारी आ जाती है, तो उन्हें एम्बुलेंस या पुलिस को बुलाने के लिए भी नेटवर्क ढूंढने के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है, जिससे अक्सर उनकी जान खतरे में पड़ जाती है। इन गांवों के लोगों का सवाल है कि क्या डिजिटल सुविधाएं सिर्फ़ बड़े शहरों और नेताओं के बंगलों तक ही सीमित हैं? क्या दूर-दराज के आदिवासी इलाकों के लोगों को मॉडर्न सुविधाएं पाने का कोई हक़ नहीं है? पाक्को गुजरात अख़बार के ज़रिए हमारी सीधी आवाज़ और सवाल यह है कि सरकार और ज़िम्मेदार टेलीकॉम मिनिस्ट्री तक यह बात पहुंचाई जाए ताकि इन पंद्रह गांवों में तुरंत मोबाइल टावर लगाए जाएं और इंटरनेट कनेक्टिविटी दी जाए। गांव वालों ने यह भी धमकी दी है कि अगर इस मामले में जल्द से जल्द कोई कार्रवाई नहीं हुई तो वे ज़ोरदार आंदोलन करेंगे।

(गुरुवार) 8 अक्टूबर 2026

मेष — आज कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा, रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे और आर्थिक लाभ का नया अवसर मिल सकता है।

वृषभ — परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी, कामकाज में सफलता मिलेगी और किसी पुराने प्रयास का सकारात्मक परिणाम आपके पक्ष में आ सकता है

मिथुन — आज आत्मविश्वास बढ़ेगा, नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं और व्यापार या नौकरी में आगे बढ़ने के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे

कर्क — आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे तो सफलता मिलेगी, आर्थिक लाभ के अवसर बनेंगे और कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत होगी

सिंह — धन संबंधी मामलों में सावधानी के साथ सफलता मिलेगी, परिवार का सहयोग रहेगा और कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी

कन्या — भाग्य का पूरा साथ मिलेगा, नई योजनाओं में सफलता के संकेत हैं और परिवार के साथ कोई सुखद समाचार मिल सकता है

तुला — आज महत्वपूर्ण फैसले लेने के लिए दिन अनुकूल है, नौकरी-व्यवसाय में प्रगति के साथ मान-सम्मान बढ़ने के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक — आज मेहनत और धैर्य का अच्छा फल मिलेगा, नौकरी-व्यवसाय में तरक्की के अवसर आएंगे और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा

धनु — मेहनत से रुके हुए कार्य पूरे होंगे, आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात भविष्य में लाभ दे सकती है

मकर — नए अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं, महत्वपूर्ण काम में सफलता मिलेगी और किसी पुराने संपर्क से आपको विशेष लाभ मिल सकता है

कुंभ — आज कामकाज में नई संभावनाएं सामने आएंगी, परिवार में खुशी रहेगी और लंबे समय से अटका कोई जरूरी काम पूरा हो सकता है।

मीन — दिन सकारात्मक रहेगा, काम में सफलता के साथ आर्थिक लाभ होगा और परिवार के किसी सदस्य से मिली अच्छी खबर मन प्रसन्न कर देगी

मंडला में गणेश पंडाल में बड़ा हादसा, करंट फैलने से 4 की मौत, 2 घायल



महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। मंडला में गणेश पंडाल में करंट फैलने से बड़ा हादसा हो गया. इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई. वहीं, 2 लोग घायल हुए हैं. इनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है.घटना नैनपुर थाना क्षेत्र के हीरापुर गांव की है. बताया जा रहा है कि गणेश विसर्जन के बाद कुछ लोग गणेश पंडाल के मंच पर सो रहे थे. इसी दौरान अचानक पंडाल में करंट फैल गया. घटनास्थल पर मौजूद लोग इसकी चपेट में आ गए.

शॉर्ट सर्किट या तार टूटने से हादसे की आशंका

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, करंट फैलने की वजह शॉर्ट सर्किट या बिजली का तार टूटना हो सकती है. हालांकि, घटना की सही वजह अभी स्पष्ट नहीं है. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची. अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया. घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया.मंडला के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा ने मोबाइल फोन पर घटना की पुष्टि की है. उन्होंने बताया कि गणेश पंडाल में करंट फैलने से चार लोगों की मौत हुई है. दो लोग घायल हुए हैं. इनमें से एक की हालत गंभीर है. पुलिस और प्रशासन की ओर से घटना की जानकारी जुटाई जा रही है. करंट कैसे फैला, इसकी जांच की जा रही है. हादसे के बाद गांव में भी शोक माहौल है

सीएम मोहन यादव को जान से मारने की धमकी, डायल-112 के व्हाट्सएप नंबर पर आया था मैसेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। डायल-112 के व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर पर एक व्यक्ति ने धमकी भरा मैसेज भेजा था, जिसे बाद में डिलीट भी कर दिया गया था। क्राइम ब्रांच ने तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी को मुंबई से दबोच लिया है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जान से मारने की धमकी मिली है। बुधवार को भोपाल के भदभदा स्थित रेडियो मुख्यालय में डायल-112 के हेल्पलाइन व्हाट्सएप नंबर पर एक व्यक्ति ने मुख्यमंत्री को जान से खत्म करने की धमकी वाला संदेश भेजा था। इस घटना के बाद से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था।जानकारी के मुताबिक, 23 सितंबर की सुबह करीब 11.30 बजे डायल-112 के आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर पर एक धमकी भरा संदेश प्राप्त हुआ। संदेश भेजने वाले ने मुख्यमंत्री मोहन यादव का नाम लिखकर उन्हें जान से मारने की बात कही और लिखा कि वे ज्यादा दिन तक नहीं बच पाएंगे। इतना ही नहीं, आरोपी ने मैसेज भेजने के बाद उसमें कुछ और बातें जोड़ीं और बाद में उस संदेश को एडिट कर डिलीट भी कर दिया। हालांकि, सतर्क पुलिसकर्मियों ने समय रहते इसका स्क्रीनशॉट सुरक्षित रख लिया था।क्राइम ब्रांच ने मुंबई से दबोचा आरोपीसंदेश देखने के बाद डायल-112 के कर्मचारियों ने तुरंत इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी। रेडियो मुख्यालय की तरफ से भोपाल पुलिस को इसकी आधिकारिक शिकायत दी गई। मामला क्राइम ब्रांच के पास पहुंचने के बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए प्रकरण दर्ज किया। क्राइम ब्रांच ने व्हाट्सएप नंबर की तकनीकी जांच शुरू की तो आरोपी की लोकेशन महाराष्ट्र के मुंबई में मिली। इसके बाद पुलिस की एक विशेष टीम तुरंत मुंबई रवाना हुई और शुक्रवार को आरोपी को धर दबोचा। पुलिस के पास आरोपी के खिलाफ स्क्रीनशॉट और पुख्ता डिजिटल साक्ष्य मौजूद हैं।



आर्मी से रिटायर्ड हवलदार ने 7 महीने की गर्भवती से किया दुष्कर्म, ग्रामीणों में फूटा गुस्सा

तनाव के बाद अतिरिक्त पुलिस बल तैनात



महानगर मेट्रो ब्यूरो

खरगोन। जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र में सात महीने की एक गर्भवती महिला के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सेना से सेवानिवृत्त (रिटायर्ड) हवलदार को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना के सामने आने के बाद से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

घर में घुसकर की गई हैवानियत

भीकनगांव के एसडीओपी केतन अड़लक ने जानकारी देते हुए बताया कि पीड़ित महिला वर्तमान में अपने मायके में रह रही थी। आरोप है कि शुक्रवार रात करीब 11 बजे आरोपी माल सिंह रंधावे, जो सेना से हवलदार के पद से रिटायर्ड है, चुपचाप महिला के घर में घुसा और उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी ने महिला को जान से मारने की धमकी भी दी। हालांकि, डरी-सहमी महिला ने हिम्मत जुटाकर तुरंत अपने परिजनों को पूरी बात बताई, जिसके बाद परिजनों के साथ थाने पहुंचकर मामला दर्ज कराया गया। महिला की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी माल सिंह रंधावे को शुक्रवार शाम को ही गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी सेना से रिटायर्ड हवलदार है। उसे शनिवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। केतन अड़लक, एसडीओपी, भीकनगांव घटना की जानकारी जैसे ही ग्रामीणों को मिली, बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है। बढ़ते तनाव को देखते हुए चैनपुर थाना प्रभारी गणपत कनेल तुरंत भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सूझबूझ दिखाते हुए ग्रामीणों को समझाइश दी और स्थिति को नियंत्रण में लिया। एहतियात के तौर पर पूरे इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे।

सिसकती जिंदगी और गांव में दहशत... आजमगढ़ कांड के बाद 6 बच्चियों और 2 महिलाओं ने छोड़ा घर! बिखरते परिवार की कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आजमगढ। आजमगढ़ के शंभूपुर गांव में एक परिवार से जुड़ी पांच मौतों के बाद अब पीछे बची जिंदगी डर और अनिश्चितता के बीच गुजर रही है. परिवार की दो महिलाएं और छह बच्चियां गांव छोड़कर सुलतानपुर में रिश्तेदार के यहां रहने को मजबूर हैं. जिस घर में कभी परिवार रहता था, उस पर पुलिस का ताला लगा है. पूरा परिवार अपने गांव से डरकर दूर रह रहा है.उत्तरप्रदेश के आजमगढ़ का एक घर... जहां कभी बच्चों की आवाजें आती थीं. लोग आते-जाते थे. परिवार के लोग साथ बैठते थे. लेकिन अब उसी घर के दरवाजे पर पुलिस का ताला लगा है. घर के अंदर जाने की इजाजत नहीं है. जो लोग उस घर में रहते थे, वो अब अपने गांव से दूर रिश्तेदार के यहां रह रहे हैं.ये कहानी आजमगढ़ के शंभूपुर गांव की है. एक ऐसी घटना के बाद, जिसमें एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई. अब परिवार में दो महिलाएं और छह बच्चियां बची हैं. ये सभी सुलतानपुर के महमूदपुर गांव में रिश्तेदारों के यहां रहने को मजबूर हैं. इन बच्चियों के सामने अब पढ़ाई से लेकर पेट पालने तक के सवाल हैं. महिलाओं के सामने जिंदगी दोबारा खड़ी करने की चुनौती है. और पूरे परिवार के मन में एक डर बैठा हुआ है.कुछ दिन पहले शंभूपुर गांव में एक घर में पूजा-पाठ चल रहा था. परिवार के मुताबिक, गृह शांति के लिए पुरोहितों को बुलाया गया था. इसके बाद जो हुआ, उसने पूरे इलाके को हिला दिया. पुलिस की जांच के मुताबिक, अरविंद सिंह पर अपनी पत्नी और घर में पूजा कराने आए दो पुरोहितों की हत्या का आरोप लगा. आरोप यह भी है कि उसने अपने एक बेटे की भी हत्या कर दी. इसके बाद पुलिस कार्रवाई में अरविंद सिंह की भी मौत हो गई. यानी एक ही परिवार और उससे जुड़ी इस घटना में कुल पांच लोगों की जान चली गई. अब उसी घर में पुलिस का ताला लगा है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. इसलिए घर के कमरों को सील किया गया है. परिवार के जो लोग बचे हैं, वो वहां नहीं रह रहे. लेकिन सिर्फ पुलिस का ताला ही वजह नहीं है. परिवार कहता है कि उन्हें डर भी लग रहा है.अब जरा उस परिवार की तरफ लौटिए, जो इस घटना के बाद बचा है. दो महिलाएं हैं, अब जिनके पति नहीं हैं, छह बच्चियां हैं, जिनके सामने पूरी जिंदगी पड़ी है. लेकिन जिस घर में उन्हें रहना था, वहां जाना मुश्किल है. इसलिए ये लोग सुलतानपुर के गांव पहुंच गए हैं. यहां रिश्तेदार के घर फिलहाल उनका ठिकाना है. रिश्तेदारों के यहां रहना किसी भी परिवार के लिए कुछ दिन की बात हो सकती है. लेकिन इन लोगों के सामने सवाल लंबा है. कब तक रहेंगे? बच्चियों की पढ़ाई कैसे चलेगी? घर का खर्च कैसे चलेगा? और एक सवाल- वापस अपने गांव जाएंगे तो क्या सुरक्षित रहेंगे?इस डर की कहानी आज की नहीं है



परिवार के लोग कहते हैं कि शंभूपुर में डर की कहानी कई साल पुरानी है. साल 2018 में सुनील सिंह उर्फ गुड्डू सिंह की हत्या कर दी गई थी. परिवार के मुताबिक, गुड्डू सिंह को उनके पट्टीदारों ने एक निमंत्रण में जाने के दौरान मार दिया था. इस मामले में आरोपी जेल गए. लेकिन परिवार का कहना है कि बाद में आरोपी जमानत पर बाहर

तेज रफ्तार से आ रही बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी, चाचा और 5 साल के भतीजे की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। मऊ के दोहरीघाट-आजमगढ़ मार्ग पर तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में बाइक सवार चाचा और पांच वर्षीय भतीजे की मौत हो गई। उत्तरप्रदेश के मऊ के दोहरीघाट-आजमगढ़ मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार बाइक के ट्रक से टकराने से चाचा और पांच वर्षीय भतीजे की मौत हो गई। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। एक साथ चाचा-भतीजे की मौत की खबर जैसे ही परिजनों तक पहुंची, घर में चीख-पुकार मच गई।बताया जा रहा है कि दोहरीघाट कस्बे के पास पेट्रोल पंप के सामने तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में बाइक सवार चाचा और पांच वर्षीय भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां देर रात उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई।

देर शाम दोनों बाइक से लौट रहे थे

दोहरीघाट कस्बे के वार्ड नंबर एक खटीक टोला निवासी 30 वर्षीय आयुष चौहान पुत्र डॉ. घूरभारी चौहान शुक्रवार को अपने पांच वर्षीय भतीजे कुनाल चौहान पुत्र डॉ. मोतीचंद चौहान को लेकर नई बाजार की तरफ गया था। देर शाम दोनों बाइक से दोहरीघाट लौट रहे थे। आजमगढ़ मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास पहुंचते ही बाइक अनियंत्रित हो गई।



बाइक की रफ्तार काफी तेज थी

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बाइक की रफ्तार काफी तेज थी। अचानक अनियंत्रित हुई बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आयुष और कुनाल गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। आसपास के लोगों ने तत्काल दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने दोनों को बचाने का प्रयास किया, लेकिन उनकी हालत गंभीर बनी रही। देर रात उपचार के दौरान चाचा आयुष चौहान और पांच वर्षीय भतीजे कुनाल चौहान की मौत हो गई।

पोस्टमार्टम कराने से इनकार

शनिवार सुबह सूचना मिलने पर पुलिस टीम मृतकों के घर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी शुरू की। हालांकि परिजनों ने शवों का पोस्टमार्टम कराने से साफ इनकार कर दिया। पुलिस टीम देर तक परिजनों को समझाने में लगी रही। थानाध्यक्ष रामायण सिंह ने बताया कि मार्ग दुर्घटना में चाचा-भतीजे की मौत हुई है। परिजन पोस्टमार्टम कराने से मना कर रहे हैं। उन्हें समझाया जा रहा है।हालांकि परिजनों ने शवों का पोस्टमार्टम कराने से साफ इनकार कर दिया। पुलिस टीम देर तक परिजनों को समझाने में लगी रही। थानाध्यक्ष रामायण सिंह ने बताया कि मार्ग दुर्घटना में चाचा-भतीजे की मौत हुई है। परिजन पोस्टमार्टम कराने से मना कर रहे हैं।

करोड़ों की जमीन के लालच में भतीजे ने की धर्मवीर सोलंकी की हत्या, सिलबट्टे से पीट-पीटकर बेरहमी से मार डाला था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा । केथाना अछनेरा के सहाई गांव में धर्मवीर सोलंकी की हत्या उनके भतीजे दुष्यंत ने की थी और इसमें उसका साथी शिवम भी शामिल था। दुष्यंत ने चाचा के पैसे और जमीन पर कब्जा पाने के लिए हत्या की योजना बनाई। बताया जा रहा है कि करोड़ों की जमीन के लालच में आकर भतीजे ने अपने चाचा धर्मवीर सोलंकी की सिलबट्टे से पीट-पीटकर बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। शुक्रवार सुबह को धर्मवीर सोलंकी का शव बरामद हुआ था।45 वर्षीय धर्मवीर सोलंकी साधु बन चुके थे। उन्होंने कुछ समय पहले अपने हिस्से की जमीन बेची थी। इसके बावजूद भी उसके पास तीन बीघे से अधिक जमीन शेष थी। जिसकी कीमत करोड़ों में थी। भतीजे दुष्यंत ने जमीन और चाचा की रकम हड़पने के लिए हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।धर्मवीर सोलंकी चार भाईयों में सबसे छोटे थे और अविवाहित थे। तीन भाई राजकुमार, वासुदेव और देशराज उनसे अलग रहते थे। परिजन ने बताया कि धर्मवीर सोलंकी अकेले रहते थे। वह रोजाना मंदिर में पूजा करने के बाद गांव की परिक्रमा करते थे। सुबह 6 बजे पशुओं को चारा डालते थे, लेकिन शुक्रवार सुबह वह कमरे से बाहर नहीं आए।एक अन्य भतीजे सौरभ सोलंकी ने बताया कि वह 9 बजे तक कमरे से बाहर नहीं आए तो उन्हें देखने के लिए गया। कई बार आवाज लगाई तो कोई जवाब नहीं आया। फोन मिलाया तो कमरे से मोबाइल फोन की घंटी की आवाज आ रही थी। उसे शक हुआ। कमरे का दरवाजा बाहर से बंद था। दरवाजा खोलकर देखा तो धर्मवीर सोलंकी का शव जमीन पर पड़ा हुआ था।उसे शक हुआ। कमरे का दरवाजा बाहर से बंद था। दरवाजा खोलकर देखा



'वोट चोरी' से जीता गया था 2023 मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव, असंभव था कमल नाथ का हारना: चुनाव आयोग पर भड़के नकुल नाथ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छिंदवाड़ा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और छिंदवाड़ा के पूर्व सांसद नकुल नाथ ने दावा किया है कि मध्य प्रदेश का 2023 का विधानसभा चुनाव 'वोट चोरी' के जरिए जीता गया था। उन्होंने राहुल गांधी की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो शेयर करते हुए कहा कि 2018 के मुकाबले 2023 में मतदाता सूची से फर्जी नाम हटाने की प्रक्रिया में गड़बड़ी की गई, जिससे चुनाव परिणाम प्रभावित हुए।मध्य प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर सियासी पारा चढ़ गया है। छिंदवाड़ा के पूर्व सांसद और कांग्रेस नेता नकुल नाथ ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो साझा करते हुए बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि 2023 का मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 'वोट चोरी' के दम पर जीता गया था और कमलनाथ का वह चुनाव हारना असंभव था।

2018 और 2023 की मतदाता सूची की तुलना

नकुल नाथ ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में साल 2018 की मतदाता सूची का हवाला दिया। उन्होंने दावा किया कि उस दौरान कांग्रेस की शिकायतों के बाद मध्य प्रदेश की वोटर लिस्ट से करीब 24 लाख फर्जी नाम हटाए गए थे। उपलब्ध आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार



भी 2018 में पुनरीक्षण के दौरान अनुपस्थित, मृत, स्थानांतरित और दोहराव वाली करीब 24 लाख प्रविष्टियों को हटाया गया था।कांग्रेस का आरोप है कि 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले भी इसी तरह की शिकायतें सामने आई थीं, लेकिन कथित फर्जी मतदाताओं के नाम उस स्तर पर नहीं हटाए गए, जिससे चुनाव परिणामों पर असर पड़ा। नकुल नाथ ने यह भी दावा किया कि चुनाव के बाद करीब 33 लाख फर्जी मतदाताओं का मामला सामने आया था, हालांकि ये आंकड़े कांग्रेस पार्टी और उनके नेताओं के दावों पर आधारित हैं।कमल नाथ जी का मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 हारना असंभव था। बड़े पैमाने पर वोट चोरी की शुरुआत मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 से हुई थी। नकुल नाथ, पूर्व सांसद एवं कांग्रेस नेता बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूचियों और चुनाव आयोग की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए थे। राहुल गांधी का दावा था कि उनकी तकनीकी टीम ने कुछ चुनावी नतीजों और वोटर लिस्ट की विसंगतियों को लेकर विश्लेषण किया है। कांग्रेस ने इस पूरी प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो अपने आधिकारिक मंचों पर भी साझा किया है, जिसे अब नकुल नाथ ने मध्य प्रदेश के संदर्भ में आगे बढ़ाया है। इन बयानों के बाद राज्य में राजनीतिक सरगर्मी एक बार फिर तेज हो गई है। लेकिन कथित फर्जी मतदाताओं के नाम उस स्तर पर नहीं हटाए गए, जिससे चुनाव परिणामों पर असर पड़ा। नकुल नाथ ने यह भी दावा किया कि चुनाव के बाद करीब 33 लाख फर्जी मतदाताओं का मामला सामने आया था, हालांकि ये आंकड़े कांग्रेस पार्टी और उनके नेताओं के दावों पर आधारित हैं।

बांदा: झाड़-फूंक के नाम पर 13 साल की बच्ची से रेप, 55 साल का तांत्रिक गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बांदा। बांदा में झाड़-फूंक के नाम पर 13 साल की बच्ची से कथित रेप का मामला सामने आया है. पुलिस ने 55 वर्षीय तांत्रिक परशुराम यादव को गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक नरैनी क्षेत्र की महिला अपनी बीमार बेटी को इलाज के लिए आरोपी के पास लेकर गई थी. आरोप है कि इसी दौरान तांत्रिक ने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया.बांदा में झाड़-फूंक के नाम पर 13 साल की बच्ची से कथित रेप का सनसनीखेज मामला सामने आया है. एक एजेंसी के मुताबिक पुलिस ने इस मामले में 55 वर्षीय तांत्रिक को गिरफ्तार किया है. आरोप है कि बच्ची की बीमारी ठीक करने के बहाने उसे अपने पास बुलाया गया और इलाज के दौरान उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया गया.पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान इतारा मिलाउली गांव निवासी परशुराम यादव के रूप में हुई है. बबेरू सर्किल ऑफिसर कृष्णकांत त्रिपाठी ने बताया कि आरोपी को शुक्रवार शाम पवारी गांव के पास से गिरफ्तार किया गया.



झाड़-फूंक के नाम पर किया रेप

बताया जा रहा है कि नरैनी क्षेत्र की एक महिला अपनी 13 वर्षीय बेटी की तबीयत खराब होने पर उसे झाड़-फूंक से इलाज कराने के लिए आरोपी के पास लेकर गई थी. पुलिस के अनुसार बच्ची को वहां ले जाने के बाद आरोपी ने कथित तौर पर उसके साथ रेप किया.घटना की जानकारी सामने आने के बाद बिसंडा थाने में आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया. पुलिस ने बच्ची को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेज दिया है. वहीं, आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है.पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों को भी जुटाया जा रहा है. बच्ची की पहचान कानून के तहत गोपनीय रखी गई है.

पिता ने 15 साल के बेटे को खंभे से बांधा, लाठी से मरते दम तक पीटा... चोरी के पैसों को लेकर था विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

औरैया । एक पिता ने अपने 15 वर्षीय बेटे को चोरी के आरोप में रस्सी से बांधकर बांस की लाठी से पिटाई की. इससे बेटे की मौत हो गई. मृतक के बड़े भाई ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी. घटना यूपी के औरैया जिले की है. पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है.उत्तर प्रदेश के औरैया से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है. दरअसल, यहां एक पिता ने अपने 15 साल के बेटे को पहले खंभे से बांधा. इसके बाद उसकी बांस की लाठी से बेरहमी से पिटाई की. पिटाई से बेटे की मौत हो गई. पुलिस के मुताबिक, पिता बेटे से चोरी हुए पैसों को लेकर नाराज था. घटना के बाद आरोपी पिता शव को चारपाई पर रखकर घर से फरार हो गया. पुलिस ने आरोपी को 24 सितंबर को गिरफ्तार कर लिया. उसकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल रस्सी और बांस की लाठी भी बरामद की गई है. आरोपी की पहचान उम्मेद सिंह के रूप में हुई है.घटना 21 सितंबर की है. मामला औरैया के पूर्वा सोमवंशी गांव का है. मृतक की पहचान रिशु उर्फ ईशू (15) के रूप में हुई है. मृतक के बड़े भाई नीरज ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है.बड़े भाई नीरज ने पुलिस को बताया कि 21 सितंबर को वह और उसकी बड़ी बहन गांव में गणेश पूजा और कीर्तन में शामिल होने गए थे. घर पर उनका छोटा भाई रिशु और छोटी बहन मौजूद थे. इसी दौरान उम्मेद सिंह (पिता) घर पहुंचा. वह रिशु को लेकर पहले से नाराज था. दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था.



गणेश विसर्जन के दिन उजड़ गया घरः बीजेपी मंडल उपाध्यक्ष के दो बेटों की गहरे पानी में डूबने से दर्दनाक मौत, खंडवा में शोक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खंडवा। देशभर में जहां गणेश विसर्जन की धूम थी और श्रद्धालु हर्षोल्लास के साथ बप्पा को विदाई दे रहे थे, वहीं खंडवा जिले के नाहल्दा गांव में यह उत्सव पलभर में गहरे मातम में बदल गया। गांव के समीप स्थित एक गिट्टी खदान के गहरे पानी में गणेश प्रतिमा विसर्जित करने उतरे दो सगे भाइयों की डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान विश्वास और लक्ष्य के रूप में हुई है, जो भाजपा मंडल उपाध्यक्ष मोंटू ठाकुर के बेटे थे। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे क्षेत्र और राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई है। खंडवा होमगार्ड कमांडेंट आशीष कुशवाहा ने जानकारी देते हुए बताया कि नाहल्दा गांव के पांच युवा, विश्वास, लक्ष्य, वैभव, गौतम और लकी गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए पास ही स्थित गिट्टी खदान पहुंचे थे। करीब 50 फीट गहरी इस खदान में बारिश का पानी भरने से इसने एक बड़े और खतरनाक तालाब का रूप ले लिया था। विसर्जन के दौरान दोनों सगे भाई पानी में उतरे, लेकिन गहराई का अंदाजा न होने के कारण वे गहरे भंवर में फंस गए।उन्हें डूबता देख बाकी तीन साथी भी बचाने के लिए कूदे, लेकिन वे भी संकट में आ गए। शोरगुल सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए तीन युवकों को तो सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन दोनों भाई गहरे पानी में लापता हो गए। हादसे की खबर मिलते ही खंडवा जिला प्रशासन तुरंत हरकत में आया। होमगार्ड और स्थानीय गोताखोरों की मदद से शाम 4 बजे ही रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया था। खदान की अत्यधिक गहराई को देखते हुए ओंकारेश्वर से विशेष गोताखोरों की टीम बुलवाई गई। खंडवा विधायक कंचन तन्वे



अपने सभी पूर्व निर्धारित धार्मिक कार्यक्रम छोड़कर आधी रात तक घटनास्थल पर डटी रहीं और पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया।इस दर्दनाक हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि यहां नियमों को ताक पर रखकर अवैध उत्खनन किया गया और 50 फीट गहरे जानलेवा को बिना किसी सुरक्षा घेरे या फेंसिंग के खुला छोड़ दिया गया था। ग्रामीणों ने विधायक से मांग की है लापरवाह अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

'नकली पुलिस बनकर आए, फोन छीना और की हैवानियत', आस्था कुंज पार्क मामले में पुलिस ने दर्ज किया पीड़िता का बयान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के आस्था कुंज पार्क में 17 साल की लड़की से गैंगरेप के मामले में दिल्ली पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज कर लिया है। पीड़िता ने पुलिस को दिए गए बयान में घटना के दिन की पूरी आपबीती सुनाई है। पीड़िता के पुलिस को दिए बयान के अनुसार, आरोपियों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर दोनों को रोका और फिर बंदूक व चाकू की नोक पर इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि घटना के समय पीड़िता अपने दोस्त के साथ पार्क के गेट नंबर 7 से अंदर दाखिल होकर झूलों के पास स्थित एक बेंच पर बैठी थी। तभी करीब 30 से 35 वर्ष की आयु के तीन पुरुष उनके पास पहुंचे और दोस्त को थप्पड़ मारते हुए खुद को पुलिसवाला बताया। आरोपियों ने वहां आने पर पाबंदी की बात कहकर दोनों के मोबाइल फोन छीन लिए और दोस्त को जबरन दूसरी तरफ ले गए। बयान के अनुसार इसके बाद आरोपियों ने हथियारों के बल पर युवती को डराया-धमकाया। पीड़िता द्वारा अपनी मां से बात कराने के अनुरोध के बावजूद, आसिफ नाम के आरोपी ने जेब से काली बंदूक निकालकर दिखाई। इसके बाद अन्य दो आरोपियों ने चाकू निकाले और युवती को जबरन पार्क के एक सुनसान और अंधेरे हिस्से में ले गए। पीड़िता का आरोप है कि तीनों आरोपियों आसिफ, हेमू और दीपू ने बारी-बारी से चाकू की नोक पर उसके साथ दरिंदगी की। आरोपी आसिफ ने पीड़िता की गर्दन पर चाकू रखकर यौन उत्पीड़न किया, जबकि अन्य आरोपी पहरा दे रहे थे। वारदात के बाद आरोपियों ने पीड़िता को केवल टी-शर्ट और जींस वापस दी और धमकी दी कि यदि उन्होंने तुरंत पार्क नहीं छोड़ा या पुलिस को सूचित किया तो वे उन्हें जान से मार देंगे।



CEC ज्ञानेश कुमार पर आर-पार के मूड में विपक्ष, इस तारीख को होगी 'इंडिया' ब्लॉक की अहम बैठक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सीईसी ज्ञानेश कुमार के मुद्दे पर इंडिया ब्लॉक की बैठक 30 सितंबर को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में होगी. बैठक में प्रमुख विपक्षी नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है. इससे पहले ममता बनर्जी और सीपीएम महासचिव एमए बेबी के बीच चुनाव आयोग से जुड़े हालिया घटनाक्रम पर बातचीत हुई थी. सीईसी ज्ञानेश कुमार के मुद्दे पर इंडिया ब्लॉक की बैठक 30 सितंबर को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में होगी. बैठक में इंडिया ब्लॉक के सभी प्रमुख नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है. आज तक की रिपोर्ट के मुताबिक, इंडिया ब्लॉक की जल्द बैठक कराने को लेकर विपक्षी दलों के बीच बातचीत चल रही थी, जो अब बैठक की तारीख तय होने के साथ आगे बढ़ गई है. ममता बनर्जी ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से बात की थी, जबकि सीपीएम महासचिव एमए बेबी इंडिया ब्लॉक के अन्य दलों से बातचीत कर रहे थे. इसमें ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी शामिल होंगे. दरअसल, सीईसी ज्ञानेश कुमार को लेकर INDIA Bloc में पहले से चर्चा चल रही थी. चुनाव आयोग में सामने आए 'मतभेद' के बीच राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी सीपीएम और टीएमसी के शीर्ष नेताओं के बीच भी बातचीत हुई थी. सूत्रों के मुताबिक, सीपीएम के पत्र पर ममता बनर्जी की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी. सूत्रों के मुताबिक, सीपीएम महासचिव एमए बेबी और एआईटीसी प्रमुख ममता बनर्जी ने शुक्रवार दोपहर फोन पर बातचीत की थी. इस दौरान सीईसी ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग से जुड़े हालिया घटनाक्रम पर विस्तार से चर्चा हुई थी. एमए बेबी ने अपने पत्र में INDIA Bloc प्लस की पार्टियों को एक मंच पर लाने की जरूरत बताई थी, ताकि सीईसी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा सके और चुनावी सुधारों को लेकर अभियान शुरू किया जा सके. यह पत्र 23 सितंबर को भेजा गया था, जिसके जवाब में ममता बनर्जी ने अगले दिन दोपहर फोन पर बातचीत की थी. सूत्रों के मुताबिक, टीएमसी और सीपीआई-एम दोनों ने सीईसी ज्ञानेश कुमार और 'देश में किए जा रहे चुनावी फर्जीवाड़े' के खिलाफ बड़े स्तर पर देशव्यापी अभियान शुरू करने की जरूरत पर सहमति जताई थी. बंगाल की स्थिति पर भी बातचीत के दौरान चर्चा हुई थी. एमए बेबी ने 23 सितंबर को INDIA Bloc के नेताओं को संयुक्त विपक्षी रणनीति को लेकर पत्र भेजा था. यह पत्र दिल्ली में टीएमसी के संसदीय दल के कार्यालय को भी भेजा गया था.



700 करोड़ के मेडिकल इक्विपमेंट घोटाले का आरोपी राजीव रंगीला गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। करीब 700 करोड़ रुपये के कथित मेडिकल उपकरण खरीद घोटाले में एंटी करप्शन ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई की है. मामले में कथित मास्टरमाइंड में शामिल बताए जा रहे 50 वर्षीय राजीव रंगीला को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया. अधिकारियों के मुताबिक, रंगीला ने ACB के सामने सरेंडर किया, जिसके बाद उसकी गिरफ्तारी की गई. राजीव रंगीला मेडिकल उपकरणों का बड़ा सप्लायर और फार्मास्युटिकल कारोबारी बताया जाता है. यह मामला सेंट्रल प्रोक्योरमेंट एजेंसी और डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज से जुड़ी कथित खरीद अनियमितताओं का है. ACB ने इस साल जुलाई में राजीव रंगीला को पूछताछ के लिए नोटिस भेजा था. अधिकारियों के मुताबिक, उसे कई बार जांच में शामिल होने के लिए कहा गया, लेकिन वह पेश नहीं हुआ. इसके बाद जांच एजेंसी ने उसकी तलाश शुरू कर दी. रंगीला की तलाश में दिल्ली-हृष्टक्रके अलावा उत्तराखंड में भी छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया गया. जांच के दौरान ACB को उसकी दिल्ली, हरियाणा और उत्तराखंड में संपत्तियों की जानकारी भी मिली. जांच एजेंसी के मुताबिक, रंगीला राजनीति में भी किस्मत आजमा चुका है. उसने 2014 में हरियाणा विधानसभा चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था, हालांकि उसे हार का सामना करना पड़ा था. करीब 700 करोड़ रुपये की कथित खरीद अनियमितताओं का यह मामला इसी साल मई में सामने आया था. विजिलेंस विभाग को शिकायतें मिलने के बाद CPA के दफ्तरों पर छापेमारी की गई थी. CPA दिल्ली सरकार के अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों के लिए दवाइयों, वैक्सीन और मेडिकल उपकरणों की खरीद और सप्लाई करने वाली नोडल एजेंसी है. जांच के दौरान राजीव रंगीला की कथित भूमिका सामने आने के बाद एजेंसी ने उसे मामले के 'मुख्य लाभार्थियों' में शामिल बताया. जांच एजेंसियों के मुताबिक, रंगीला पर फर्जी कंपनियां और फर्में खड़ी कर उनके जरिए खरीद प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप है. दावा है कि इन कंपनियों के मालिक के तौर पर ऐसे लोगों के नाम इस्तेमाल किए गए, जिनका वास्तव में इनके संचालन से कोई संबंध नहीं था. एजेंसी का आरोप है कि कथित फर्जी कंपनियों और फर्मों के मालिक के तौर पर रंगीला के नौकरों और यहां तक कि चाय बेचने वाले लोगों के नाम का भी इस्तेमाल किया गया. ACB अब रंगीला से कथित खरीद घोटाले, कंपनियों के नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका को लेकर पूछताछ कर सकती है. जांच एजेंसी मामले से जुड़े वित्तीय लेनदेन और संपत्तियों की भी पड़ताल कर रही है.



भिवंडी गैंगरेप के आरोपी की मां बोली- बेटे को फांसी दो, कई लड़कियों के साथ कर चुका है ऐसी हरकत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भिवंडी। हुए सामूहिक बलात्कार मामले में आरोपी बर्खास्त पुलिसकर्मी शैलेश पाटील की मां सुलोचना पाटील ने अपने ही बेटे के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि बेटे ने उन्हें प्रताड़ित किया, पिस्तौल दिखाकर संपत्ति हड़पने का दबाव बनाया और कई लड़कियों के साथ ऐसी हरकत की. मां ने मांग की कि बेटे को फांसी की सजा मिलनी चाहिए. महाराष्ट्र के भिवंडी में गैंगरेप मामले में बर्खास्त पुलिसकर्मी शैलेश पाटील का नाम सामने आने के बाद पुलिस उसकी तलाश कर रही है. इसी बीच शैलेश की मां सुलोचना पाटील ने अपने बेटे को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए हैं. सुलोचना पाटील ने कहा कि अगर उनका बेटा दोषी है तो उसे फांसी की सजा मिलनी चाहिए. उन्होंने दावा किया कि शैलेश ने उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया और पैसे तथा संपत्ति के लिए उनके साथ मारपीट की. मां का आरोप है कि शैलेश ने उनके सिर पर पिस्तौल रखकर संपत्ति अपने और अपनी पत्नी के नाम करने का दबाव बनाया था. उन्होंने बताया कि इस मामले में पहले पुलिस से शिकायत की गई थी. जब उन्हें अपेक्षित कार्रवाई नहीं मिली तो उन्होंने न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया. सुलोचना पाटील के मुताबिक, संपत्ति से जुड़ा मामला फिलहाल अदालत में विचाराधीन है. सुलोचना पाटील ने दावा किया कि उनके पति ने जो जमीन और दूसरी संपत्तियां खरीदी थीं, उन पर भी शैलेश ने कब्जा कर लिया है. उन्होंने अपने बेटे पर करोड़ों रुपये की संपत्ति और नकदी हड़पने का आरोप लगाया. मां का कहना है कि अब वह अपने बेटे के साथ नहीं रहतीं और अपनी बेटी के घर रह रही हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि पैसे और संपत्ति के लिए उनका बेटा उन्हें लगातार परेशान करता था. सुलोचना पाटील ने शैलेश पर डांस बार में वसूली और लोगों को धमकाने जैसे कामों में शामिल होने का भी आरोप लगाया है. सुलोचना पाटील ने अपने बेटे पर एक और गंभीर आरोप लगाया. उनका दावा है कि पीड़िता के अलावा शैलेश पाटील ने कई अन्य लड़कियों के साथ भी इसी तरह की हरकत की है. इसी आधार पर उन्होंने कहा कि ऐसे बेटे



को फांसी की सजा मिलनी चाहिए. मां ने यह बात ऐसे समय कही है जब भिवंडी के कथित सामूहिक बलात्कार मामले में पुलिस शैलेश पाटील की तलाश कर रही है. हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और मामले में पुलिस जांच जारी है. सुलोचना पाटील ने एक IPS अधिकारी को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए हैं. उनका दावा है कि एक IPS अधिकारी को बचाने के लिए शैलेश ने पहले किसी मामले की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली थी और इसके बाद उसे जेल जाना पड़ा था. सुलोचना पाटील का आरोप है कि जेल जाने के बाद उनका बेटा बदल गया. उन्होंने यह भी दावा किया कि बड़े अधिकारियों से कथित संरक्षण मिलने के कारण शैलेश का मनोबल बढ़ता गया. आरोपी की मां सुलोचना पाटील का कहना है कि उन्होंने अपने बेटे के खिलाफ पुलिस में शिकायत की थी. उनका आरोप है कि शिकायत के बावजूद उन्हें अपेक्षित कार्रवाई नहीं मिली. इसके बाद उन्होंने अदालत का रुख किया. उन्होंने यह भी कहा कि उनके पास इलाज कराने तक के लिए पैसे नहीं हैं. सुलोचना पाटील ने दावा किया कि अगर उन्हें न्याय नहीं मिला तो वह अदालत में आत्मदाह जैसा कदम उठाने के लिए मजबूर होंगी. बता दें कि भिवंडी के पड़घा पुलिस थाने में बीजेपी के पूर्व विधायक नरेंद्र पवार और बर्खास्त पुलिसकर्मी शैलेश पाटील के खिलाफ कथित सामूहिक बलात्कार का मामला दर्ज किया गया है. पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश कर रही है. आरोपियों को पकड़ने के लिए कई पुलिस टीमों के गठन की जानकारी सामने आई है. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है. इस पूरे मामले में शैलेश पाटील की मां के आरोप भी चर्चा में हैं, क्योंकि वह अपने ही बेटे के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रही हैं.

कुंडली दोष दूर करने के नाम पर नाबालिग से रेप, गर्भवती हुई तो खुला बाबा का राज, आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लातूर। महाराष्ट्र के लातूर में कुंडली दोष दूर करने के नाम पर 17 साल की नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप एक ढोंगी बाबा पर लगा है. पीड़िता के गर्भवती होने के बाद मामला सामने आया. परिवार की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी रामेश्वर रामदासी महाराज को गिरफ्तार किया है. महाराष्ट्र के लातूर में कुंडली का दोष दूर करने के नाम पर 17 साल की नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है. आरोप है कि पूजा कराने के बहाने एक ढोंगी बाबा ने लड़की को डरा-धमकाकर उसका शारीरिक शोषण किया. घटना के बाद लड़की गर्भवती हो गई, तब उसने अपने माता-पिता को पूरी आपबीती बताई. मामला लातूर शहर के ठाकरे चौक इलाके का है. पीड़िता के माता-पिता बेटी की कुंडली बनवाने के लिए आरोपी रामेश्वर रामदासी महाराज के पास गए थे. आरोप है कि बाबा ने कुंडली में दोष बताकर पूजा कराने की बात कही. इसके बाद वह पूजा के लिए लड़की के घर पहुंचा और जाप के बहाने माता-पिता को कमरे से बाहर भेज दिया आरोप है कि माता-पिता के बाहर जाते ही बाबा ने अकेली लड़की से कहा कि कुंडली का दोष दूर करने के लिए उसे उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने होंगे. इसके बाद उसने नाबालिग के साथ जबरदस्ती की और किसी को बताने पर कुंडली का दोष दूर नहीं होने की धमकी दी. कुछ दिनों बाद लड़की के गर्भवती होने पर उसने परिवार को घटना की जानकारी दी. लड़की के माता-पिता की शिकायत पर लातूर के विवेकानंद पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज की गई. पुलिस ने BNS की धारा 64(2) POCSO की धारा 4, 6, 8 और 12 के साथ महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन कानून की धारा 3(2) के तहत मामला दर्ज किया है. पुलिस ने



आरोपी रामेश्वर रामदासी महाराज को हिरासत में लेकर कोर्ट में पेश किया. मामले की गहराई से जांच के लिए अदालत ने उसे चार दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड पर भेज दिया है. पुलिस अब पूरे घटनाक्रम और आरोपी की भूमिका की जांच कर रही है. इस मामले की जांच विवेकानंद पुलिस कर रही है. पुलिस इंस्पेक्टर आर.एस. पवार और PSI ए. के. काले के नेतृत्व में जांच आगे बढ़ाई जा रही है. पुलिस मामले से जुड़े साक्ष्यों और आरोपों की पड़ताल कर रही है.

नागपुर-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस पर पथराव, 3 एसी कोच के शीशे टूटे, यात्रियों में मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। मुंबई जा रही दुरंतो एक्सप्रेस पर वर्धा के पास शुक्रवार रात पथराव की घटना हुई. इस दौरान ट्रेन के एसी कोच के शीशे टूट गए, जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया. नागपुर से मुंबई की ओर जानेवाली दुरंतो एक्प्रेस पर पथराव की खबर सामने आई है. यह घटना शुक्रवार रात वर्धा के पास हुई. पत्थर किसने फेंके और क्यों, वारदात के कारणों की जांच जारी है. इस घटना से यात्रियों में हड़कंप मच गया और ट्रेन के एसी कोच के शीशे फूट गए. जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार रात आठ बजे ट्रेन संख्या 12290 दुरंतो एक्प्रेस नागपुर से मुंबई जाने के लिए निकली थी. वर्धा के पास किसी ने ट्रेन पर पथराव कर दिया. सामने आया है कि इस पथराव 4 बोगी के शीशे क्षतिग्रस्त हुए हैं. यात्री जब खाना खा रहे थे उस दौरान अचानक पथराव हुआ. पथराव के बाद यात्रियों में हड़कंप मच गया. वर्धा स्टेशन पर ट्रेन को रोका गया. रेलवे पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई जिसके बाद ट्रेन मुंबई के लिए रवाना हुई. पुलिस जांच कर रही है कि पथराव किसने किया. पहले इस घटना में सिर्फ एक कोच का जिक्र था, लेकिन बाद में सामने आया कि पत्थरबाजी में एक नहीं बल्कि तीन कोच के शीशे क्षतिग्रस्त हुए हैं. राहत की बात यह रही कि घटना में किसी यात्री को चोट नहीं आई और न ही किसी तरह के नुकसान की सूचना है. रेलवे सुरक्षा बल ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. रेलवे के मुताबिक, घटना 25 सितंबर की रात करीब 8 बजकर 27 मिनट पर हुई. ट्रेन बोरखेड़ी स्टेशन से गुजर चुकी थी, तभी बाहर से किसी वस्तु या पत्थर के टकराने से कोच की खिड़कियों के शीशों में दरार आ गई घटना की जानकारी रात करीब 8 बजकर 46 मिनट पर मिलने के बाद की टीम ने जांच शुरू की. सुरक्षाकर्मियों ने बोरखेड़ी-सिंधी सेक्शन में किलोमीटर संख्या 803 से 796 तक तलाशी अभियान चलाया. इसके अलावा बोरखेड़ी और ब्राह्मणी गांव के आसपास के इलाकों की भी जांच की गई. पुलिस पाटिल और स्थानीय लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन किसी संदिग्ध व्यक्ति या घटना से जुड़ा कोई ठोस सबूत नहीं मिला. ट्रेन में तैनात एस्कॉर्ट स्टाफ और यात्रियों से भी घटना के बारे में जानकारी ली गई. उन्होंने बताया कि रात करीब 8:27 बजे बाहर से कोई वस्तु या पत्थर ट्रेन की खिड़कियों से टकराया था. हालांकि अभी घटना की सटीक जगह का पता नहीं चल पाई है. इसे लेकर आगे की जांच जारी है. मामले में 26 सितंबर को रात 2 बजकर 55 मिनट पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ रेलवे एक्ट की धारा 153 के तहत क्राइम नंबर 325/2026 दर्ज किया गया है. RPF मामले की जांच कर रही है और पत्थर फेंकने वाले की पहचान करने की कोशिश की जा रही है.



मुनाफे का लालच पड़ा भारी 59 साल की महिला से 1 करोड़ की ठगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणे. महाराष्ट्र के ठाणे में साइबर ठगी का हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां 59 साल की एक महिला को फर्जी शेयर ट्रेडिंग ऐप के जरिए करोड़ों रुपये के मुनाफे का लालच दिया गया. साइबर जालसाजों ने पहले महिला से 1.1 करोड़ रुपये अलग-अलग बैंक खातों में जमा करवाए और फिर ऐप पर उसके निवेश का मुनाफा बढ़ाकर 13.67 करोड़ रुपये दिखा दिया. जब महिला ने अपनी रकम निकालनी चाही तो ठगों ने नया जाल बिछा दिया. एक एजेंसी के मुताबिक पुलिस ने बताया कि घोड़बंदर रोड की रहने वाली महिला को जालसाजों ने एक लिंक भेजा था. इस लिंक के जरिए उसे फर्जी ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड कराया गया. इसके बाद 4 अगस्त से 10 सितंबर के बीच महिला ने कई बैंक खातों में कुल 1.1 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए. ऐप पर लगातार मुनाफा बढ़ता हुआ दिखाया गया, जिससे उसे अपने निवेश पर भरोसा होता गया. ठगी का असली खेल तब सामने आया जब महिला ने अपनी रकम निकालने की कोशिश की. ऐप पर उसके खाते में 13.67 करोड़ रुपये का मुनाफा दिख रहा था, लेकिन पैसे निकालने के लिए उससे अतिरिक्त भुगतान करने को कहा गया. इसी दौरान महिला को शक हुआ कि उसके साथ धोखा हुआ है. इसके बाद उसने ठाणे साइबर पुलिस से शिकायत की. पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता



और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है. साइबर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर राहुल सोनवणे ने बताया कि मामले की जांच जारी है. पुलिस उन बैंक खाताधारकों और फर्जी ट्रेडिंग ऐप को संचालित करने वाले लोगों की पहचान करने में जुटी है, जिनके जरिए रकम ट्रांसफर कराई गई.

बीड, धराशिव समेत 75% महाराष्ट्र सूखा घोषित, देवेंद्र फडणवीस ने किसान मजदूरों के लिए किए कई ऐलान



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई . महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सूखे से प्रभावित किसानों और नागरिकों के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। राज्य के 358 तालुकों (तहसील) में से 265 में सूखा घोषित किया गया है। जिन 265 तालुकों में 'ट्रिगर-1' के मानक पूरे हुए हैं, उन्हें सूखा-प्रभावित घोषित किया गया है। इससे पता चलता है कि राज्य के लगभग 75 प्रतिशत तालुकों में अब सूखे जैसे हालात हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने सूखे से निपटने के कई उपायों की घोषणा की है। इसके तहत लैंड रेवेन्यू में छूट, फसल लोन का रीस्ट्रक्चर, खेती से जुड़े लोन की रिकवरी पर रोक, खेती के पंपों के मौजूदा बिजली बिल में छूट (7.5 हॉर्सपावर कैपेसिटी वाले इलेक्ट्रिक पंपों का बिजली बिल पहले ही माफ है, अब उससे ज़्यादा कैपेसिटी वाले इलेक्ट्रिक पंपों को भी छूट), स्कूल-कॉलेज के छात्रों की परीक्षा शुल्क में छूट, एम्प्लॉयमेंट गारंटी स्कीम के तहत नियमों में ढील देकर अधिक से अधिक काम शुरू किए जाएंगे। सीएम ने कहा कि जहां जरूरी होगा वहां पीने के टैंकर पहुंचाए जाएंगे। किसानों के खेती के पंपों का बिजली कनेक्शन नहीं काटा जाएगा, खेती पर निर्भर किसानों-खेती मजदूरों को अनाज मिलेगा, जानवरों के लिए चारे का इंतजाम, बड़े पैमाने पर पानी बचाने का काम किया जाएगा। पिछले आदेश के मुताबिक, पेयजल और जानवरों के लिए पानी की प्लानिंग जारी रहेगी। सभी डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर को पंचनामा प्रक्रिया तुरंत पूरा करने के आदेश दिए गए हैं। इसके साथ ही फसलों की हालत दिखाने वाली तस्वीरें और जीपीएस से डेटा इकट्ठा करने के आदेश जारी किए गए हैं।सके पहले 24 सितंबर वाशिम दौरे पर पहुंचे देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की थी कि राज्य सरकार जल्द ही प्रभावित इलाकों में गंभीर सूखा घोषित करने के लिए एक सरकारी आदेश (जीआर) जारी करेगी। साथ ही, खेती-किसानी के बढ़ते संकट से जूझ रहे राज्य में उन सभी पात्र किसानों को फसल कर्ज माफी का लाभ दिया जाएगा, जो पिछली योजनाओं में छूट गए थे। सीएम ने गांव में किसानों को संबोधित करते हुए लोगों को भरोसा दिलाया था कि सरकारी तंत्र ग्रामीण राहत कार्यों को प्राथमिकता देगा। मुख्यमंत्री ने कहा था कि आर्थिक मदद के अलावा, मवेशियों के लिए चारा बांटने और फसल के नुकसान का आकलन (पंचनामा) तेजी से करने के लिए आपातकालीन उपाय कर रहा है।

कश्मीरी गेट में कलेक्शन एजेंट की चाकू गोदकर हत्या, 15 लाख रुपये लेकर फरार हुए बदमाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कश्मीरी गेट के यमुना बाजार इलाके में गुरुवार शाम लूट का विरोध करने पर बदमाशों ने चाकू गोदकर ई-रिक्शा सवार कलेक्शन एजेंट की हत्या कर दी थी। बदमाश करीब 15 लाख रुपये से भरा बैग लेकर फरार हो गए थे। जबकि दूसरे बैग में 20 से 25 लाख रुपये थे, जो बदमाश लूटने में कामयाब नहीं हो सके। वारदात के पीछे पुलिस को पहले से रेकी किए जाने का शक है। जांच में सामने आया है कि बदमाशों को ई-रिक्शा में बड़ी रकम होने की जानकारी थी। विरोध करने पर बदमाशों ने ई-रिक्शा के ड्राइवर और यात्रियों पर चाकू से हमला कर दिया था। जबकि रिक्शे में सवार प्रभात के भतीजे सचिन और एक



अन्य यात्री आकाश घायल हो गए थे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मध्य प्रदेश के मुरैना निवासी प्रभात और सचिन एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के लिए कलेक्शन एजेंट का काम करते हैं। दोनों गांधी नगर से चांदनी चौक के हैदर कुली जा रहे थे। उनके पास दो बैग थे, जिनमें करीब 30 से 40 लाख रुपये रखे थे। यमुना बाजार के पास बदमाशों ने ई-रिक्शा को रोक लिया और एक बैग लेकर भाग गए। घायल प्रभात, सचिन और आकाश को सिविल लाइंस स्थित ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान प्रभात की मौत हो गई। सचिन को आरएमएल अस्पताल रेफर कर दिया गया। आकाश को गुरुवार रात ही अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पुलिस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि कलेक्शन एजेंटों के पास इतनी बड़ी रकम होने की जानकारी बदमाशों को कैसे मिली। आशंका है कि किसी अंदरूनी शख्स ने तो जानकारी नहीं दी। खबर लिखे जाने तक इस वारदात के 24 घंटे बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी।

दिल्ली में तेज रफ्तार का कहर, रेड लाइट पर ऑटो और ई-रिक्शा को कार ने मारी टक्कर, एक की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सुखदेव विहार मेट्रो स्टेशन के पास तेज रफ्तार कार ने ऑटो और ई-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे ऑटो सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई और ई-रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया. दिल्ली के सुखदेव विहार मेट्रो स्टेशन के पास तेज रफ्तार कार ने एक ऑटो और ई-रिक्शा को टक्कर मार दी. हादसे में ऑटो सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि ई-रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया. हादसे के बाद कार चालक गाड़ी मौके पर छोड़कर फरार हो गया. जानकारी के मुताबिक, हादसा साउथ ईस्ट दिल्ली में सुखदेव विहार मेट्रो स्टेशन के पास हुआ. ऑटो और ई-रिक्शा रेड लाइट पर मौजूद थे. इसी दौरान तेज रफ्तार से आई कार ने दोनों वाहनों को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो और ई-रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए. हादसे में ऑटो में सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि ई-रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया. घायल को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है. वहीं हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया. बताया जा रहा है कि आरोपी चालक अपनी कार घटनास्थल पर ही छोड़ गया. पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है. कार के रजिस्ट्रेशन नंबर और अन्य जानकारियों के आधार पर चालक



की पहचान और उसकी तलाश की जा रही है. पुलिस हादसे के घटनाक्रम की जानकारी जुटाने के साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की भी जांच कर सकती है. फिलहाल मामले में आगे की कार्रवाई जारी है.

विश्व निवेशक सप्ताह शुरू, अपने भविष्य में निवेश करें, आज ही इसे सुरक्षित करें

अभियान निवेश समझकर और सुरक्षित तरीके से करने का दे रहा संदेश

नई दिल्ली।

निवेशकों को बाजार और निवेश से जुड़े फैसले समझदारी से लेने के लिए जागरूक करने वाला विश्व निवेशक सप्ताह 5 से 11 अक्टूबर तक मनाया जा रहा है। इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन ऑफ सिक्योरिटीज कमीशंस (आईओएसको) की पहल पर शुरू हुआ यह अभियान सेबी और एएमएफआई के नेतृत्व में चल रहा है। इस साल अभियान का संदेश अपने भविष्य में निवेश करें। आज ही इसे सुरक्षित करें है, जिसका उद्देश्य निवेशकों को जागरूकता और भरोसे के साथ निवेश करने में मदद करना है। म्युचुअल फंड निवेशकों के लिए यह पहल खास है, क्योंकि किसी फंड में निवेश से पहले उसके उद्देश्य, जोखिम, लागत और रणनीति को समझना जरूरी है। बाजार के उतार-चढ़ाव में सिर्फ पिछले रिटर्न देखकर फैसला लेने के बजाय निवेशक को यह देखना चाहिए कि योजना उसके वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुरूप है या नहीं। इस साल विश्व निवेशक सप्ताह के प्रमुख विषयों में निवेशक लचीलापन, डिजिटल धोखाधड़ी और ठगी से बचाव शामिल हैं। इसके अलावा, निवेश की बुनियादी बातों और युवा निवेशकों पर भी जोर दिया जा रहा है। सेबी अपनी वेबसाइट पर फर्जी ट्रेडिंग ऐप और स्टॉक मार्केट गुरु के नाम पर होने वाले स्कैम जैसी धोखाधड़ी से बचने की चेतावनी दे रहा है और निवेशकों को केवल सेबी की निगरानी वाले उत्पादों को चुनने की सलाह देता है। समझ से इन्वेस्टिंग सिंपल पहल के तहत युवाओं को समझने के बाद निवेश करने, विनियमित उत्पाद चुनने, जल्दी शुरुआत करने और निवेश को बनाए रखने की सलाह दी जा रही है। यह अभियान सिर्फ निवेश शुरू करने का नहीं, बल्कि उसे समझकर और सुरक्षित तरीके से करने का संदेश दे रहा है।

रेपो रेट बढ़ने से ईएमआई होगी महंगी, एफडी कराने वालों को होगा फायदा

जमाकर्ताओं को बचत पर ब्याज दरें पहले के मुकाबले बढ़कर मिलेंगी

नई दिल्ली।

अक्टूबर 2026 की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में आरबीआई ने रेपो रेट में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी की है। 5 अक्टूबर से शुरू होकर 7 अक्टूबर 2026 तक चली इस बैठक में पश्चिम एशिया में तनाव से महंगाई के जोखिम, कच्चे तेल और खाने-पीने की चीजों की बढ़ती कीमतें और वैश्विक आर्थिक दबाव जैसे फैक्टर्स पर फोकस रहा। आरबीआई ने इससे पहले फरवरी 2023 में रेपो रेट में बढ़ाई थी। इस दौरान रिजर्व बैंक ने रेपो रेट को 25 बेसिस पॉइंट (0.25फीसदी) बढ़ाकर 6.50फीसदी के स्तर पर ला दिया था। इसके बाद से दिसंबर 2024 तक रेपो रेट को इसी उच्चतम स्तर पर स्थिर रखा गया था। 2025 में हालात थोड़े सुधरने पर केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट में कुल चार बार 125 बेसिस पॉइंट्स की कटौती की, जिससे यह घटकर 5.25फीसदी पर आ गया। दिसंबर 2025 के बाद से अब तक यानी करीब 10 महीनों तक रेपो रेट को इसी स्तर पर रखने के बाद अब रिजर्व बैंक ने इसमें बढ़ोतरी की है। रेपो रेट बढ़ने से बैंक लोन महंगे हो जाते हैं क्योंकि रेपो रेट वह रेट होता है, जिस पर आरबीआई दूसरे बैंकों को कर्ज देता है। अब बैंकों के लिए रिजर्व बैंक से लोन लेना महंगा होगा, तो उनके लिए फंड की लागत बढ़ जाएगी। इसके चलते बैंक होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन पर ब्याज दरें बढ़ा देंगे। ब्याज दरें बढ़ेंगी, तो ईएमआई पर पहले के मुकाबले ज्यादा खर्च होगा। भले ही रेपो रेट बढ़ने से आपकी हर महीने जाने वाली ईएमआई महंगी हो जाएगी, लेकिन इसके कुछ फायदे भी हैं। दरअसल, रेपो रेट बढ़ने से बैंकों में एफडी कराने वाले ग्राहकों को फायदा होगा। इससे जमाकर्ताओं को अपनी बचत पर ब्याज दरें पहले के मुकाबले बढ़कर मिलेंगी।

आईपीओ में 46,712 करोड़ रुपये का निवेश

-39 फीसदी राशि कर्ज चुकाने में खर्च हो रही

मुंबई ।

आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए कंपनियां जुटाई गई रकम का बड़ा हिस्सा कर्ज चुकाने में खर्च कर रही हैं। वर्ष 2026 के पहले नौ महीनों में कंपनियों ने नए शेयर जारी कर 46,712 करोड़ रुपये जुटाए। इसमें से करीब 18,068 करोड़ रुपये यानी 39 फीसदी राशि कर्ज चुकाने के लिए रखी गई। पिछले साल इसी अवधि में यह हिस्सा 32 फीसदी था। आंकड़ों के मुताबिक, क्षमता बढ़ाने, नए प्रोजेक्ट और मशीनरी पर खर्च होने वाली राशि 8,857 करोड़ रुपये से बढ़कर 10,418 करोड़ रुपये हो गई। वहीं, अधिग्रहण और रणनीतिक निवेश पर खर्च 534 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,436 करोड़ रुपये पहुंच गया। दूसरी ओर, पूंजी मजबूत करने और बैंकिंग लागत में भी बदलाव देखने को मिला। रोजमर्रा के खर्च के लिए रखी गई रकम 7,534 करोड़ रुपये से घटकर 4,521 करोड़ रुपये रह गई। ब्रांड और विज्ञापन पर खर्च भी 471 करोड़ से घटकर 341 करोड़ रुपये हो गया।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 429 अंक, निफ्टी भी 173 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इस गिरावट का एक बड़ा कारण भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रेपो दर में 25 आधार अंकों की बढ़ोतरी करना भी रहा। इससे निवेशकों पर विपरीत प्रभाव पड़ा जिससे बाजार में बिकवाली शुरु हो गयी। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 429.11 अंक टूटकर 72,638.70 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 173.05 अंक फिसलकर 22,603.05 पर बंद हुआ। आज बाजार में बिकवाली के कारण तकरीबन 2251 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 1928 शेयरों में बढ़त आई। वहीं 192 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। आज निफ्टी में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज करने वाले शेयरों में टाइटन कंपनी, अडानी एंटरप्राइजेज, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, जेएस डब्लयू स्टील और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख थे, जिन्होंने निवेशकों को निराश किया। वहीं, कुछ शेयर ऐसे भी थे जिन्होंने इस माहौल में भी अपनी बढ़त बनाए रखी, जिनमें कोटक महिंद्रा बैंक, बीएसई लिमिटेड, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और कोल इंडिया शामिल थे। वहीं सेक्टरों की बात करें तो, मीडिया और पीएसयू बैंक को छोड़कर लगभग सभी



प्रमुख इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स, के अलावा सूचना प्रौद्योगिकी, वाहन, धातु और रियल्टी सेक्टरों में 1-2 फीसदी की भारी गिरावट रही, जो दिखाती है कि व्यापक आर्थिक चिंताओं से सभी प्रभावित हुए हैं। आज बाजार गिरावट का सबसे अहम कारण आरबीआई द्वारा रेपो दर में 25 बेसिस अंकों की बढ़ोतरी रही। जिससे यह दर फरवरी 2023 के बाद पहली बार बढ़ी है।

यह बढ़ोतरी तब हुई है जब बाजार विश्लेषक और निवेशक दोनों मुद्रास्फीति के दबावों पर केंद्रीय बैंक की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे थे।

इलेक्ट्रिक बाइक रजिस्ट्रेशन में नंबर-1 बनी ओबेन इलेक्ट्रिक

नई दिल्ली ।

सितंबर 2026 में बेंगलुरु स्थित ओबेन इलेक्ट्रिक कंपनी ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों के रजिस्ट्रेशन के मामले में सभी प्रतिद्वंद्वी कंपनियों को पीछे छोड़ते हुए कंपनी ने पहला स्थान हासिल किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ओबेन ने पिछले महीने कुल 1,417 इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों का पंजीकरण दर्ज किया, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता और बाजार में मजबूत पकड़ का प्रमाण है। ओबेन इलेक्ट्रिक के लिए यह रिकॉर्ड बिक्री उसकी नई रॉर ईवो ईवी बाइक की शानदार प्रतिक्रिया का परिणाम है। आकर्षक डिजाइन, दमदार प्रदर्शन और रोजमर्रा के उपयोग में सुगमता के कारण इस बाइक को ग्राहकों से जबरदस्त सराहना मिली है।

कंपनी ने हाल ही में अपनी बेंगलुरु स्थित फैक्ट्री से 10,000वीं इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल भी तैयार की है, जो उसके उत्पादन क्षमता और मांग को दर्शाती है। सितंबर के आंकड़ों में ओबेन के बाद, रिवोल्ट इंटेलिजेंस 1,027 रजिस्ट्रेशन के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि अल्ट्रावॉयलेट ऑटोमोटिव ने 536 रजिस्ट्रेशन के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। मैटर मोटर वर्क्स 69 रजिस्ट्रेशन के साथ चौथे और रैप्टी एनर्जी 17 रजिस्ट्रेशन के साथ पांचवें स्थान पर रही। ओबेन के अनुसार, उसके 18 राज्यों और 90 से अधिक शहरों में 150 से ज्यादा शोरूम और ओबेन केयर सर्विस सेंटर स्थापित हो चुके हैं।

घरेलू या कमर्शियल सिलेंडर की कीमत हर शहर में अलग-अलग होती हैं

करेंसी में उतार-चढ़ाव, ट्रांसपोर्ट खर्च और टैक्स जैसे कारकों का पड़ता है असर

नई दिल्ली।

भारत में खाना पकाने के लिए एलपीजी सिलेंडर का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाता है इसलिए इसकी कीमतों में घट-बढ़ का असर सीधे रसोई के बजट पर पड़ता है, जहां आम उपभोक्ताओं की नजर घरेलू सिलेंडर के रेट पर रहती है। वहीं, रेस्टोरेंट, होटल, ढाबे और कैटरिंग सर्विस चलाने वाले कमर्शियल एलपीजी कीमतों पर बारीकी से नजर रखते हैं क्योंकि यह उनके रोज के खर्च का एक नियमित हिस्सा है।

पूरे भारत में एलपीजी की कीमतें एक जैसी नहीं होती हैं। घरेलू या कमर्शियल सिलेंडर की कीमत एक शहर से दूसरे शहर में अलग-अलग हो सकती है। बुधवार को जारी रेट के मुताबिक दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 942 रुपए है, जबकि मुंबई में इसकी कीमत 912.50 रुपए है। एलपीजी सिलेंडर की रिटेल कीमतों पर करेंसी में उतार-चढ़ाव, ट्रांसपोर्ट का खर्च और लागू टैक्स जैसे कई कारकों का असर पड़ता है। राज्य सरकारें एलपीजी सिलेंडर पर अपने हिसाब से वैल्यू एडेड टैक्स और स्थानीय कर लगाती हैं, चूंकि हर राज्य में टैक्स की दरें अलग-अलग होती हैं इसलिए राज्यों की सीमाओं के पार होते ही सिलेंडर की कीमतें भी बदल जाती हैं। गैस सिलेंडर रिफाइनरी या एलपीजी बॉटलिंग प्लांट से आपके शहर के डिस्ट्रीब्यूटर तक ट्रकों या ट्रेनों के जरिए पहुंचाए जाते हैं। ऐसे में प्लांट से जिस शहर की दूरी जितनी ज्यादा होगी, भाड़ा उतना ही ज्यादा लगेगा। एलपीजी सिलेंडर की कीमतों पर डीलर के कमीशन का भी असर पड़ता है।

सोने पर फिलहाल दबाव, 2027 में लौटेगी रौनक-एचएसबीसी

नई दिल्ली ।

वैश्विक वित्तीय सेवा प्रदाता एचएसबीसी का मानना है कि सोने की कीमतों पर फिलहाल दबाव बना रहेगा, लेकिन 2027 तक इसमें फिर तेजी लौट सकती है। हालांकि, यह चमक तुरंत दिखने की उम्मीद नहीं है। इस साल 2026 में सोने ने 5,450 डालर प्रति औंस के रिकॉर्ड उच्च स्तर को छूने के बाद 3,942 डालर प्रति औंस तक की गिरावट देखी, जो बाजार में बड़ी अस्थिरता को दिखाती है।

मामले से जुड़े जानकार के अनुसार, ऊंचे कच्चे तेल के दाम, अमेरिकी डॉलर की मजबूती और अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने की आशंका ने सोने के लिए मुश्किलें खड़ी की हैं। इन चुनौतियों के चलते बैंक ने अपने शॉर्ट टर्म गोल्ड प्राइस अनुमान में कटौती की है। जानकार बताते हैं कि 2027 में सोने की चाल काफी हद तक अमेरिकी ब्याज दरों पर निर्भर करेगी, यदि अमेरिकी फेडरल रिजर्व बाजार की मौजूदा उम्मीद से कम दरें बढ़ाता है, तब सोने को फिर से मजबूती मिल सकती है। सोने की कीमतों को केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीद से बड़ा सहारा मिल रहा है, जो अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य निवेश में विविधता लाना और भू-राजनीतिक जोखिमों से बचाव करना है। इसके अतिरिक्त, भारत और चीन जैसे बड़े बाजारों में वित्तीय संस्थानों के लिए सोना खरीदने के नियमों में हुए बदलाव भी बड़ी मांग को बढ़ावा दे रहे हैं, खासकर उस समय में जब प्रॉपर्टी और शेयर बाजार कमजोर चल रहे



हैं। यह अनुमान लगा रहा है कि ऊंची कीमतों और घरेलू बजट पर दबाव के कारण प्रभावित हुई सोने की फिजिकल डिमांड अब अपने निचले स्तर के करीब पहुंच सकती है। हालांकि, सोने की सप्लाई में तेजी से बढ़ोतरी की संभावना कम है। 2026 और 2027 में खदान उत्पादन बढ़ सकता है, लेकिन नई खदानों और परियोजनाओं को शुरू करने में आने वाली चुनौतियों के कारण यह वृद्धि सीमित रहने की उम्मीद है। ऊंची कीमतों के बावजूद, रिसाइक्लिंग भी अभी उतनी तेजी से नहीं बढ़ी है जितनी उम्मीद की जा रही थी। आने वाले महीनों में डॉलर, कच्चे तेल की कीमतें और अमेरिकी ब्याज दरें सोने के लिए प्रमुख चुनौतियां बनी रह सकती हैं, जो इसकी चाल को प्रभावित करती रहेंगी।

चांदी का बाजार-2027 में आपूर्ति अधिक, निवेश पर संशय

मुंबई ।

इस साल 2026 में चांदी की कीमतों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। जहां वर्ष की शुरुआत में चांदी 4 लाख प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची थी, वहीं अब यह अपने उच्चतम स्तर से करीब 40 फीसदी गिरकर 2.20 से ₹2.30 लाख प्रति किलोग्राम के आसपास बनी हुई है। वैश्विक बाजार में भी, जो जनवरी में 121 डालर प्रति औंस था, अब यह 60 से 65 डालर प्रति औंस के बीच सिमट गया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले साल 2027 में चांदी सरप्लस हो सकती है, जिसका अर्थ है कि इसकी मांग की तुलना में उत्पादन कहीं अधिक होगा। यह स्थिति वर्षों से चली आ रही चांदी की कमी की स्थिति को समाप्त कर देगी। सोने के विपरीत, चांदी की अधिकांश मांग औद्योगिक क्षेत्रों से आती है, जैसे कि ई-वाहन निर्माण, सौर ऊर्जा और सेमीकंडक्टर उद्योग। हालांकि, हाल के दिनों में इन प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में चांदी की मांग में सुस्ती देखी गई है। विशेष रूप से, दुनिया के सबसे बड़े सौर ऊर्जा बाजार चीन में चांदी की मांग में 30 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इसके साथ ही, खदानों से चांदी का उत्पादन भी लगातार बढ़ रहा है, जो 2027 में आपूर्ति की अधिकता को बढ़ावा देगा। कमोडिटी एक्सपर्ट के अनुसार, चांदी की कीमतों में यह अस्थिरता अगले साल 2027 में भी जारी रहने की संभावना है। बाजार में अतिरिक्त आपूर्ति के चलते वैश्विक स्तर पर इसके भाव में बड़ी वृद्धि की उम्मीद कम है। इसलिए, यदि कोई निवेशक 2026 में चांदी में निवेश की योजना बना रहा है, तो 2027 में उसे बहुत अधिक रिटर्न मिलने की संभावना कम रहेगी। निवेशकों को चांदी में निवेश करते समय इन सभी कारकों पर सावधानीपूर्वक विचार करने की सलाह दी जाती है।

जयपुर में सीएनजी और पीएनजी महंगी हुई

जयपुर ।

जयपुर में बुधवार से कॉम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) और पाइप वाली नेचुरल गैस (पीएनजी) दोनों की कीमतें 2 रुपये प्रति इकाई बढ़ी हैं। इस बढ़ोतरी के बाद, जयपुर में ष्टहत्त की कीमत अब 97.50 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 99.50 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है, जबकि रसोई गैस के रूप में इस्तेमाल होने वाली क्कहत्त अब 51.50 रुपये प्रति स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर से बढ़कर करों सहित 53.50 रुपये प्रति क्यूबिक मीटर हो गयी है। यह नई दरें आज से ही प्रभावी हुई हैं। गौरतलब है कि ये पहली बार नहीं है जब टोरेंट गैस ने शहर में गैस की कीमतों में इजाफा किया है। इससे पहले इसी साल मई के महीने में भी सीएनज और पीएनजी के दाम बढ़ाए गए थे। इस बार की 2 रुपये की बढ़ोतरी के साथ, कंपनी ने कम समय में दूसरी बार गैस की कीमतों में वृद्धि की है, जिससे उपभोक्ताओं पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। गैस की कीमतों में इस बढ़ोतरी का सीधा असर जयपुर के हजारों घरों पर पड़ेगा जो खाना पकाने के लिए पीएनजी का इस्तेमाल करते हैं। वहीं उन निजी वाहनों के मालिकों के लिए भी यह खबर चिंताजनक है। जिन लोगों के पास सीएनजी से चलने वाली गाड़ियां हैं, उन्हें अब ईंधन के लिए प्रति किलो 2 रुपये अधिक चुकाने होंगे।

बैंक एसडी पर मिलने वाले ब्याज को अपनी मर्जी से कम नहीं कर सकता

हाई कोर्ट ने कहा- बैंक के पास ब्याज कम करने का वैध कारण होना जरूरी

नई दिल्ली।

दिल्ली हाईकोर्ट ने हाल ही में फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) को लेकर एक फैसला सुनाया है, जिसके तहत अगर किसी एफडी को कोर्ट के आदेश पर बनाया गया है, तो बैंक उस पर मिलने वाले ब्याज को अपनी मर्जी से कम नहीं कर सकता।

कोर्ट ने कहा कि बैंक के पास ब्याज कम करने के लिए कोई वैध कारण होना जरूरी है। यह मामला हीरो एक्सपोर्ट्स और टिफिन्स बैरीट्स, एस्बेस्टोस एंड पेंट्स लिमिटेड के बीच चल रहे विवाद से जुड़ा था, जिसमें कोर्ट के आदेश पर 5.89 करोड़ रुपए की एफडी नैटवेस्ट मार्केट्स पीएलसी में बनाई गई थी।

शुरुआत में इस एफडी पर 7.75फीसदी से 8.25फीसदी तक ब्याज मिलता रहा, लेकिन 30 जनवरी 2018 से बैंक ने ब्याज दर घटाकर 3.5फीसदी कर दी। हीरो एक्सपोर्ट्स ने इस कटौती का विरोध किया और मामला कोर्ट पहुंच गया।

मई 2019 में, हाईकोर्ट के एक सिंगल जज ने बैंक को पूरी रकम हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के पास जमा करने और 30 जनवरी 2018 से मिलने वाले ब्याज की गणना पिछले तीन साल में लागू रही औसत ब्याज दर के आधार पर करने का आदेश दिया।

नैटवेस्ट मार्केट्स पीएलसी ने इस फैसले को चुनौती दी और तर्क दिया कि आरबीआई नियमों के तहत कमर्शियल बैंकों को घरेलू टर्म डिपॉजिट की ब्याज दर तय करने की आजादी है। बैंक ने यह भी कहा कि एफडी की अवधि पूरी होने और उसे दोबारा न बढ़ाने पर उस रकम पर सेविंग अकाउंट की ब्याज दर मिल सकती है। हालांकि, जस्टिस अवनीश झिंगन और जस्टिस शैल जैन की बेंच ने बैंक की इन दलीलों को नहीं माना और नैटवेस्ट की अपील खारिज कर दी। कोर्ट ने बैंक को 5.89 करोड़ रुपए की एफडी पर ज्यादा ब्याज देने का निर्देश दिया, जिससे बैंकों की मनमानी पर लगाम लग लगी।

भारत में सितंबर में ऑटो रिटेल बिक्री 31.8 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 25.37 लाख

मुंबई ।

त्यौहारी मांग और बीते साल के कम आधार के चलते सितंबर में भारत की ऑटोमोबाइल रिटेल बिक्री में जोरदार उछाल दर्ज हुआ है।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के जारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में कुल वाहन बिक्री सालाना आधार पर 31.82 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 25,36,920 इकाई पहुंच गई। अगस्त की तुलना में भी बिक्री में 4.69 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई।

फाडा ने कहा कि सितंबर उद्योग के लिए अब तक का सबसे बेहतर महीना रहा। हालांकि, सालाना वृद्धि को सितंबर 2025 के कम आधार के संदर्भ में देखना चाहिए। बीते साल जीएसटी 2.0 लागू होने से पहले ग्राहकों ने खरीदारी टाल दी थी, जिससे बिक्री प्रभावित हुई थी। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में कुल ऑटो रिटेल बिक्री 1,55,12,319 इकाई रही, जो पिछले साल की समान अवधि से 20.77 प्रतिशत अधिक है। श्रेणीवार आंकड़ों में दोपहिया वाहनों की बिक्री 33.08 प्रतिशत बढ़कर 17,90,188 इकाई रही। यात्री वाहनों की बिक्री 32.10 प्रतिशत बढ़कर 4,27,213 इकाई पहुंच गई।

विनिर्माण क्षेत्र में दूसरी तिमाही में सुधार- फिक्की सर्वेक्षण

नई दिल्ली ।

भारतीय विनिर्माण क्षेत्र ने जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है, जिसमें कंपनियों के उत्पादन और क्षमता उपयोग में बढ़ोतरी देखी गई है।

उद्योग मंडल फिक्की द्वारा मंगलवार को जारी एक सर्वेक्षण में यह जानकारी सामने आई है। सर्वेक्षण में लगभग 225 कंपनियों को शामिल किया गया, जिसमें वाहन, पूंजीगत उत्पाद, रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स, धातु और वस्त्र जैसे नौ प्रमुख क्षेत्र शामिल थे। रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 95 प्रतिशत विनिर्माताओं ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उत्पादन का स्तर पिछली तिमाही (अप्रैल-जून) के मुकाबले अधिक या समान रहने की जानकारी दी है, जो पहली तिमाही के 77 प्रतिशत से काफी बेहतर है। फिक्की ने कहा कि यह सुधार पश्चिम एशिया संकट से उबरने के संकेतों के बीच आया है। मांग के मोर्चे पर भी सकारात्मक रुख दिखा, जहां 90 प्रतिशत कंपनियों ने ऑर्डर का स्तर अधिक या समान बताया, जबकि पिछली तिमाही में यह आंकड़ा 77 प्रतिशत था। विनिर्माण क्षेत्र में औसत क्षमता उपयोग भी पहली तिमाही के 72 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 75 प्रतिशत हो गया है। निर्यात के मोर्चे पर भी सुधार देखने को मिला, जहां लगभग 80 प्रतिशत कंपनियों ने पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले निर्यात का स्तर अधिक या समान रहने की जानकारी दी, जो पहली तिमाही के 74 प्रतिशत से अधिक है।

फिक्की ने इसे सरकार और उद्योग के निर्यात विविधीकरण प्रयासों का सकारात्मक परिणाम बताया। रोजगार के मोर्चे पर भी आशाजनक संकेत मिले हैं, जिसमें करीब 43 प्रतिशत कंपनियों ने अगले तीन महीनों में अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती की योजना बनाई है, जो पिछली तिमाही के 35 प्रतिशत से अधिक है।

हालांकि, विनिर्माताओं पर उत्पादन लागत का दबाव बढ़ा है, जिसमें लगभग 83 प्रतिशत कंपनियों ने बिक्री के प्रतिशत के रूप में उत्पादन लागत बढ़ने की जानकारी दी, जबकि जून तिमाही में यह अनुपात 79 प्रतिशत था। दूसरी तिमाही में विनिर्माताओं द्वारा चुकाई गई औसत ब्याज दर 8.9 प्रतिशत से बढ़कर 9.1 प्रतिशत हो गई।

फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉल कैप फंड का एयूएम 31 अगस्त तक 14,000 करोड़ के पार

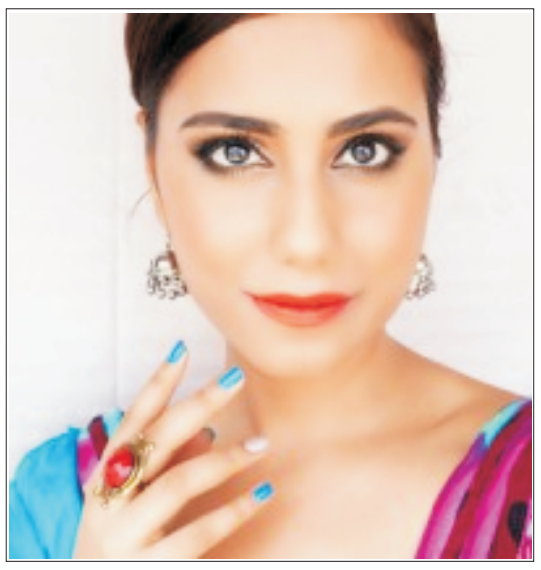
पिछले 15 साल में बेंचमार्क निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया

निई दिल्ली।

फ्रैंकलिन टेंपलटन के फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉल कैप फंड का एसेट अंडर मैनेजमेंट 31 अगस्त 2026 तक 14,000 करोड़ के आंकड़े को पार कर गया। करीब 20 साल पुराने इस फंड ने मजबूत कारोबारी मॉडल और आगे बढ़ने की क्षमता वाली स्मॉल कैप कंपनियों की पहचान पर ध्यान केंद्रित किया है। फंड ने पिछले 15 साल और अपनी शुरुआत से अब तक बेंचमार्क निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया है।

31 अगस्त 2026 तक फंड का 15 साल का सालाना रिटर्न 19.03 फीसदी रहा, जबकि इसी अवधि में निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स का रिटर्न 15.75 फीसदी था। अल्पावधि में फंड का प्रदर्शन बेंचमार्क से थोड़ा पीछे रहा है। पिछले तीन साल में फंड ने 12.82 फीसदी, पांच साल में 16.49 फीसदी और 10 साल में 14.25 फीसदी रिटर्न दिया, जबकि बेंचमार्क ने इन्हीं अवधियों में क्रमशः 16.15 फीसदी, 16.55 फीसदी और 14.84 फीसदी रिटर्न दिया। आंकड़ों के मुताबिक योजना की शुरुआत के समय किया गया 10,000 रुपए का एकमुश्त निवेश अगस्त 2026 के अंत तक बढ़कर करीब 1.79 लाख रुपए हो गया। वहीं, पिछले 15 साल तक हर महीने 10,000 रुपए का एसआईपी करने पर निवेश की रकम करीब 81.32 लाख रुपए हो गई। फंड के पोर्टफोलियो मैनेजर अखिल कल्लूरी हैं।

बता दें फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉल कैप फंड मुख्य रूप से छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करती है, जिसमें 65 से 100 फीसदी तक का आवंटन किया जा सकता है। फंड अपनी निवेश रणनीति को लागू करने या पोर्टफोलियो के जोखिम को संभालने के लिए इंडेक्स फ्यूचर्स, स्टॉक फ्यूचर्स और ऑप्शंस जैसे डेरिवेटिव का भी इस्तेमाल कर सकता है।



त्योहार पर पाएं दमकती त्वचा





त्योहार के समय वातावरण खुशनुमा, आनंदित और उर्जापूर्ण होता है। बच्चे, बूढ़े, जवान, महिलाएं, पुरुष सब नए-नए वस्त्र पहनकर जश्न मनाने के मूड में होते हैं और एक दूसरे के साथ उपहार का आदान-प्रदान करते रहते हैं साथ हीं साथ पूजा आराधना भी करते हैं।

त्योहार के समय अच्छे-अच्छे कपड़े तो लोगों को तुरंत और दुकानों पर उपलब्ध हो जाते हैं और उन कपड़ों को पहनने के बाद भी कई महिलाओं को लगता है की उनकी त्वचा रुखी सूखी है जिसकी वजह से उन्हें अपनी सुन्दरता में कमी नजर आती है। और उनके मन के कोने में हमेशा यह बात बैठी रहती है जिसकी वजह से उनके त्योहार का मजा किरकिरा होने लगता है। जी हाँ! यदि आपकी त्वचा चमकती हुई नहीं है या उनमें रूखापन है तो आपको हमेशा यह डर भी सताता रहेगा की इससे कही आपकी सुन्दरता में कमी न आ जाये। इससे आपका आत्मविश्वास भी कम होगा। जबकि दमकती त्वचा आपकी सुन्दरता में चार चाँद लगा देगी। तो अगर आप घरेलू उपाय से कम से कम समय में त्वचा में निखार पाना चाहती हैं तो नीचे दिए गए उपायों पर अमल करें।

घरेलू प्रयोग

अपनी त्वचा को नियमित रूप से साफ़ करने के लिए जई, जिसे अंग्रेजी में ओट्स कहते हैं, को दूध या दही में मिलाकर घोल बना लें और उसे अपने चेहरे पर मलें । करीबन 10 मिनट बाद उसे धो दें और एक नर्म तौलिये से उसे सुखा दें।

जिनकी त्वचा शुष्क होती है, उन्हें दूध या दही, और ग्लिसरीन और शहद के साथ बादाम चूरा मिलाकर लगाना चाहिए। बादाम और शहद बहुत ही बढ़िया मॉइसचराईज़र होते हैं।

मौसमी फलों का लाभ उठाएं। नारंगियां सौम्य ब्लीचिंग एजेंट होती हैं और स्ट्राबैरी त्वचा के तेल पर नियंत्रण रखती हैं।

त्वचा में पाए गए खुले छिद्र पूरी तरह से बंद नहीं किये जा सकते पर सिकोड़े ज़रूर जा सकते हैं और वह इस तरह अंडे के सफ़ेद भाग और शहद का घोल बनाकर अपने चेहरे पर मलें और 10 मिनट बाद उसे धो डालें। इससे त्वचा में खुले हुए छिद्र सिकुड़ और कस जायेंगे। और चेहरे के महीन बाल भी गायब हो जायेंगे।

पेशेवर उपचार

अगर आपके पास ऊपर बताये गए नुस्खों के लिए समय नहीं है, तो आप किसी स्पा यानि कि स्वास्थ्य केंद्र की सहायता ले सकती हैं।

आजकल कई स्पा आपके सौंदर्य में चार चांद लगाने के लिए 24 कैरेट स्वर्ण भस्म और नैसर्गिक सामग्रियां जैसे कि दूध, नींबू और चॉकलेट या गुलाब का प्रयोग करते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि त्योहार से कम से कम 15 दिन पहले सौंदर्य उपचार कराना चाहिए ताकि त्योहार पर त्वचा की बढ़ी हुई दमक लोग देखते ही रह जाएं।

आपको अपनी इस नई दमकती त्वचा के सौंदर्य को बनाये रखने के लिए, सन स्क्त्रीन का भी उपयोग करना चाहिए। आप अपनी त्वचा को नम रखें, ताकि सौन्दर्य उपचार का प्रभाव लंबे समय तक बना रहे।

पूरे शरीर को सुंदर और कोमल बनाने के लिए हल्दी, अच्छे चन्दन के चूरे और दूध का घोल बनाकर अपने पूरे शरीर पर मल दें और एक तौलिये से लपेट लें और करीबन एक घटे के बाद नहा लें।

यह बॉडी रैप न सिर्फ आपकी त्वचा को आभा प्रदान करता है, बल्कि उसके छिद्रों को भी साफ़ कर देता है। इसके बाद आप अमरुद के गूदे और दही का घोल बनाकर अपने चेहरे पर मल दें और थोड़ी देर बाद धो दें। इससे आपके चेहरे पर रह गए हल्दी के दाग गायब हो जायेंगे। या फिर गाजर के गूदे और दही का घोल बनाकर पूरे शरीर पर मल दें। इससे भी आपके शरीर पर से हल्दी के बचे खुचे निशान मिट जायेंगे।

सफेद बालों से पाएं छुटकारा

सफेद बाल, अगर आप उसका अंगिकार करते हैं सुरुचिपूर्ण और स्टाइलिश हो सकते है। यह व्यक्ति की पसंद पर निर्भर करता है। अगर कोई व्यक्ति सफेद बालों को दिखाना पसंद नहीं करता है, तो वैकल्पिक रूप से उसे छिपा सकते है। यहां सफेद बालों के संकट को हल करने के लिए कुछ सुझाव दिए गए हैं

किसी की उम्र 16 हैं या 60 साल की है, सफेद बाल हमेशा किसी या अन्य दिन अचानक प्रकट हो सकते हैं। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, बालों में रंगद्रव्य उत्पादन करने वाले पदार्थ कम होते है, और बालों को किसी भी रंग के बिना छोड़ते है। यह भूरे या सफेद बाल उनके साथ कुछ नई चुनौतियों लाते है, हालाकि इसपर आसान समाधान उपलब्ध हैं और आपके बालों को कुछ



स्टाइलिश और आकर्षक बना सकते हैं।

कुछ लोग केवल कुछ बाल सफेद होने की समस्या का सामना करते हैं, लेकिन यह सफेद हुए बाल भी ऐसे जगह दिखते है, जहां सबका ध्यान आकर्षित होता हैं। इन सफेद बालों के संकट को दूर करने का एक समाधान है, इन बालों को उखाड़ देना। क्योंकि सफेद बाल अधिक सूखे और भंगुर होते हैं, अगर कोई एक आकर्षक केश रचना करता है, तो भी वे काटे की तरह खड़े रह सकते हैं। इसलिए, अगर आपके ज्यादा बाल सफेद नही हैं, तो आपको उन्हें उखाड़ना चाहिए। इस आम धारणा के विपरीत, की अगर आप एक सफेद बाल उखाड़ेंगे तो उस जगह दो नये सफेद बाल उगेंगे। यदि आपके बाल जल्दी सफेद हो रहे है, तो जब भी आप बाल उखाड़ते है, तो ऐसा लग सकता है, की सफेद बालों की संख्या हर बार आपके बाल उखाड़ने पर बढ़ रही है, लेकिन ऐसा नही है, चाहे आप पहले बाल उखाड़े या नही उनका बढ़ना शुरु रहेगा।

कुछ ऐसे मामले है, जहा लोगों को सफेद बालों को रंगने में समस्या का सामना करना पड़ता हैं। चाहे आप अपने बालों को खुद रंगाए या एक पेशेवर से रंगाए, स्टाइलिस्ट आपको आपके लिए क्या सबसे अच्छा रहेगा इस पर सुझाव दे सकते हैं। आपके रंगों की पसंद के बारे में अपने स्टाइलिस्ट से बात करें, बाजार में कई प्रकार के रंग आज उपलब्ध हैं, कई महिलाओं को उनके प्राकृतिक बालों के रंग से एक या दो शेड हल्का गहरा रंग आसानी से मिल सकता हैं। जैसा कि पहले उल्लेख किया है, अगर आपके सफेद बाल उखाड़ने से परे बहुत ज्यादा व्यापक है, लेकिन समान रूप से वितरित है और आपके बालों का प्राकृतिक रंग अभी भी प्रमुख है, तो स्टाइलिस्ट आपके सफेद बालों को अलग से रंग कर हायलाइट या लोलाईट करके मिश्रित कर सकते है।

कभी कभी, सफेद बालों के संकट के साथ लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि वह सालों तक बालों को छुपाते है। और अब क्योंकि लगभग सभी बाल सफेद हो जाते हैं, उनको उन्हे अपने प्राकृतिक रंग में बनाने की इच्छा होती हैं। इस के लिए एक समाधान है, कि जब सफेद बालों कों वास्तव में रंग का अभाव होता है, तब आपके सफेद बालों को रंगना और अधिक मुश्किल होगा। इसलिए, आप रंगों के शेड में कृत्रिमक बदलाव कर सकते है, जब आपके सफेद बाल बढ़ते है, तब सफेद बालों को रंगानें वाले साधनों का धीर-धीरे इस्तेमाल करे। वैकल्पिक रुप में आप बालों की जडों पर अस्थायी या अर्ध स्थायी रंगों से रंग सकते हैं। यहां आपकी मदद करने वाले उत्पाद आपके सफेद बालो को छुपाएंगे और बहुत बार शैंपू कर के रंग निकालने के बजाय और एक बार धोने से रंग के निकल जाने के बाद आप तय कर सकते हैं कि क्या आपको किसी अन्य अनुप्रयोग की आवश्यकता है। आप जिसका भी चुनाव करे, एक कम समय की केश रचना परिवर्तन समय को कम करने में मदद करेगी।



हर दिन लगे ब्यूटीफुल

खूबसूरत दिखना हर किसी की प्राथमिकता नहीं हो सकती। अगर आपके पास हर दिन अच्छी तरह तैयार होने का समय नहीं होता है तो कम से कम इतना तो आप तय कर सकती हैं, कोई ऐसी कमी न रह जाए जो आपके पूरे रूप को खराब कर दे। मसलन जिस दिन आप तैयार हों, मेकअप तो कर लें लेकिन नाखूनों पर लगी उखडी हुई नेलपॉलिश हटाना भूल जाएं। ऐसी ही छोटी-छोटी गलतिया हम जाने-अनजाने कर जाते हैं जो हमारे सौंदर्य पर ग्रहण लगा देती हैं। सौंदर्य विशेषज्ञा विद्या टिकारी के अनुसार मेकअप का बेसिक तरीका हर किसी के लिए जानना जरूरी है। यहा वह आपको ऐसी ही कुछ छोटी-छोटी लेकिन महत्वपूर्ण बातें बता रही हैं जिन्हें अपनाकर आप हमेशा स्मार्ट और सुंदर दिख सकती हैं।



उखडी हुई नेलपॉलिश

नाखूनों पर लगी उखडी हुई नेलपॉलिश यह दर्शाती है, कि आप अपने सौंदर्य के प्रति जरा भी सचेत नहीं है। या तो आप नई नेल पॉलिश लगाएं या फिर रिमूवर से नाखून साफ करके यूं ही छोड दें। लेकिन आधी-अधूरी उखडी हुई नेलपॉलिश आपकी छवि को खराब कर देती है। अगर आपका नेल रिमूवर खत्म हो गया है, तो कोई भी डार्क शेड्स की नेलपॉलिश लगाने से पहले रिमूवर की बॉटल जरूर खरीद लें। लगभग 3-4 दिन में आपकी नेलपॉलिश उखडने लगती है। ऐसे में या तो आप नेलपॉलिश का दूसरा कोट उसके ऊपर लगाएं या रिमूवर से साफ करके नई नेल पॉलिश लगाएं। अगर आपके पास बार-बार नेलपॉलिश हटाकर दूसरी लगाने का समय नहीं होता है, या आप इस ओर ध्यान नहीं दे पाती हैं, तो बेहतर होगा कि आप हमेशा लाइट शेड वाली नेल पॉलिश चुनें। ताकि उखडने पर लोगों का ध्यान उस तरफ न जाए।

सफेद बाल

अगर आपके बाल सफेद होना शुरू हो गए हैं और आप अपने बालों में नियमित रूप से हेयर कलर का प्रयोग करती हैं, तो यह बहुत जरूरी है कि हेयर कलर आपके बालों की जड़ों के पास जरूर लगा हो। वरना सिर की त्वचा के पास दिखने वाले सफेद बाल आपके लुक को खराब कर देते हैं। इसलिए इस बात का भी ध्यान रखें कि बालों की जडों के पास हमेशा गहरा काला रंग न लगाएं। ताकि अगर कभी हेयर कलर कराने में देर हो जाए तो वहा आए सफेद बाल बहुत अधिक खराब न लगें। बेहतर होगा कि आप दो शेड के हेयर कलर चुनें। ताकि यह स्ट्रीक्ड इफेक्ट दे। यह विकल्प अपने बालों के प्राकृतिक रंग से मेल खाता जेट ब्लैक कलर चुनने से अधिक बेहतर होगा। बाजार में तमाम शेड्स के हेयर कलर उपलब्ध हैं, अपनी स्किन टोन से मेल खाता कोई भी कलर आप चुन सकती हैं। यह सफेद बाल नजर आने से बेहतर होगा। ब्राउन और माहोगनी शेड्स आसानी से चुनें जा सकते हैं। कभी माहोगनी और कभी ब्राउन कलर कराएं। ताकि ग्रे हेयर लोगों को नजर न आएं।

रूखे, बिखरे बाल

रूखे, बेजान व बिखरे बालों की देखभाल के तमाम उपाय बाजार में उपलब्ध हैं। लेकिन आप तब भी उन्हें नहीं अपनाती तो यह आपकी गलती है। बाल हर स्त्री की क्त्राउनिंग ग्लोरी होते हैं। कम से कम इन्हें सही तो रखें। ऐसे बालों को कभी भी खोलकर न रखें। अत्यधिक रूखे बालों को सही अवस्था में करने के लिए थोडे से पानी में 3-4 बूंद तेल मिलाकर बालों में लगाएं और फिर पोनी बाध लें। इससे वे संवरे और साफ नजर आएंगे। इसी तरह अगर आपके बाल लंबे, घुंघराले व नीचे से पतले हैं तो सिरों को बिना कर्ल किए उन्हें खुला न छोडें। यह बालों को सिरे से एक सपोर्ट देता है।

फैली हुई लिपस्टिक

फैली हुई लिपस्टिक आपके लुक को खराब तो करती ही है, आप कितनी लापरवाह हैं, यह भी दर्शाती है। अगर आपके होंठों में लिपस्टिक अधिक देर तक नहीं टिक पाती, या आप लिपस्टिक खा जाती हैं तो हमेशा क्त्रीमी मैट वाली लाइट शेड की लिपस्टिक चुनें। लगाने से पहले होंठों पर हलका सा फाउंडेशन लगाएं। मैट लिप लाइनर से आउटलाइन बनाएं फिर होंठों को भरें।

बिगडी हुई आइब्रोज

शार्प आईब्रोज का असर जबरदस्त होता है। अगर आपकी ग्रोथ अच्छी है तो नियमित रूप से बनवाना बेहद आवश्यक है। आप कितना ही अच्छा मेकअप कर लें, अगर आइब्रो सही शेप में नहीं हैं तो अच्छा नहीं लगेगा।

अपर लिप

अगर आपके अपर लिप पर काफी बाल हैं और थ्रेडिंग कराने के बाद उस भाग पर हरापन या लाली रहती है तो कंसीलर से उसे छिपाना न भूलें। अगर आपके बाल अत्यधिक हैं तो अपर लिप एरिया में थ्रेडिंग, वैक्स या ब्लीच जरूर कराएं। आप चाहें तो इसे लेजर के जरिये पर्मानेंट हटा सकती हैं। छोटी-छोटी गलतियों से आपका सौंदर्य प्रभावित हो सकता है, इस बात का हमेशा ध्यान रखें। खुद में सुंदरता का एहसास करें और अपने सौंदर्य को संवारने का प्रयास करें।

मंधाना के लिए नई नहीं है कप्तानी: पहले भी संभाली है महिला टीम की कमान



नई दिल्ली। स्मृति मंधाना को भारतीय महिला क्रिकेट टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है। मंधाना हरमनप्रीत कौर की जगह लेंगी और जिम्बाब्वे के खिलाफ सीमित ओवर सीरीज से उनके कार्यकाल का आगाज होगा। मंधाना के लिए कप्तानी हालांकि, नई नहीं है। वह इससे पहले भी कुछ मौकों पर भारतीय महिला टीम की कमान संभाल चुकी हैं। साल 2013 से भारतीय टीम का हिस्सा रहीं मंधाना वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय को मिलाकर कुल 22 मैचों में टीम की कमान संभाल चुकी हैं। मंधाना का रिकॉर्ड वनडे में कप्तान के तौर पर शानदार रहा है। उन्होंने कुल चार वनडे मुकाबलों में टीम की कप्तानी की है और सभी में जीत दिलाई है। वहीं, टी20 में भी मंधाना का रिकॉर्ड दमदार रहा है। उन्होंने कुल 18 मैचों में टीम की अगुआई की है, जिसमें से 11 मुकाबलों में टीम को जीत मिली है, जबकि सिर्फ छह मैचों में हार का सामना करना पड़ा है।

डब्ल्यूपीएल में दो बार जीत चुकी हैं खिताब

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में भी स्मृति मंधाना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को दो बार अपनी कप्तानी में चैंपियन बना चुकी हैं। उन्होंने 35 मैचों में आरसीबी की कमान संभाली है, जिसमें से टीम को 18 में जीत नसीब हुई है, तो 17 मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। यानी मंधाना के पास कप्तानी का अच्छा खास अनुभव मौजूद है। खास बात यह है कि स्मृति लंबे समय से हरमनप्रीत कौर के कप्तान रहने पर उपकप्तान की जिम्मेदारी को संभाल रही थीं।

जिम्बाब्वे सीरीज से शुरू होगा कार्यकाल

स्मृति मंधाना बतौर कप्तान अपने कार्यकाल का आगाज जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज से करेंगी। इस सीरीज के लिए चुनी गई टीम में हरमनप्रीत कौर को भी जगह दी गई है। बतौर कप्तान हरमनप्रीत का अनुभव भी मंधाना के काम आएगा। हरमनप्रीत की उम्र 37 साल हो चुकी है और यही वजह है कि चयनकर्ता उनके रिटायरमेंट लेने से पहले मंधाना को कप्तान के तौर पर पूरी तरह से तैयार करना चाहते हैं।

सीनियर चयन समिति की बैठक में शामिल रहेंगे लक्ष्मण

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने मंगलवार को कहा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण भविष्य में सीनियर चयन समिति की सभी बैठकों में शामिल होंगे। वह गुवाहाटी में टी20 अंतरराष्ट्रीय और भारत ए टीम के चयन के लिए हुई बैठक में भी मौजूद थे। लक्ष्मण और अब पूर्व मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के बीच संवाद की स्पष्ट कमी रही थी। माना जाता है कि चोटिल खिलाड़ियों के बारे में सीओई की ओर से समयसीमा की जानकारी नहीं मिलने के कारण कई बार अप्रिय स्थिति पैदा हुई।



अर्जेंटीना की जर्सी में आखिरी बार मैदान पर उतरे मेसी, फैंस को दिया धन्यवाद, बोले-

काश... मैं पूरी जिंदगी अर्जेंटीना के लिए खेल पाता

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी आखिरी बार राष्ट्रीय टीम के लिए मैदान पर खेलने उतरे। मेसी के विदाई मैच में अर्जेंटीना का सामना बेनिन से हुआ जिसमें अर्जेंटीना ने 3-0 की जीत दर्ज की। मैच के बाद मेसी ने फैंस को संबोधित किया और विदाई भाषण दिया। मेसी ने इस दौरान अपने सफर को लेकर बात की और फैंस को लगातार उनका समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया।

मेसी के लिए यादगार रहा मुकाबला

लियोनल मेसी ने अर्जेंटीना के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मुकाबला यादगार अंदाज में खत्म किया। ब्यूनस आयर्स के मॉन्यूमेंटल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अर्जेंटीना ने बेनिन को 3-0 से हराया। मेसी ने टीम के तीनों गोल में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दो गोल में असिस्ट किया, जबकि एक गोल पेनल्टी पर खुद दागा। विदाई समारोह में लियोनल मेसी ने हाथ में माइक थामा तो पूरा स्टेडियम उनकी बात सुनने के लिए शांत हो गया। मेसी ने अर्जेंटीना की जर्सी में बिताए अपने सफर के मुश्किल दौर से लेकर जीती गई ट्रॉफियों तक को याद किया। मेसी ने कहा, 'काश, मैं पूरी जिंदगी अर्जेंटीना के लिए खेल पाता।' यह सुनते ही पूरा स्टेडियम तालियों और नारों से गूंज उठा। इसके बाद मेसी ने अपने साथियों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा इस जर्सी के लिए अपना सब कुछ दिया। मेसी ने कहा कि उनके साथियों ने उनका सपना पूरा करने में मदद की और विश्व कप, कोपा अमेरिका समेत कई बड़ी ट्रॉफियां जिताने में उनका साथ दिया। उन्होंने कहा, 'हमने गर्व के साथ खेला और हर टीम के खिलाफ मुकाबला किया। मुझे पता था कि मैं दिग्गजों से घिरा हुआ हूं।'

मेसी ने प्रशंसकों को कहा शुक्रिया

मेसी ने इसके बाद अर्जेंटीना के प्रशंसकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने अपने पूरे करियर में जहां भी कदम रखा, स्टेडियम हमेशा खचाखच भरे मिले। उन्होंने कहा, 'मैं इन सभी पलों के लिए आपका शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। मैं जहां भी गया, स्टेडियम भरा हुआ था। विश्व कप हो या कोपा अमेरिका, आप हर जगह मौजूद थे। हम जहां भी गए, ऐसा लगा जैसे अपने घर में खेल रहे हों।' मेसी ने कहा कि यहां खेलना उनके जीवन के सबसे खुशहाल पलों में से एक रहा और विश्व कप जीतने के बाद पहली बार खेलने की रात को वह कभी नहीं भूलेंगे।





अगरकर की विदाई बनी भुवी की वापसी का कारण

IPL में प्रदर्शन और चयन समीकरण की कहानी, शमी के लिए भी खुले दरवाजे!

मुंबई। भारतीय क्रिकेट में एक बार फिर भुवनेश्वर कुमार के नाम की चर्चा है। करीब चार साल तक राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के बाद 36 वर्षीय अनुभवी तेज गेंदबाज की भारतीय टी20 टीम में वापसी हो गई है। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ इस महीने होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। भुवनेश्वर की वापसी ऐसे समय हुई है, जब अजीत अगरकर चयन समिति के अध्यक्ष पद से हट चुके हैं और प्रज्ञान ओझा अंतरिम अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। माना जा रहा है कि अगरकर की मौजूदगी में भविष्य की ओर देखने की रणनीति के कारण भुवनेश्वर के लिए वापसी का रास्ता आसान नहीं था।

भुवनेश्वर ने 2025 और 2026 के आईपीएल सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए शानदार प्रदर्शन किया। इन दो सत्रों में उन्होंने कुल 45 विकेट लिए और टीम की लगातार दो आईपीएल खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई। 2025 में उन्होंने 17 विकेट हासिल किए, जबकि 2026 के सत्र में उनके खाते में 28 विकेट रहे। नई गेंद से स्विंग और सीम कराने की उनकी क्षमता ने एक बार फिर उन्हें चर्चा में ला दिया। पावरप्ले में उनकी गेंदबाजी ने कई शीर्ष बल्लेबाजों को परेशान किया। भुवनेश्वर को 2022 में भारतीय टीम से बाहर किए जाने के पीछे उनकी गति में कमी और गेंद को स्विंग कराने की क्षमता का कम होना बड़ी वजह माना गया था। उस दौर में टी20 क्रिकेट में युवा और तेज गेंदबाजों का दबदबा बढ़ रहा था। लेकिन भुवनेश्वर ने हार नहीं मानी। उन्होंने बिना किसी सार्वजनिक बयान या विवाद के अपनी गेंदबाजी पर काम जारी रखा। उत्तर प्रदेश के लिए सफेद गेंद के क्रिकेट में खेलते रहे और युवा गेंदबाजों के लिए भी मार्गदर्शक की भूमिका निभाई। इसके बाद आईपीएल में उनके प्रदर्शन ने साबित किया कि उनकी सबसे बड़ी ताकत आज भी गेंद को हवा में स्विंग कराने और सीम मूवमेंट हासिल करने की कला है।

इतिहास आपको याद रखेगा

अजीत अगरकर का सीनियर पुरुष चयन समिति के प्रमुख के तौर पर कार्यकाल समाप्त हो गया है। अगरकर अब आगे इस पद पर नहीं रहेंगे। अगरकर का कार्यकाल यादगार रहने के साथ ही विवादों में भी घिर रहा। अब भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अगरकर को सराहा है। गंभीर का कहना है कि इतिहास अगरकर के प्रति ज्यादा उदार रहेगा। अजीत अगरकर का मुख्य चयनकर्ता के रूप में कार्यकाल चार अक्तूबर को खत्म हो गया। इसके बाद गुवाहाटी में हुई टीम चयन बैठक में अगरकर मौजूद नहीं थे। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने फिलहाल चयन समिति के सदस्य और पूर्व भारतीय स्पिनर प्रज्ञान ओझा को कार्यवाही की जिम्मेदारी संभालने को कहा है। ओझा अब अंतरिम चीफ सेलेक्टर के तौर पर काम कर रहे हैं।



पूर्व भारतीय कप्तान बोले- संजू सैमसन और भी ज्यादा मौके मिलने के हकदार

खिलाड़ियों में असुरक्षा पैदा हो रही: गावस्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने मंगलवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए पहले मुकाबले में अपने अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर का पहला शतक लगाया। अय्यर ने मात्र 42 गेंदों पर शतक लगाया। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने श्रेयस अय्यर की जमकर तारीफ की है। गावस्कर ने जियोस्टार पर कहा, 'श्रेयस अय्यर की यह शानदार पारी थी। वह अजेय लग रहे थे, और वेस्टइंडीज के गेंदबाज चाहे किसी भी लाइन और लेंथ पर गेंद फेंकें, अय्यर के पास हर चीज का जवाब था। उन्होंने जो शॉट खेले, वे देखने लायक थे, खासकर रोमारियो शेफर्ड की गेंद पर अपर-कट, जिससे पता चला कि वह गंभीर थे। इस भारतीय टी20 टीम के कप्तान बनने के बाद से श्रेयस अय्यर का बल्ले से प्रदर्शन थोड़ा खराब रहा है। हाल के दिनों में, जीत मिली है, लेकिन बल्ले से उनका अपना फॉर्म चिंता का विषय था।

उन्होंने कहा, 'उनके लिए एक बड़ी पारी खेलना जरूरी था, और उन्होंने पहले टी20 में अच्छा किया। अय्यर ने रन चेज पर पूरा नियंत्रण रखा और बीच के ओवरों में तेजी से रन बनाते रहे। उन्होंने सिर्फ 28 गेंदों में अपने पचास रन पूरे किए और फिर पूरी तरह से गियर बदल दिया, सिर्फ 15 गेंदों के अंदर अगले 50 रन बनाकर 102 तक पहुंच गए। सोशल मीडिया पर श्रेयस की बैटिंग फॉर्म को लेकर सवाल उठ रहे थे। इस शतक ने उन सभी को चुप करा दिया है। यह पारी इस बात का पक्का संकेत है कि श्रेयस अय्यर अपने बेस्ट फॉर्म में वापस आ गए हैं। '



एक असफलता संजू के पुराने रिकॉर्ड से बड़ी नहीं होनी चाहिए

हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ लगाए थे दो अर्धशतक

पूर्व भारतीय कप्तान ने विकेटकीपर और सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन पर भी अपनी राय रखते हुए कहा, 'एक असफलता संजू के पुराने रिकॉर्ड से बड़ी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने हाल ही में इसी रोल में अफगानिस्तान के खिलाफ दो अर्धशतक लगाए थे। फिर एशियन गेम्स में उनका बुरा प्रदर्शन रहा, लेकिन वह वहां तीसरे नंबर पर बैटिंग कर रहे थे, इसलिए मैं सच में उन्हें दोष नहीं दूंगा। अब, वह वापस ओपनिंग करने आए हैं, और पहले टी20 में 11 रन बनाकर आउट हो गए। यह काफी नहीं है कि मैं संजू की जगह वैभव सूर्यवंशी को टीम में शामिल करूं। ' गावस्कर ने कहा, 'आपको एक खिलाड़ी को पूरा मौका देना चाहिए, खासकर उसे जो अभी-अभी उस रोल में वापस आया हो जिसमें वह सहज हो। एक कम स्कोर से कुछ नहीं बदलता। संजू ने दिखाया है कि वह टॉप ऑर्डर में क्या कर सकते हैं और वह लंबे समय तक खेलने के हकदार हैं। वैभव एक स्पेशल टैलेंट हैं, और उनका समय आएगा, लेकिन अभी के लिए, संजू वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में ओपनिंग करने के लिए सही आदमी हैं। आप हर गेम के बाद लगातार बदलाव नहीं कर सकते। इससे ड्रेसिंग रूम में असुरक्षा पैदा होती है।

श्रेयस अय्यर ने तोड़ा विराट कोहली का रिकॉर्ड

लखनऊ। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मंगलवार को भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में 102 रन की नाबाद पारी खेली। 43 गेंदों में अय्यर ने छह छक्कों और 10 चौके लगाए। इस पारी के साथ ही अय्यर ने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी है। श्रेयस की इस दमदार पारी की मदद से भारत ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराया और सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली।

सर्वोच्च रन बनाने वाले चौथे भारतीय

श्रेयस अय्यर बतौर कप्तान टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीयों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। शीर्ष तीनों पारियां रोहित शर्मा के नाम हैं, जिन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद 121 रन, श्रीलंका के विरुद्ध 118 रन और वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 111 रन की पारियां खेली हैं। श्रेयस अकेले ऐसे भारतीय कप्तान हैं, जिन्होंने रन चेज करते हुए शतक लगाया।

ईशान के साथ रिकॉर्ड साझेदारी



टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरी पारी में बल्लेबाजी करते हुए किसी भारतीय कप्तान का पिछला सबसे बड़ा स्कोर 94* रन था, जो विराट कोहली ने 2019 में हैदराबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया था। अय्यर वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 क्रिकेट में शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय बन गए हैं। उनसे पहले रोहित शर्मा (111*) और केएल राहुल (110*) यह कारनामा कर चुके थे। इस पारी के दौरान अय्यर ने ईशान किशन के साथ 137 रन की अटूट साझेदारी की, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रन चेज के दौरान भारत के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इस मामले में यशस्वी जायसवाल-शुभमन गिल की जोड़ी शीर्ष पर है, जिसने वेस्टइंडीज के विरुद्ध साल 2023 में 165 रन जुटाए थे। वहीं, जायसवाल ने शुभमन गिल के साथ साल 2024 में जिम्बाब्वे के विरुद्ध 156* रन जोड़े थे। 137* रन की साझेदारी टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के लिए तीसरी विकेट की संयुक्त रूप से सबसे बड़ी साझेदारी है। इतने रन की साझेदारी ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव ने 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ की थी।



गिल शीर्ष पर बरकरार श्रेयस सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर

दुबई। भारत के टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर बुधवार को खेल के सबसे छोटे प्रारूप की ताजा आईसीसी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गए, जबकि वनडे कप्तान शुभमन गिल ने 50 ओवर की बल्लेबाजी सूची में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। अय्यर की 43 गेंदों पर 10 चौकों और छह छक्कों से सजी नाबाद 102 रन की पारी ने टी20 विश्व चैंपियन को मंगलवार को लखनऊ में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में आठ विकेट की शानदार जीत दिलाई।

श्रेयस को 18 पायदान का फायदा

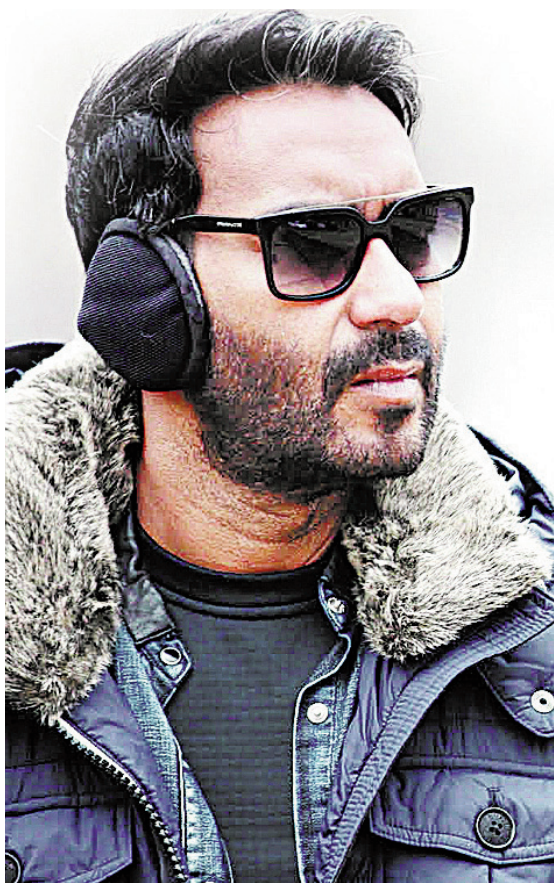
इस विस्फोटक पारी से अय्यर को 18 पायदान का फायदा हुआ जिससे वह इस प्रारूप में भारत के तीसरे सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग बल्लेबाज बन गए हैं। आईसीसी के अनुसार ईशान किशन और अभिषेक शर्मा शीर्ष दो स्थानों पर बने हुए हैं, जबकि तिलक वर्मा 10वें स्थान पर हैं जिससे भारत के चार बल्लेबाज शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं। 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आठ स्थान के फायदे से 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

कोहली तीसरे स्थान पर खिसके

वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शेरफान रदरफोर्ड की तेजतर्रार 56 रन की पारी ने उन्हें 10 पायदान के फायदे से 37वें स्थान पर पहुंचा दिया, जबकि पाकिस्तान के हसन नवाज (62 पायदान के फायदे से 48वें स्थान पर) एशियाई खेलों के बाद सूची में ऊपर बढ़े हैं। एशियाई खेलों के सेमीफाइनल और फाइनल में अबरार अहमद (29 रन देकर कोई विकेट नहीं और 29 रन देकर एक विकेट) के आंकड़े उन्हें गेंदबाजों में शीर्ष स्थान बरकरार रखने के लिए काफी नहीं थे। पूर्व कप्तान विराट कोहली दूसरे से तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में शानदार शतक के बाद केएल राहुल को सात पायदान का फायदा हुआ जिससे वह 10वें स्थान से शीर्ष 10 में वापस आ गए हैं।

राशिद की शीर्ष स्थान पर वापसी

लेग स्पिनर राशिद खान आठवीं बार शीर्ष पर लौटे हैं। भारत के बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल 16 पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए। वहीं, गिल ने गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे मैच में नाबाद 223 रन बनाने के बाद वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। यह वनडे प्रारूप में उनका दूसरा दोहरा शतक था जिसने उन्हें 25 रेटिंग अंक दिलाए और इस प्रदर्शन से उन्होंने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 841 रेटिंग अंकों की बराबरी की।



सीक्वल नहीं, किरदार चलते हैं

अजय देवगन इस वक्त अपनी अपकमिंग फिल्म 'दृश्यम 3' को लेकर चर्चा में हैं। अजय देवगन ने कहा- चाहे गोलमाल हो या दृश्यम हो, वहां विजय सलगांवकर या गोपाल या सिंघम चला है, लोग इन किरदारों से जुड़ते हैं, तभी आप सीक्वल बना सकते हैं। उन्होंने कहा है- मैंने इतने स्टंट किए हैं उसका असर अब नजर आता है, हड्डियां अब दर्द होती हैं।

हिंदी की टारगेट ऑडियंस पता नहीं

उन्होंने कहा, 'मैं किसी दूसरे सिनेमा का क्रेडिट कम नहीं कर रहा। आप पारंपरिक सिनेमा कहें या इंटरनैशनल, हर जगह फिल्म बनाना मुश्किल काम है, पर मुझे लगता है कि हिंदी फिल्म बनाना सबसे मुश्किल है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि आपको पता ही नहीं होता कि आपकी टारगेट ऑडियंस कौन है। जब आप पंजाबी, तेलुगु या तमिल फिल्म बनाते हैं, तो आपको अपना दर्शक वर्ग पता होता है, क्योंकि वह एक खास जगह के लिए बनाई जा रही है। आपको वहां के दर्शकों की नब्ज पता होती है तो आप उसी हिसाब से फिल्म बनाते हैं। जबकि, हिंदी में हर 80-90 किमी के बाद भाषा बदल जाती है, लोग की सोच बदल जाती है। यहां मास और क्लास का फर्क है। शहरी दर्शक, छोटे शहरों के दर्शक, सबअर्ब्स के दर्शक, तो होता क्या है कि एक वर्ग के दर्शकों को फिल्म पसंद आती है, तो दूसरे को नहीं आती, जिससे बिजनेस उतना बड़ा नहीं हो पाता। यहां हमें हर किसी को टारगेट करना पड़ता है, इसलिए मुझे लगता है कि हिंदी फिल्म लिखना और बनाना सबसे मुश्किल काम है।'

यहां दृश्यम के सीक्वल की सफलता पर बात करते हुएअजय देवगन ने कहा, 'मेरा मानना है कि सीक्वल नहीं किरदार चलते हैं। आप किसी भी सीक्वल को उठाकर देख लो, वो चाहे गोलमाल हो या दृश्यम हो, वहां विजय सलगांवकर या गोपाल या सिंघम चला है। जब लोग इन किरदारों से जुड़ते हैं, तभी आप सीक्वल बना सकते हैं। आप किसी फिल्म का सीक्वल सिर्फ इसलिए सीक्वल नहीं बना सकते क्योंकि वह बहुत कमाल की थी और लोगों ने उसे खूब पसंद किया। लोगों को उन किरदारों से प्यार होना चाहिए।'

किरदार से अटैच हुए तो पागल हो जाएंगे

क्या इतने लंबे समय तक एक किरदार को बार-बार निभाते हुए अजय उनसे अटैचमेंट भी महसूस करते हैं? इस सवाल पर उनका कहना था, 'नहीं, मैं किरदार के साथ अटैच नहीं होता हूं। हां, आप उस किरदार को पसंद करने लगते हैं लेकिन अगर ऐक्टर्स अपने किरदारों से अटैच होने लगेंगे तो वे पागल हो जाएंगे। तो आपको पता ही नहीं चलेगा कि आप असल जिंदगी में कौन हैं। आप अपनी असल जिंदगी में भी किरदार ही निभाने लगेंगे। तो आपको उससे डिटैच होना जरूरी है।'

उम्र का असर है, हड्डियां अब दर्द होती हैं

मुझे भले ही एक्शन फिल्मों के लिए जाना जाता रहा हो। इस फिल्म में भले ही मैंने एक्शन ना किया हो लेकिन उम्र के साथ एक ठहराव और आत्मविश्वास आया है। इसलिए किरदार वही है, लेकिन उसे निभाने का तरीका थोड़ा अलग महसूस हो सकता है। पर यहां मैं कहना चाहूंगा कि बेशक चेहरे से उम्र का पता नहीं चलता लेकिन जब आप जब सुबह सोकर उठते हैं हड्डियां दर्द होती हैं तो उम्र का पता चलता है। पहले जो मैंने इतने स्टंट किए हैं उसका असर अब नजर आता है।

ऑडियंस हमसे आगे निकल चुकी है

बदलते वक्त के साथ खुद को री-इन्वेंट करने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम खुद को री-इन्वेंट कर रहे हैं। असल में हम दर्शकों की सोच के साथ बस कदमताल करने की कोशिश कर रहे हैं। कोविड महामारी के बाद हमें यह समझ में आया कि उस दौरान जब दर्शक घरों में बैठे थे, उन्होंने इंटरनैशनल और हर भाषा का भारतीय सिनेमा खूब देखा। फिर जब चीजें सामान्य हुईं और हमने दोबारा फिल्में रिलीज करनी शुरू कीं तो हमें अहसास हुआ कि दर्शक हमसे काफी आगे निकल चुके हैं और अब हमें उनके साथ कदम मिलाने की जरूरत है। हम वही कोशिश कर रहे हैं और दर्शक जिस तेजी से बदल रहे हैं, उनके साथ कदम मिलाना मुश्किल है। वे लगातार आगे बढ़ रहे हैं। इसलिए हमें लगातार सुधार करना होगा, सीखना होगा और अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाना होगा, क्योंकि दर्शक हमसे ज्यादा समझदार हैं। हम उन्हें बेवकूफ नहीं बना सकते।'



भुवन बाम ने 'ढिंढोरा 2' बनाने के सफर और अपने जुड़ाव पर बात की

कंटेंट क्रिएटर और एक्टर भुवन बाम की पॉपुलर सीरीज 'ढिंढोरा' के दूसरे सीजन का दर्शक लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। 2021 में यूट्यूब पर रिलीज हुई इस सीरीज ने भुवन बाम के बनाए किरदारों को घर-घर तक पहुंचा दिया था। अब, 'ढिंढोरा 2' एक बड़े प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देने के लिए तैयार है। सीरीज की पहली झलक सामने आने के बाद फैंस के बीच इसे लेकर उत्साह और बढ़ गया है। सीरीज के अनुभव को लेकर भुवन ने कहा कि इस सीजन को स्क्रीन तक लाना उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं था। इसके लिए उन्हें कई ड्राफ्ट, जोक्स और स्टोरीलाइन पर बार-बार काम करना पड़ा। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में भुवन बाम ने 'ढिंढोरा 2' बनाने के सफर और अपने जुड़ाव के बारे में खुलकर बात की।

उन्होंने कहा, ''सीरीज 'ढिंढोरा' मेरे लिए बेहद खास है। इसके किरदार पिछले कई सालों में मेरे और दर्शकों के साथ-साथ बड़े हुए हैं। इसके सीजन 2 पर लंबे समय से काम चल रहा था और अब जब इसकी पहली झलक दर्शकों के सामने आई है, तो मेरे लिए यह पल काफी यादगार बन गया है।'' भुवन के कहा, ''ढिंढोरा 2' में पहले सीजन से ज्यादा पागलपन होगा, लेकिन इसकी सबसे जरूरी बात यह है कि इसमें उस दुनिया का पुराना मजा और अपनापन भी बना रहेगा। मैं नहीं चाहता कि बड़े प्लेटफॉर्म पर जाने की वजह से शो अपनी असली पहचान खो दे। इसलिए कहानी को बड़ा करने के साथ-साथ उन चीजों को भी संभालकर रखा गया है, जिनसे दर्शक पहले सीजन में जुड़े थे।''

उन्होंने कहा, ''सीजन 2 को तैयार करने के दौरान सबसे बड़ी चुनौती कहानी को लेकर थी। इस प्रोजेक्ट पर काम करते हुए कई ड्राफ्ट लिखे गए। सिर्फ कहानी ही नहीं, बल्कि कई जोक्स और स्टोरीलाइन को भी बार-बार बदला गया। मेरा मकसद यही था कि आखिर में जो कहानी दर्शकों तक पहुंचे, वह उन्हें सही लगे और मेरी मौजूदा सोच से भी जुड़ सके।''

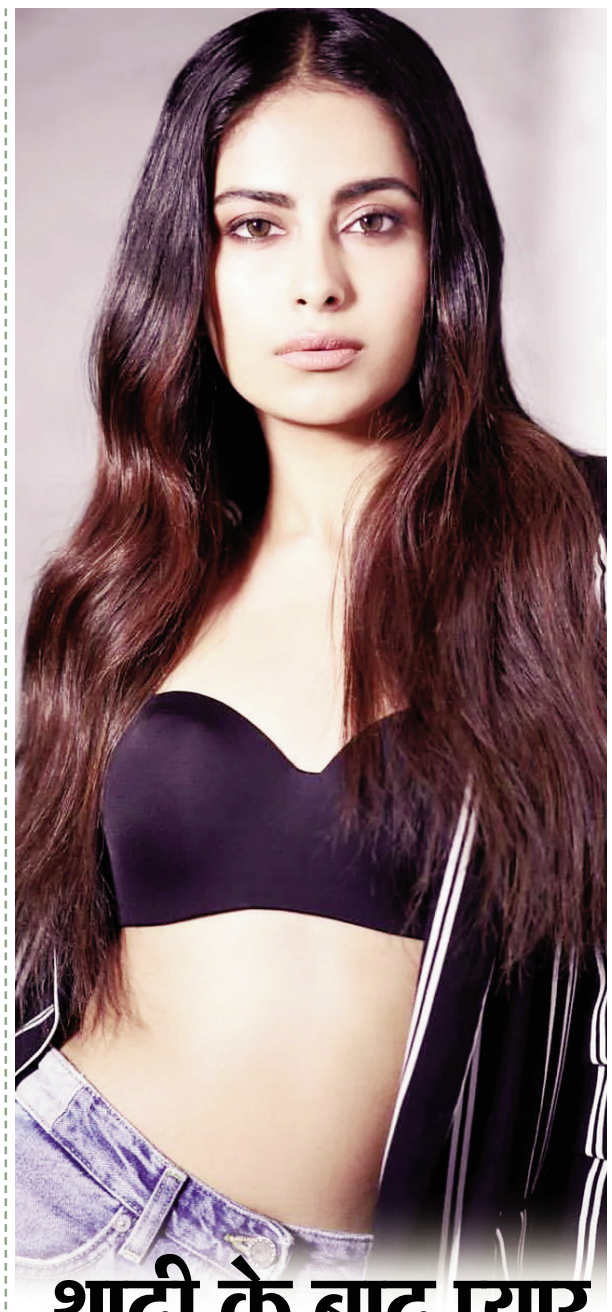
उन्होंने कहा, ''अब 'ढिंढोरा 2' जिस मुकाम पर पहुंचा है, वह आज की सोच और मैच्योरिटी से काफी जुड़ा हुआ है। सीरीज में कुछ ऐसे मुद्दों को भी छूने की कोशिश की गई है, जिन पर मैं खुद भरोसा करता हूं। मुझे उम्मीद हैं कि पुराने फैंस को इसमें वही अपनापन मिलेगा, जिसके लिए वह इस सीरीज को पसंद करते आए हैं। साथ ही नई ऑडियंस भी इस कहानी और इसके किरदारों से जुड़ पाएगी।''





काजी तौकीर के साथ लड़ाई पर ईशा रिखी ने दी सफाई

अभिनेत्री ईशा रिखी 'बिग बॉस-20' से बाहर आ चुकी है। बाहर आने के बाद उन्होंने बातचीत में कंटेस्टेंट काजी तौकीर के साथ अपनी दोस्ती पर भी अपनी बात रखी। ईशा ने कहा कि शुरुआत में काजी के साथ उनकी दोस्ती अच्छी थी लेकिन धीरे-धीरे वह दोस्ती एक अलग ही दिशा में चली गई। ईशा रिखी ने कहा, 'घर में हम कभी भी एक-दूसरे से नफरत नहीं करते थे। बस बात ये थी कि वो दो तरह की पर्सनैलिटी के साथ गेम खेल रहे थे और मैं उसे समझ नहीं पा रही थी। इसलिए मुझे उन्हें समझने में काफी समय लग गया। लोग एक घंटे का एपिसोड देख रहे थे लेकिन हम तो चौबीस घंटे साथ में रह रहे थे, सब कुछ देख रहे थे। यही कारण था कि मैं उन्हे न ही समझ पा रही थी और न ही उनसे कनेक्ट हो पा रही थी। इसी वजह से मैं उन्हें गलत जज कर रही थी या यूं कहूं कि मैं उन्हें समझ ही नहीं पा रही थी।' अभिनेत्री ने यह भी माना कि शो से बाहर आने के बाद काजी को उन्होंने एक अलग तरह से देखा। उन्होंने कहा, 'जब मैं शो से बाहर आई और उनके एपिसोड देखे, तो मैंने उन्हें अलग नजरिए से देखा। मुझे उनकी पर्सनैलिटी बहुत पसंद आई और मुझे ये बात अच्छी लगी कि वह लॉजिकल फाइट्स पर डटे रहे। उनके रिएक्शन लाउड थे, मुझे लगता है कि यह उनके लिए काम कर गया। तो शो में मुझे काजी बहुत पसंद आए। अभिनेत्री से पूछा, 'काजी के साथ आपकी लड़ाई आपकी जर्नी का एक बड़ा टॉकिंग पॉइंट बन गया। क्या आपको लगता है कि सिचुएशन को बेवजह बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया या आपको लगता है कि आप अलग तरह से रिएक्ट कर सकती थीं?' ईशा रिखी ने कहा, 'मुझे बस ऐसा लगता है कि असल में जो कुछ हुआ वह ठीस से सामने नहीं आया। जाहिर है, हमारे पास एक एपिसोड में लिमिटेड टाइम होता है। मैं कई बार अपनी तरफ की बात बता चुकी थी। मैंने साफ कर दिया है कि क्या हुआ था। दरअसल, कुछ समय बाद मेरी और काजी की अकेले में बात भी हुई थी और हमारे बीच जो भी गलतफहमियां थीं, वो दूर हो गईं।' उन्होंने कहा, 'शो में जाने के बाद कुछ लोग मुझे जानते थे, तो कुछ ने ऐसे दिखाया कि वे जानते ही नहीं है। हालांकि, मुझे नहीं लगता कि मैं इस बात को ज्यादा तवज्जो दूंगी। हां, अगर लोग मुझे उस नजर से जानते हैं, तो जाहिर है उन्हें मेरे साथ रहना था और मेरी पर्सनैलिटी को जानना था।



शादी के बाद प्यार को लेकर मेरी सोच बदल गई है

अभिनेत्री अविका गौर इस समय अपनी शादीशुदा जिंदगी का लुत्फ उठा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि शादी के बाद उनकी जिंदगी किस तरह बदल गई है और इससे उन्हें क्या सीखने को मिला है। अभिनेत्री ने बताया कि शादी ने उन्हें सिखाया है कि प्यार हमेशा बड़े-बड़े रोमांटिक जेस्चर में नहीं होता बल्कि एक-दूसरे को समझने और साथ रहने में होता है।

अभिनेत्री ने कहा, 'पहली साल मुझे समझ आया कि प्यार बड़े-बड़े जेस्चर से ज्यादा एक-दूसरे को समझने में है और ये समझना कि कब स्पेस देना, कब सुनना, कब बातों को हंसी में टाल देना है। सबसे जरूरी, यह जानना है कि भले ही आप किसी छोटी सी बात पर लड़ रहे हो, फिर भी आप एक ही टीम मे हैं।'

अभिनेत्री का मानना है कि एक दूसरे के साथ रहने का मतलब आम पलों में भी सुकून ढूंढना है। उन्होंने बताया, 'जैसे हम साथ में हैं, कुछ भी नहीं कर रहे हैं लेकिन फिर भी यह एहसास हो कि आप सही जगह पर हैं और हां, मैंने ये भी सीखा है कि कभी-कभी शांति बनाए रखने का सबसे अच्छा तरीका ये मान लेना है कि आप गलत हैं, भले ही आपके मन में बिल्कुल सही हो। कभी-कभी गहराई से सोचना न सिर्फ आपके रिश्ते को बेहतर बनाता है बल्कि आपको एक बेहतर इंसान भी बनाता है।'

अविका गौर ने यह भी बताया कि शादी के बाद प्यार को लेकर उनकी सोच कैसे बदल गई। उन्होंने कहा, 'बिल्कुल। शादी से पहले हम प्यार को बहुत रोमांटिक बना देते हैं, बड़े-बड़े पल, डेट्स, सरप्राइज, दिल की धड़कन बढ़ना। शादी के बाद समझ आता है कि प्यार ग्रोसरी लिस्ट में भी है, 400वीं बार ये तय करने में भी है कि डिनर में क्या खाना है, जिम्मेदारियां बांटने में और एक-दूसरे की अजीब आदतों को सहने में भी है।'

'हुंकार : द रोअर' की सफलता पर फातिमा सना शेख ने जताया आभार

हाल ही में रिलीज हुई 'हुंकार : द रोअर' को मिल रहे प्यार और तारीफों से फातिमा सना शेख बेहद खुश हैं। कोर्टरूम ड्रामा अपनी कहानी और मुद्दों को लेकर दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। ऐसे में फातिमा ने सोशल मीडिया पर शो के सेट से कुछ ब्लैक-तस्वीरें शेयर करते हुए शूटिंग के दिनों को याद किया। उन्होंने एक दिल से लिखा हुआ नोट भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने किरदार-इष्टक जसलीन सिंह सोइन के बारे में बात की। फातिमा ने लिखा, 'जसलीन का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा। शो बनाते वक्त शायद मुझे इस बात का अंदाजा नहीं था कि इसका लोगों पर इतना असर होगा या यह आज भी इतना प्रासंगिक लगेगा। जिस तरह हमारे देश में कई मीनू हैं, उसी तरह कई जसलीन भी हैं... ऐसे पुलिस अधिकारी जो सच में कुछ अच्छा करना चाहते हैं, लोगों की परवाह करते हैं और हर मुश्किल के बावजूद अपनी कोशिश जारी रखते हैं।' उन्होंने आगे लिखा, ''हुंकार' को मिल रहे इतने प्यार से मेरा दिल भर आया है। इसे देखने, इसे महसूस करने और इन जरूरी बातचीत का हिस्सा बनने के लिए आप सभी का शुक्रिया। और जिन्होंने अभी तक इसे नहीं देखा है, उनके लिए... यह जियोहॉस्टार पर स्ट्रीम हो रहा है।





'फर्जी 2' को लेकर काफी उत्साहित हूं

शाहिद कपूर स्टारर 'फर्जी 2' सीरीज को लेकर फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। अब एक्टर भुवन अरोड़ा ने सीरीज को लेकर बड़ा खुलासा किया है। एक्टर के इस अपडेट के बाद सीरीज के नए सीजन को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। हाल ही में इंटरव्यू में भुवन अरोड़ा ने 'फर्जी 2' को लेकर कहा कि वह इस सीरीज में वापस लौटने के लिए काफी एक्साइटेड हैं। उन्होंने बताया, 'मैं 'फर्जी 2' को लेकर बहुत उत्साहित हूं। हमारे हिस्से की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है। यह पहले से बड़ा, बेहतर और शानदार है और इस बार पागलपन भी निश्चित तौर पर ज्यादा होगा। मैं खुद को इस प्रोजेक्ट का हिस्सा होने पर काफी लकी महसूस करता हूं।' हालांकि, भुवन अरोड़ा ने सीरीज से जुड़ी ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि 'फर्जी' के बारे में विस्तार से बात करने का अभी एक और मौका आएगा।

फिर जेलर बनेंगे रितेश देशमुख और फराह खान



पहले सीजन से दर्शकों का मनोरंजन करने के बाद अब यह शो 'लॉक अप: सच या सजा' नेटफ्लिक्स पर नए सीजन के साथ लौटेगा। दूसरे सीजन का अनाउंसमेंट हो गया है, जिसके बाद फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' में एक बार फिर रितेश देशमुख और फराह खान जेलर की भूमिका में नजर आएंगे। दूसरे सीजन में नए कंटेस्टेंट्स जेल के अंदर एंट्री लेंगे। शो का फॉर्मेट पहले सीजन की तरह ही रहेगा। इसमें कंटेस्टेंट्स को जेल के अंदर रहना होगा, अलग-अलग टास्क करने होंगे और अपनी निजी जिंदगी से जुड़े सवालों का भी सामना करना होगा। इस शो को एकता कपूर, शोभा कपूर और मनीषा शर्मा ने प्रोड्यूस किया है। पहले सीजन को दर्शकों के बीच काफी चर्चा मिली थी। नेटफ्लिक्स के मुताबिक, शो को सोशल मीडिया और लोगों के बीच चर्चा के जरिए 5 अरब से ज्यादा व्यूज मिले थे। शो के कई पल सोशल मीडिया पर भी काफी चर्चा में रहे थे। 'लॉक अप: सच या सजा' के दूसरे सीजन को मलाया प्रधान शो रन कर रही हैं। यह शो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक दूसरे सीजन के कंटेस्टेंट्स के नाम और शो की प्रीमियर डेट का एलान नहीं किया है।



सीमापुरी में हादसे के बाद मचा हड़कंप, पुलिस-दमकल की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटीं; 2 से 3 लोगों के अब भी अंदर फंसे होने की सूचना

दिल्ली में बहुमंजिला इमारत ढही, मलबे में 8-10 लोगों के दबे होने की आशंका; 5 सुरक्षित निकाले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के सीमापुरी इलाके में मछली मंडी के पास बुधवार दोपहर एक बहुमंजिला इमारत अचानक ढह गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इमारत के मलबे में भवन मालिक के परिवार समेत करीब 8 से 10 लोगों के दबे होने की आशंका जताई गई है। राहत की बात यह है कि बचाव दल अब तक दो बच्चों समेत पांच लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल चुका है। घायलों को उपचार के लिए राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल ले जाया गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार हादसा दोपहर करीब 3:10 बजे ईदगाह मस्जिद के पास हुआ। जिस समय इमारत गिरी, उस दौरान पहली मंजिल पर एक परिवार के चार से पांच लोग मौजूद थे। इमारत गली के बिल्कुल अंदर की ओर स्थित थी, जिससे बचाव दल को मलबे तक पहुंचने और राहत कार्य में अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ी। बताया गया





कि इमारत के भूतल पर दुकानें थीं, जबकि ऊपर चार मंजिलें बनी हुई थीं। इन मंजिलों पर अलग-अलग परिवार रहते थे। भवन मालिक भी अपने परिवार के साथ इसी इमारत में रहता था और उसके परिवार के भी मलबे में दबे होने की आशंका है। फायर कंट्रोल रूम को दोपहर करीब 3:15 बजे इमारतगिरने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। बचावकर्मी मलबे को हटाकर अंदर फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं। मौके पर लगातार अभियान जारी है। स्थानीय पार्षद पंकज लूथरा ने बताया कि उन्हें इमारत ढहने की सूचना मिली थी। उन्होंने कहा कि मलबे से चार-पांच लोगों को पहले ही सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। शाहदरा के डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीना ने बताया कि अब तक करीब पांच से छह लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि बचाव अभियान लगातार जारी है और पूरी जानकारी सामने आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल दो से तीन लोगों के अभी भी इमारत के अंदर फंसे होने की सूचना है और बताया जा रहा है कि उनका बचाव दल से संपर्क बना हुआ है। हादसे के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस और संबंधित एजेंसियां राहत कार्य के साथ पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटा रही हैं।

3 साल में दिल्ली में इमारत गिरने की 1133 घटनाएं

2022 से 2025 तक दिल्ली में इमारत गिरने की 1133 घटनाएं सामने आईं। इन हादसों में 98 लोगों की मौत हुई है। सीमापुरी की ताजा घटना ने एक बार फिर राजधानी में जर्जर और कमजोर इमारतों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

कलेक्टर से मिलने 70 किमी दूर पैदल निकले 200 विद्यार्थी, प्राचार्य की शिकायत लेकर स्कूल से निकली 'एकलव्य' की आवाज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शहडोल। जैतपुर स्थित बिरौड़ी एकलव्य आवासीय विद्यालय के करीब 200 विद्यार्थी बुधवार को प्राचार्य से जुड़ी शिकायतें लेकर कलेक्टर से मिलने के लिए पैदल ही शहडोल की ओर निकल पड़े। विद्यार्थियों का कहना है कि वे अपनी समस्याएं सीधे कलेक्टर के सामने रखना चाहते हैं। खबर लिखे जाने तक विद्यार्थी 15 किलोमीटर से अधिक दूरी तय कर चुके थे। जैतपुर से शहडोल की दूरी 70 किलोमीटर से अधिक बताई गई है।विद्यार्थियों ने स्कूल परिसर से निकलने के बाद रास्ते में नारे भी लगाए। वे 'कलेक्टर से मिलना है, हमारी मांगें पूरी करो' जैसे नारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। विद्यार्थियों का कहना है कि विद्यालय के प्राचार्य से संबंधित कई शिकायतें हैं और वे इन समस्याओं को किसी स्थानीय अधिकारी के सामने रखने के बजाय सीधे कलेक्टर से मिलकर अपनी बात बताना चाहते हैं। इसी मांग को लेकर उन्होंने पैदल शहडोल जाने का फैसला किया। विद्यार्थियों के स्कूल से पैदल रवाना होने की जानकारी मिलने के बाद स्कूल प्रबंधन और प्रशासन सक्रिय हो गया। प्राचार्य ने विद्यार्थियों से बातचीत कर उन्हें समझाने और उनकी समस्याएं जानने का प्रयास किया, लेकिन विद्यार्थी कलेक्टर से सीधे मिलने की मांग पर कायम रहे। सके बाद बीईओ, बीआरसी और शहडोल से एसी ट्राइबल आनंद राय सिन्हा मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने विद्यार्थियों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। अधिकारियों की ओर से शिकायतों के निराकरण का भरोसा भी दिया गया, लेकिन विद्यार्थी अपनी मांग से पीछे नहीं हटे और कलेक्टर से मिलने के लिए आगे बढ़ते रहे।



नीमच में फर्नीचर गोदाम में भीषण आग, सोफा-पलंग और मशीनें जलकर खाक; 7 दमकल गाड़ियां और 2 टैंकर जुटे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नीमच। शहर के सिंगोली रोड स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पास नाकोड़ा फर्नीचर गोदाम में बुधवार दोपहर करीब 12:30 बजे भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि कुछ ही देर में पूरा गोदाम आग की लपटों से घिर गया। गोदाम से उठता काले धुएं का घना गुबार काफी दूर तक दिखाई देता रहा। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग के साथ प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए और आग पर काबू पाने का अभियान शुरू किया गया। आग की भयावहता को देखते हुए इसे बुझाने के लिए बड़ी संख्या में दमकल वाहनों को लगाया गया। नीमच नगर पालिका, सीआईएसएफ और जीरन नगर परिषद की 7 फायर ब्रिगेड गाड़ियों के साथ 2 पानी के टैंकर भी मौके पर बुलाए गए। दमकलकर्मियों ने अलग-अलग दिशाओं से पानी की बौछार कर आग को नियंत्रित करने का प्रयास किया। आग पर काबू पाने के दौरान आसपास के क्षेत्र में भी लोगों की आवाजाही पर नजर रखी गई। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीएम पराग जैन, तहसीलदार मृगेंद्र सिसोदिया और संजीव मालवीय भी मौके पर पहुंचे।



24 कैरेट सोना 498 रुपए टूटा, चांदी 1,245 रुपए नीचे; सितंबर में भी बड़ी गिरावट

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में बुधवार, 7 अक्टूबर को एक बार फिर गिरावट दर्ज की गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन) के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 498 रुपए घटकर 1.48 लाख रुपए पर आ गया। इसी तरह एक किलोग्राम चांदी की कीमत में 1,245 रुपए की कमी आई और यह 2.22 लाख रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई। कीमती धातुओं में लगातार उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों और खरीदारों की नजर अब आगे की कीमतों पर बनी हुई है। सितंबर में भी सोने-चांदी के दाम में बड़ी गिरावट देखने को मिली थी। 31 अगस्त को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1.56 लाख रुपए थी, जो 30 सितंबर तक घटकर 1.48 लाख रुपए पर आ गई। यानी सितंबर के दौरान सोने की कीमत में करीब 8 हजार रुपए की कमी आई। इसी तरह एक किलो चांदी का भाव 31 अगस्त को 2.37 लाख रुपए था, जो महीने के अंत तक घटकर 2.22 लाख रुपए रह गया। इस तरह सितंबर में चांदी करीब 15 हजार रुपए सस्ती हुई। विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले समय में सोने और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। ब्याज दरों में बदलाव के कारण निवेशकों के लिए सोने के मुकाबले अन्य निवेश विकल्पों का आकर्षण बढ़ सकता है, जिसका असर सोने की मांग और कीमत पर पड़ता है।



पटवारियों पर कार्रवाई के विरोध में प्रदेशभर में ऑनलाइन राजस्व काम से दूरी, 7 अक्टूबर से आंदोलन का ऐलान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवास। शुरू हुई पटवारियों पर कार्रवाई अब मध्यप्रदेश के कई जिलों तक पहुंच गई है। गुना में चार पटवारियों को निलंबित किया गया है, जबकि जिले के सभी 52 पटवारियों को सेवा समाप्ति का नोटिस जारी किया गया है। आगर मालवा में तीन और सतना में एक पटवारी पर कार्रवाई की जानकारी सामने आई है। लगातार हो रही निलंबन और सेवा समाप्ति की कार्रवाई के विरोध में पटवारी संघ ने 7 अक्टूबर से प्रदेशभर में ऑनलाइन राजस्व कार्यों से अलग रहने का निर्णय लिया है। पटवारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र बघेल ने बताया कि सीधी में संघ के पदाधिकारियों ने पटवारियों पर सेवा समाप्ति, निलंबन और अन्य दंडात्मक कार्रवाई के विरोध में प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है। संघ की ओर से राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव और कलेक्टर सीधी को पत्र भेजकर कार्रवाई वापस लेने की मांग की गई है। संघ के निर्णय के अनुसार 7 अक्टूबर से प्रदेशभर के पटवारी ऑनलाइन राजस्व कार्यों से दूरी बनाएंगे। इसके साथ ही पटवारी सभी शासकीय समूहों से भी बाहर रहेंगे। संघ का कहना है कि जब तक पटवारियों के खिलाफ की गई दंडात्मक कार्रवाई वापस नहीं ली जाती, तब तक यह निर्णय जारी रहेगा। पटवारी संघ का आरोप है कि देवास में 'स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026' सहित अन्य कार्यों को आधार बनाकर पटवारियों की सेवा समाप्त करने की कार्रवाई की जा रही है। संघ के मुताबिक प्रदेश के दूसरे जिलों में भी इसी तरह निलंबन और अन्य दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है।द्व संघ का कहना है कि स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन से जुड़ी विधिक और व्यावहारिक समस्याओं के बारे में शासन को पहले ही अवगत कराया जा चुका है। इसके बावजूद पटवारियों पर कार्रवाई किए जाने से कर्मचारियों में नाराजगी है। संघ ने कार्रवाई को वापस लेने की मांग की है। गुना कलेक्टर किशोर कान्याल के अनुसार जिले में चार पटवारियों को निलंबित किया गया है। वहीं शासकीय कार्य नहीं करने के मामले में जिले के सभी 52 पटवारियों को सेवा समाप्ति का नोटिस जारी किया गया है। पटवारियों के खिलाफ कार्रवाई का यह मामला अब प्रदेशस्तर पर विरोध का कारण बन गया है।



पति की हत्या के मामले में पत्नी और प्रेमी दोषी, सोते समय गला घोंटा फिर सांप से डसवाने की रची साजिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। पति अमित कश्यप की हत्या के मामले में कोर्ट ने बुधवार को उसकी पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को दोषी करार दिया। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान माना कि दोनों ने मिलकर अमित की हत्या की थी। अब दोनों की सजा पर 16 अक्टूबर को फैसला सुनाया जाएगा। घटना के 538 दिन बाद 16 तारीखों में 12 से ज्यादा गवाहों के बयान दर्ज होने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है। अमित कश्यप की हत्या 17 अप्रैल 2025 को हुई थी। मामले में रविता तब से मेरठ जेल में बंद है, जबकि उसका प्रेमी अमरदीप जमानत पर बाहर है। बुधवार को दोषी करार दिए जाने के दौरान रविता मुंह ढककर कोर्ट पहुंची। मीडियाकर्मियों ने उससे बात करने का प्रयास किया, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया।


रविता, आरोपी पत्नी



प्रेम संबंध के बाद पति की हत्या की साजिश

अमित कश्यप मेरठ-पौड़ी हाईवे से करीब चार किलोमीटर अंदर स्थित अकबरपुर सादात गांव का रहने वाला था। अमरदीप उसके साथ टाइल्स और पत्थर लगाने का काम करता था। इसी वजह से उसका अमित के घर भी आना-जाना था। इसी दौरान अमरदीप और रविता के बीच प्रेम संबंध हो गया। पुलिस की जांच के मुताबिक, जब अमित को दोनों के संबंधों की जानकारी हुई तो दोनों ने उसे रास्ते से हटाने की साजिश रची। बताया गया कि दोनों ने एक सपेरे से एक हजार रुपए में वाइपर सांप खरीदा था। 17 अप्रैल की रात अमित के सो जाने के बाद रविता ने अमरदीप को फोन कर घर बुलाया। आरोप के मुताबिक दोनों ने मिलकर अमित की गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद हत्या को सांप के डसने से हुई मौत दिखाने के लिए बिस्तर पर सांप छोड़ दिया गया। अमरदीप वहां से चला गया, जबकि रविता दूसरे कमरे में जाकर सो गई। सुबह घरवालों ने अमित को मृत अवस्था में देखा। शरीर पर सांप के डसने के निशान थे, इसलिए परिजनों को लगा कि उसकी मौत सांप के काटने से हुई है। परिवार ने सपेरे को बुलाया, जिसने सांप को पकड़ लिया और अपने साथ ले गया। इसके बाद अमित को डॉक्टर के पास ले जाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पांच दिन बाद सामने आई पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट ने मामले की दिशा बदल दी। रिपोर्ट में सामने आया कि अमित की मौत सांप के डसने से नहीं, बल्कि दम घुटने के कारण हुई थी। इसके बाद पुलिस ने शक के आधार पर रविता को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान अमरदीप का नाम सामने आया। पुलिस ने दोनों से पूछताछ की और जांच में हत्या की साजिश से जुड़े तथ्य सामने आए।

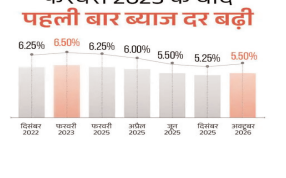
सांप के भी जहरीला नहीं होने की बात सामने आई

जांच के दौरान यह भी पता चला कि जिस सांप को अमित को डसवाने के लिए इस्तेमाल किया गया था, वह जहरीला नहीं था और उसके दांत भी नहीं थे। यानी सांप के जरिए मौत दिखाने की कोशिश के बावजूद पोस्टमॉर्टम में दम घुटने से मौत की पुष्टि होने के बाद पुलिस की जांच हत्या की दिशा में आगे बढ़ी। मामले में कोर्ट ने 16 तारीखों पर सुनवाई की और 12 से अधिक गवाहों के बयान दर्ज किए। अब कोर्ट ने रविता और अमरदीप को हत्या के मामले में दोषी करार दिया है। दोनों की सजा पर 16 अक्टूबर को फैसला सुनाया जाएगा।

भारत की अर्थव्यवस्था को वर्ल्ड बैंक का बड़ा भरोसा, FY27 की विकास दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1% किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महंगाई के बढ़ते दबाव के बीच रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर दी है। बुधवार को मौद्रिक नीति समिति की तीन दिन चली बैठक के बाद RBI ने रेपो रेट में 25 आधार अंक की बढ़ोतरी करते हुए इसे 5.25' से बढ़ाकर 5.50' कर दिया। फरवरी 2023 के बाद यह पहली बार है, जब रिजर्व बैंक ने रेपो रेट बढ़ाया है। साथ ही RBI ने अपनी मौद्रिक नीति का रुख बदलकर 'कैलिब्रेटेड टाइटनिंग' कर दिया है। RBI गवर्नर संजय मल्होत्रा ने 7 अक्टूबर को बैठक के फैसलों की जानकारी दी। केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए महंगाई का अनुमान भी बढ़ाकर 5.2' कर दिया है। इससे पहले यह अनुमान 5' था। RBI के मुताबिक महंगाई का दबाव अब पहले के मुकाबले व्यापक होता दिखाई दे रहा है। रेपो रेट वह ब्याज दर है, जिस पर बैंकRBI से कर्ज लेते हैं। जब RBI इस दर को बढ़ाता है तो बैंकों के लिए RBI से पैसा लेना महंगा हो जाता है। इसका असर बैंकों की कर्ज दरों पर पड़ सकता है और ग्राहकों के लिए होम लोन, वाहन ऋण तथा अन्य कर्ज महंगे हो सकते हैं। हंगे कर्ज का असर लोगों की उधार लेने और खर्च करने की क्षमता पर पड़ता है। यदि लोग कम कर्ज लेते हैं और खर्च में कमी करते हैं तो बाजार में मांग पर दबाव कम हो सकता है। मांग का दबाव घटने से महंगाई को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। यही वजह है



किआरा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा दूसरी बार बनेंगे माता-पिता, सोशल मीडिया पर दी खुशखबरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी और अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं। दोनों ने बुधवार को सोशल मीडिया के जरिए यह खुशखबरी साझा की। पोस्ट में दोनों ने लिखा, 'एक बार फिर हमें जिंदगी का सबसे बड़ा तोहफा मिलने वाला है। हमारे दिल प्यार और आभार से भर गए हैं।' इस घोषणा के बाद प्रशंसकों और फिल्म जगत से दोनों को बधाइयां मिल रही हैं। कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने 7 फरवरी 2023 को शादी की थी। दोनों ने राजस्थान के जैसलमेर स्थित सूर्यगढ़ पैलेस में परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में शादी की। दोनों की प्रेम कहानी फिल्म 'शेरशाह' के दौरान चर्चा में आई थी। इस फिल्म में दोनों ने साथ काम किया था और शूटिंग के दौरान उनकी नजदीकियां बढ़ने की खबरें सामने आई थीं। शादी के करीब दो साल बाद जुलाई 2025 में कियारा और सिद्धार्थ पहली बार माता-पिता बने थे। दोनों ने सोशल मीडिया के जरिए बेटी के जन्म की जानकारी साझा की थी। बेटी के जन्म के बाद दोनों ने कई मौकों पर माता-पिता बनने के अनुभव को लेकर अपनी भावनाएं साझा कीं। हाल ही में सिद्धार्थ मल्होत्रा ने पिता बनने के अनुभव के बारे में भी बात की थी। टीवी शो 'बिग बॉस 20' में पहुंचे सिद्धार्थ से सलमान खान ने उनकी शादीशुदा जिंदगी और पिता बनने को लेकर सवाल किया था। सिद्धार्थ ने कहा था कि पिता बनना उनके लिए सबसे खास भूमिका है। उन्होंने अपनी बेटी को बहुत प्यारा बताया और कहा था कि वह लगातार नई चीजें सीख रही है। इसी बातचीत के दौरान सलमान खान ने मजाकिया अंदाज में सिद्धार्थ से जल्द एक और बच्चा होने की बात भी कही थी। हालांकि उस समय कपल की ओर से दूसरी प्रेग्नेंसी को लेकर कोई घोषणा नहीं की गई थी मां बनने के बाद जिंदगी में आए बदलावों के बारे में कियारा आडवाणी ने राज शमानी के पॉडकास्ट में बात की थी। उन्होंने कहा था कि मां बनने से पहले और बाद में उन्होंने खुद में काफी बदलाव महसूस किया।



80 फीट का 'ड्रम पुल' बना ग्रामीणों का सहारा, चंदा जुटाकर मानसागर तालाब पर खुद बनाया रास्ता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टीकमगढ़। जिले की मोहनगढ़ तहसील के रानीपुरा गांव में बारिश के दौरान ग्रामीणों की परेशानी ने उन्हें खुद रास्ता बनाने के लिए मजबूर कर दिया। मानसागर तालाब का रास्ता पानी में डूब जाने के कारण गांव का संपर्क प्रभावित हो जाता है। पुल निर्माण की मांग लंबे समय से पूरी नहीं होने पर ग्रामीणों ने चंदा जुटाकर प्लास्टिक के ड्रम, बांस और रस्सियों की मदद से करीब 80 फीट लंबा अस्थायी तैरता पुल तैयार कर लिया। अब ग्रामीण इसी पुल के सहारे रोजाना तालाब के पानी को पार कर आवागमन कर रहे हैं। ग्रामीणों के मुताबिक बारिश के दिनों में मानसागर तालाब का जलस्तर बढ़ने के साथ गांव से बाहर जाने वाला रास्ता पानी में डूब जाता है। इसके चलते ग्रामीणों के सामने आवागमन का संकट खड़ा हो जाता है। गांव से बाहर जाने के लिए दूसरा रास्ता भी मौजूद है, लेकिन वह कई किलोमीटर लंबा होने के साथ जर्जर हालत में है। बारिश के दौरान इस रास्ते पर कीचड़ हो जाने से पैदल निकलना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में ग्रामीणों के लिए ड्रम से बनाया गया अस्थायी पुल ही आसान रास्ता बन गया है।



बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक इसी पुल का सहारा

ग्रामीणों ने बताया कि अस्थायी पुल बनने के बाद बच्चों के लिए स्कूल जाने का रास्ता आसान हुआ है। बच्चे रोजाना इसी पुल से होकर स्कूल पहुंच रहे हैं। इसके अलावा ग्रामीण अस्पताल और बाजार जाने के लिए भी इसी का इस्तेमाल कर रहे हैं। खेतों और मुक्तिधाम तक पहुंचने के लिए भी यह पुल ग्रामीणों के लिए महत्वपूर्ण रास्ता बन गया है। प्लास्टिक के ड्रमों को पानी की सतह पर व्यवस्थित कर उन्हें बांस और रस्सियों की मदद से आपस में जोड़ा गया है। ग्रामीणों ने अपनी जरूरत के हिसाब से इसे करीब 80 फीट लंबा बनाया है। सीमित संसाधनों के बावजूद तैयार किया गया यह अस्थायी पुल फिलहाल बारिश के दौरान ग्रामीणों के आवागमन का प्रमुख साधन बना हुआ है।नीपुरा के ग्रामीण रमेश, सुमेरा और रानी केवट ने बताया कि स्थायी पुल निर्माण की मांग को लेकर नेताओं से लेकर शासन और प्रशासन तक कई बार आवेदन दिए गए। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से समस्या सामने रखने के बावजूद इसका समाधान नहीं हुआ। आखिरकार ग्रामीणों ने आपस में चंदा जुटाने का फैसला किया। इसके बाद प्लास्टिक के ड्रम, बांस और रस्सियां जुटाकर पानी के ऊपर अस्थायी तैरता पुल तैयार किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि यह व्यवस्था उनकी मजबूरी है, क्योंकि बारिश के दौरान गांव से बाहर निकलने के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक रास्ता उपलब्ध नहीं है। ग्रामीणों की मांग है कि मानसागर तालाब पर स्थायी पुल का निर्माण कराया जाए, ताकि बारिश के दिनों में गांव का संपर्क बाधित न हो और बच्चों, मरीजों तथा अन्य ग्रामीणों को आवागमन के लिए इस तरह के अस्थायी इंतजाम पर निर्भर नहीं रहना पड़े।

मध्यप्रदेश में राहुल गांधी के डिजिटल सत्याग्रह को 2300 आवाजें, शिक्षा और भ्रष्टाचार के मुद्दे सबसे आगे; इंदौर टॉप पर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के डिजिटल सत्याग्रह अभियान में मध्यप्रदेश के 53 जिलों से अब तक करीब 2300 लोगों ने अपनी आवाज दर्ज कराई है। अभियान में इंदौर सबसे आगे है, जहां 210 लोगों ने अलग-अलग मुद्दों को लेकर अपनी शिकायतें और समस्याएं दर्ज कराई हैं। राजधानी भोपाल से 154 आवाजें दर्ज हुई हैं। प्रदेश में सबसे ज्यादा लोगों ने शिक्षा को अपना मुद्दा बनाया है। इसके बाद भ्रष्टाचार और किसानों से जुड़े मामले प्रमुख रहे हैं। राहुल गांधी ने 2 अक्टूबर को एक वेबसाइट लॉन्च कर देशभर के लोगों से अपने मुद्दे और समस्याएं दर्ज कराने की अपील की थी। इसका उद्देश्य लोगों की समस्याओं को एक मंच उपलब्ध कराना बताया गया है। अब तक देशभर से 32 हजार से ज्यादा आवाजें दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। डिजिटल सत्याग्रह के लिए 13 मुद्दे तय किए गए हैं। इनमें शिक्षा, भ्रष्टाचार, किसान और जातिगत भेदभाव सहित अन्य विषय शामिल हैं। मध्यप्रदेश में शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर सबसे ज्यादा 503 लोगों ने अपनी आवाज दर्ज कराई है। इसके बाद भ्रष्टाचार और किसानों से जुड़े मामलों का स्थान रहा। एथेनॉल मिश्रण और वोट चोरी से संबंधित शिकायतें भी इस अभियान के माध्यम से दर्ज की गई हैं। आवाज दर्ज कराने के मामले में इंदौर 210 लोगों के साथ प्रदेश में सबसे आगे है। इंदौर और भोपाल में शिक्षा के अलावा महिला सुरक्षा और भ्रष्टाचार से जुड़े मुद्दे भी प्रमुख रहे। किसानों से जुड़े मामलों को लेकर राजगढ़ और विदिशा से सबसे ज्यादा आवाजें दर्ज हुईं। बालाघाट से स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच से संबंधित 13 मामले सामने आए, जबकि जातिगत भेदभाव से जुड़े मुद्दे विदिशा से दर्ज किए गए। कांग्रेस प्रवक्ता आनंद जाट ने कहा कि सत्याग्रह अभियान अनसुनी आवाजों को मंच देने का माध्यम है। उनके अनुसार राहुल गांधी हर व्यक्ति की बात को आवाज देना चाहते हैं। कांग्रेस का कहना है कि सरकार में लोगों की समस्याओं की सुनवाई नहीं होने के कारण यह अभियान उन्हें अपनी बात सामने रखने का अवसर दे रहा है। अभियान की शुरुआत के 24 घंटे के भीतर महिला सुरक्षा, अत्याचार, शिक्षा तक पहुंच और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे सामने आने की बात भी कांग्रेस ने कही है। कांग्रेस के मुताबिक मध्यप्रदेश से करीब 2 हजार लोगों ने अब तक अपनी आवाज उठाई है। पिछले एक सप्ताह में राहुल गांधी ने आदिवासियों के मुद्दे पर पत्र लिखा। इसके अलावा मुख्यमंत्री मोहन यादव को 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण और शिक्षकों से जुड़े मामलों को लेकर भी पत्र भेजे गए। शिक्षकों के मामले में उन्होंने भूख हड़ताल करने वालों पर प्राथमिकी दर्ज नहीं करने और झूठे मुकदमे नहीं लगाने की मांग की है।



भाजपा ने अभियान पर उठाए सवाल

भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी ब्रज गोपाल लोया ने डिजिटल सत्याग्रह को लेकर कांग्रेस पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकारें हैं, वहां समस्याओं के समाधान के लिए ऐसा अभियान क्यों नहीं चलाते। उन्होंने केरल, कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश से दर्ज समस्याओं का आंकड़ा भी पूछते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार लोगों की समस्याओं के समाधान की कोशिश कर रही है

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.